{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 06 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष कृष्ण 01 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 44
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	83,459.15
निफ्टी	25,597.65
सोना	1,21,480
चांदी	1,50,500
डॉलर	88.64

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

केंद्रीय जेल के दो बंदी फरार

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर केंद्रीय जेल के दो बंदी फरार हो गए है। दोनों 18 अक्टूबर को पैरोल पर छूटे थे। 15 दिन की पैरोल खत्म होने के बाद वापस जेल नहीं लौटे। दोनों हत्या, हत्या के प्रयास और दुष्कर्म के आरोपी है। फिलहाल पुलिस तलाश में जुटी हुई है। यह पूरा मामला बहोड़ापुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, दो बंदी डबरा निवासी देवेंद्र सिंह सोलंकी और शिवपुरी निवासी धारा जाटव 18 अक्टूबर को पैरोल पर छूटे थे। 50 हजार के मुचलके पर दोनों को पैरोल मिली थी। 2 नवंबर को जेल लौटना था, लेकिन 15 दिन की पैरोल के खत्म होने के बाद भी वापस नहीं लौटे। वक्त गुजरने के बाद न लौटने पर जेल प्रशासन ने थाने में रिपोर्ट की है। वहीं बहोड़ापुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। आपको बता दें कि दोनों हत्या, हत्या के प्रयास और दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद थे।

गूगल स्पेस में बनाएगी एआई डेटा सेंटर

नई दिल्ली। गूगल ने अपने नए मूनशॉट प्रोजेक्ट सनकैचर का ऐलान किया। इस प्रोजेक्ट के तहत गूगल स्पेस में एआई डेटा सेंटर बनाएगा। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। कंपनी इस प्रोजेक्ट के तहत स्पेस में सोलर पावर्ड सैटेलाइट्स भेजेगी, जिनमें गूगल के ट्रिलियम टीपीयूएस लगे होंगे। ये सैटेलाइट्स फ्री-स्पेस ऑप्टिकल लिंक्स से जुडक़र एआई की कंप्यूट पावर को पृथ्वी से बाहर स्केल करेंगे। यानी इस प्रोजेक्ट के तहत सूरज की रोशनी यानी सोलर पावर से बिजली बनाकर एआई कामों को पूरा किया जाएगा। गूगल का दावा है कि स्पेस में सोलर पैनल पृथ्वी के मुकाबले 8 गुना ज्यादा पावर देंगे और बैटरी की जरूरत भी कम पड़ेगी।

ईपीएफओ सोसायटी में 70 करोड़ का घोटाला

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने ईपीएफओ स्टाफ क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी में 70 करोड़ के घोटाले का खुलासा किया है। पुलिस ने सीईओ गोपी और कर्मचारी लक्ष्मी जगदीश को गिरफ्तार किया, जबकि अकाउंटेंट जगदीश फरार है। सोसाइटी 61 साल से कर्मचारियों की एफडी रकम संभाल रही थी। करीब तीन महीने पहले ब्याज भुगतान रुकने पर गड़बड़ी सामने आई। जांच में करोड़ों रुपए गायब मिले और सिर्फ 3 करोड़ लोन के रूप में दिए गए थे। पुलिस ने कई लग्जरी गाडियां जब्त कीं और विदेशी खातों में ट्रांजैक्शन की जांच शुरू की है।

कुछ ना कहना

लोकतंत्र का महापर्व : आज 121 सीटों पर होगा मतदान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले फेज में आज 6 नवंबर को 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। इसके लिए प्रशासनिक तैयारियां पूरी हो चुकी है। मतदान की पूर्व संध्या पर तमाम जिलों में अलग-अलग मतदान केंद्रों पर ईवीएम, वीवीपैट, स्याही, बैलेट बॉक्स और अन्य जरूरी सामग्री डिस्पैच किया जा चुका है। सुरक्षाकर्मियों के साथ मतदानकर्मी निकल चुके हैं। मतदान दलों को रवाना करने से पहले सभी ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की अंतिम जांच की गई। प्रत्येक मशीन को संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर की निगरानी में सील किया गया। तकनीकी कर्मियों ने मशीनों की कार्यप्रणाली की जांच की और सुनिश्चित किया कि सभी उपकरण पूरी तरह से कार्यरत हैं। इसके बाद मतदान दलों को गाड़ियों में लोड कर निर्धारित बूथों के लिए रवाना किया गया। प्रत्येक वाहन में सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी सुनिश्चित की गई ताकि मशीनों की सुरक्षित ढुलाई हो सके।

इस बार का चुनाव कई मायनों में अलग

राजनीति के जानकारों के अनुसार इस बार का चुनाव कई मायनों में अलग है। इस बार घोषणा करने में कोई भी दल पीछे नहीं है लेकिन चुनावी लड़ाई दिलचस्प बन गई है। महिलाओं और युवाओं को लेकर लिए गए फैसले गेम चेंजर हो सकते हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में 121 विधानसभा सीटों में से 60 पर एनडीए को जीत मिली थी, जबकि 61 सीटों पर महागठबंधन का कब्जा है लेकिन इस बार कई सीटों पर उलटफेर होने की संभावना से इंकार भी नहीं किया जा सकता है। एनडीए के पक्ष में पहले चरण के चुनाव में कई घोषणाएं बढ़त दिला सकती है। इनमें एक करोड़ 51 लाख महिलाओं को 10000 रुपया देना, 125 यूनिट फ्री बिजली, एक करोड़ नौकरी और रोजगार का वादा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन 400 से 1100 करने का फैसला शामिल है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खुद चुनाव प्रचार कमान संभालने का लाभ मिल सकता है। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मैराथन चुनाव प्रचार से भी फायदा हो सकता है। जबकि तेजस्वी यादव के सीएम उम्मीदवार की घोषणा से अति पिछड़ा वोट पर असर पड़ सकता है और एनडीए को लाभ मिल सकता है।

पहले चरण में इन दिग्गजों की किस्मत दांव पर

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में आज 6 नवंबर को 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर होने वाले मतदान में कुल 1,314 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें एनडीए और महागठबंधन के दिग्गज नेता शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, तेजस्वी प्रसाद यादव और उनके भाई तेज प्रताप यादव जैसे वीआईपी उम्मीदवारों की नजरें इन सीटों पर टिकी हैं। 2020 के चुनाव में एनडीए ने इन सीटों पर मजबूत पकड़ दिखाई थी, लेकिन इस बार महागठबंधन बेरोजगारी, पलायन और विकास के मुद्दों पर जोर दे रहा है। पहले चरण के चुनाव में कई बड़े नेताओं की साख दांव पर लगी है। इसमें महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी यादव, बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा विजय कुमार सिन्हा प्रमुख हैं। लालू प्रसाद के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव और जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा भी इसी चरण में मैदान में उतरे हैं। भोजपुरी सिनेमा के लोकप्रिय कलाकार खेसारी लाल यादव के साथ-साथ मैथिली ठाकुर की किस्मत का फैसला भी पहले चरण की मतपेटियों में बंद हो जाएगा।

सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम

पहले चरण के मतदान को लेकर सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। पटना समेत सभी 18 जिलों में पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों पर विशेष गश्ती दल नियुक्त किए गए हैं। पटना जिला प्रशासन के मुताबिक मतदान के दौरान हर बूथ पर सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी सुनिश्चित की गई है ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या हिंसा की संभावना को रोका जा सके।

फ्रेंडली फाइट, कई सीटों पर महागठबंधन की मुश्किलें बढ़ी

यूँ तो सीधी लड़ाई एनडीए और महागठबंधन के बीच ही होनी है लेकिन कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला भी हो रहा है। वहीं महागठबंधन में फ्रेंडली फाइट के कारण कई सीटों पर महागठबंधन की मुश्किल भी बढ़ा दी है. जिसका लाभ एनडीए को मिल सकता है।

फेज वन में सबसे अधिक राजद ने 72 उम्मीदवार

पहले चरण में कुल 1314 उम्मीदवार हैं। एनडीए की ओर से जदयू ने 57, भाजपा ने 48, एलजेपीआर ने 13, उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम ने 2 और जीतन राम मांझी की हम ने 1 सीट पर प्रत्याशी उतारे हैं। वहीं, महागठबंधन की तरफ से राजद ने 72, कांग्रेस ने 24, सीपीआईएमएल ने 14, वीआईपी और सीपीआई ने 6-6 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। सीपीएम ने 3, आईपी गुप्ता की आईपीपी ने दो सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। 6 सीटों पर फ्रेंडली फाइट है।

चुनाव में सिर्फ 9 प्रतिशत महिला उम्मीदवार

चुनाव में महिलाओं की भागीदारी कम है। पहले चरण में 122 महिला उम्मीदवार हैं, जो कुल 1,314 प्रत्याशियों का लगभग 9 प्रतिशत है। 1192 पुरुष उम्मीदवारों (91 प्रतिशत) हैं। एनडीए ने 34 और महागठबंधन ने 30 महिलाओं को टिकट दिया है। भोजपुरी गायिका मैथिली ठाकुर अलीनगर से भाजपा प्रत्याशी हैं। खेसारी लाल यादव राजद के टिकट पर छपरा से चुनाव लड़ रहे हैं।

100 वर्ष से अधिक आयु वाले 6,736 मतदाता

पहले चरण में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। एक करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, एक करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं और 758 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा, 1, 00, 904 सर्विस वोटर भी इस चरण में वोट डालेंगे।

महादेव सट्टेबाजी एप के आरोपी के गायब होने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा अदालतों और जांच एजेंसियों को खेल समझें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को महादेव सट्टेबाजी एप के फरार सह-संस्थापक का पता लगाने और उसकी मौजूदगी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सट्टेबाजी प्रकरण का आरोपी दुबई से भागकर किसी अज्ञात स्थान पर चला गया है, जिसके बाद कोर्ट ने यह निर्देश दिया है। न्यायालय ने कहा ऐसे मामलों के आरोपी अदालतों और जांच एजेंसियों को खेल समझें, इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी रवि उप्पल की ओर से कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के मामले को गंभीरता से लिया और कहा कि इससे हमारी अंतरात्मा को धक्का लगा है और अदालत को इस बारे में कुछ करना होगा।

भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बच रहा उप्पल कथित तौर पर दुबई से भागकर किसी अज्ञात स्थान पर चला गया है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने उसके खिलाफ प्रत्यर्पण की कार्यवाही बंद कर दी है। पीठ ने कहा कि उस जैसे सरगनाओं के लिए अदालतें और जांच एजेंसियां महज खेलने का साधन हैं। हमें इस बारे में कुछ करना होगा। पीठ ने ईडी को उसे तलाशने और हिरासत में लेने का निर्देश दिया। अदालत ने मंगलवार को कहा कि हम उसकी याचिका खारिज कर देंगे। पता लगाइए कि उसे कैसे हिरासत में लिया जाए। ऐसा लगता है कि वह एक जगह से दूसरी जगह जाने में काफी कुशल है।

लगता है उप्पल दुबई भाग गया

शीर्ष अदालत उप्पल की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 22 मार्च के आदेश को चुनौती दी है। अदालत की ओर से उप्पल को रायपुर की निचली अदालत में लंबित धन शोधन मामले की सुनवाई में शामिल होने का निर्देश दिया गया था। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने अदालत को बताया कि ऐसा लगता है कि उप्पल दुबई से भाग गया है, जहां उसे 2023 में हिरासत में लिया गया था।

राहुल गांधी का हाइड्रोजन बम : हरियाणा में ब्राजीलियाई मॉडल ने 10 बूथों पर डाले 22 वोट

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर वोट चोरी संबंधी गंभीर आरोप लगाए। स्क्रीन पर प्रजेंटेशन दे रहे राहुल गांधी ने कहा, कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी प्रत्याशी ने बताया था, कि यहां कुछ सही नहीं चल रहा। इसी बीच राहुल ने ब्राजीलियाई मॉडल की तस्वीर दिखाते हुए कहा, कि यह ब्राजील की फेसम मॉडल है, लेकिन इसने भी कभी स्वीटी तो कभी सीमा बनकर हरियाणा के 10 बूथों में 22 बार वोट डाले। इस तरह एक अंतर्राष्ट्रीय मॉडल की तस्वीर का इस्तेमाल करते हुए फर्जी वोटर बनाए गए।

जैसा कि राहुल गांधी लगातार कहते आ रहे थे, कि वो वोट चोरी से जुड़े ऐसे साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे जो किसी हाइड्रोजन बम से कम नहीं होगा, सो बुधवार को मीडिया के समक्ष उन्होंने इसके सबूत भी पेश किए। यहां राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा, कि हरियाणा 2 बूथ ऐसे थे, जहां पर एक ही फोटो का 223 बार इस्तेमाल हुआ। हर वोटर लिस्ट में अलग-

अलग नाम और अलग-अलग उम्र दर्शाई गई। राहुल ने कहा, इस तरह देखा जाए तो हरियाणा में 8 में से एक मतदाता फर्जी दर्ज है। राहुल गांधी ने दावा करते हुए कहा, पिछले साल हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में 25 लाख फर्जी मतों के जरिए 'वोट चोरी' की गई। यहां उन्होंने हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी के बयान का वीडियो फुटेज भी प्रदर्शित किया, जिसमें सैनी ने सरकार बनाने वाली व्यवस्था की बात की थी। राहुल गांधी ने कहा, हरियाणा में पांच अलग-अलग तरीकों से 25,41,144 फर्जी वोटों से 'वोट चोरी' का काम किया गया।

यहां बताते चलें कि हरियाणा में अक्टूबर, 2024 में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कुल 90 सीटों में से 48 सीटों पर लगातार जीत हासिल की थी। वहीं कांग्रेस को 37 सीटें हासिल हुईं थीं। इस पर राहुल ने चुनावी गड़बड़ी, अनियमितताओं के साथ ही वोट चोरी का आरोप लगाते हुए कहा, कि कांग्रेस की जीत को भाजपा की जीत में बदलने की गंभीर साजिश रची गई। राहुल गांधी ने यहां जेन-ज़ी के भविष्य का सवाल उठाते हुए कहा, कि निर्वाचन आयोग और देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि जेनरेशन 'जेड' का भविष्य बर्बाद करने का कार्य किया जा रहा है।

यहां चुनाव नहीं बल्कि वोट चोरी हुई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, कि हरियाणा में कोई चुनाव नहीं हुआ, बल्कि सिर्फ और सिर्फ वोट चोरी हुई है। इसके स्पष्ट प्रमाण हमारे पास मौजूद हैं, कि 25 लाख मतदाता फर्जी हैं, या तो वे मौजूद नहीं या वे डुप्लिकेट हैं या किसी भी व्यक्ति द्वारा वोट देने के लिए बना दिए गए हैं, इस प्रकार हरियाणा में 8 में से 1 वोटर फर्जी है, जो 12.5प्रतिशत है।

अब मेडिकल और कानूनी सलाह नहीं देगा, चैटजीपीटी

नई दिल्ली । एआई चैटवाट अपने उपयोग कर्ताओं को मेडिकल, वित्तीय और कानून से संबंधित सलाह नहीं देगा।चैट जीपीटी की पेरेंट कंपनी ने मुकदमे बाजी और जिम्मेदारी से बचने के लिए,भारत के प्लेटफार्म पर यह कदम उठाया है। कंपनी का कहना है, यह कदम चैट जीपीटी का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा और उनकी कानूनी जिम्मेदारी से बचने के लिए यह निर्णय लिया है। वर्तमान निर्णय के पश्चात अब चैटवाट मुकदमे से बचने के लिए कानूनी जानकारी, निवेश इत्यादि से संबंधित तथा स्वास्थ्य से संबंधित दावों के बारे में सुझाव और सलाह की जिम्मेदारी नहीं लेगा। कंपनी को डर है, जिस तरह की जानकारी चैट जीपीटी द्वारा दी जाती है।भारत में उस जानकारी को लेकर मुकदमेबाजी का शिकार होना पड़ सकता है। जिसके कारण कंपनी ने जिम्मेदारी से हटा लिया है। अब उपयोगकर्ता अपने स्तर पर निर्णय करेगा, उसे वह जानकारी सही लगती है, या गलत है। चैट जीपीटी गो,का 39 मासिक वाला मंथली प्लान यूजर्स को 1 साल के लिए निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। चैटजीपीटी के लिए भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है।

रिपोर्ट में दावा...महिला कल्याण केंद्रित योजनाएं बढ़ा रहीं राज्यों का बोझ
12 राज्यों ने इस साल महिलाओं को बांटे 1.68 लाख करोड़

नई दिल्ली। हाल के वर्षों में देश की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। राजनीति महिला कल्याण केंद्रित होती जा रही है और विभिन्न राज्यों द्वारा महिलाओं के बैंक खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर करने की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अब एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देशभर में 12 राज्यों में महिलाओं को नकद पैसे ट्रांसफर करने की योजनाएं चल रही हैं और इनके चलते राज्यों के खजाने पर भारी दबाव पड़ रहा है।

थिंक टैंक पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की रिपोर्ट के

अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश के कुल 12 राज्यों ने महिला कल्याण योजनाओं पर 1.68 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। इन योजनाओं के तहत महिलाओं को बिना शर्त नकद पैसे ट्रांसफर की योजनाएं संचालित हो रही हैं। तीन साल पहले देश में सिर्फ दो राज्यों द्वारा महिलाओं को नकद पैसे ट्रांसफर करने की योजनाएं चलाई जा रहीं थी। अब इनकी संख्या बढक़र 12 पहुंच गई है। रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं को बिना शर्त नकद ट्रांसफर स्कीम लागू करने वाले 12 राज्यों में से छह घाटे में चल रहे हैं। हालांकि, नकद ट्रांसफर स्कीम पर खर्च को छोडक़र इन राज्यों के वित्तीय संकेतकों में सुधार दिखाई दे रहा है।

ललन पासवान ने बीजेपी छोड़कर राजद का दामन थामा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बीजेपी को एक बड़ा झटका लगा है। पीरपैंती विधानसभा सीट से वर्तमान विधायक ललन पासवान ने बीजेपी छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का दामन थाम लिया है। पासवान ने आरजेडी सुप्रीमो और वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आरजेडी के आधिकारिक एक्स हैंडल से तेजस्वी और राबड़ी देवी के साथ उनकी तस्वीर साझा कर उनके पार्टी में शामिल होने की पुष्टि हुई है।

वोटिंग से ठीक पहले एक मौजूदा विधायक का पाला बदलना राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर सकता है। माना जा रहा है कि कदम से पीरपैंती और आसपास की सीटों के चुनावी समीकरण पर सीधा असर पड़ सकता है। बीजेपी के लिए यह बड़ा नुकसान माना जा रहा है, जबकि आरजेडी गुट में ललन पासवान के आने से खुशी की लहर है।

स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम शून्य...लेकिन बीमा ग्राहकों को नहीं मिल रहा लाभ

मुंबई। जीएसटी काउंसिल ने सितंबर में स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत के जीएसटी को शून्य किया था, लेकिन ग्राहकों को उसका कोई लाभ नहीं मिला। अधिकांश बीमा कंपनियों ने कुल प्रीमियम बीते वर्ष के मुकाबले ज्यादा कर दिया। यह बढ़ोतरी 10 से लेकर करीब 37 प्रतिशत तक हुई है। वाहन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में बीते वर्ष के मुकाबले करीब 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

बढ़ोतरी के पीछे कंपनी ने चिकित्सा महंगाई, बाजार की प्रवृत्तियां, दावों और सेवाओं की लागत में वृद्धि को बताया। कंपनी ने कहा कि प्रीमियम में बढ़ोतरी इरडा के दिशा-निर्देशों के अनुसार है। अधिकांश कंपनियां पॉलिसी में नए राइडर (सुविधाएं एवं कवरेज) जोड़कर प्रीमियम बढ़ा रही हैं। राइडर जोड़ने से पहले पॉलिसीधारक से कोई स्वीकृति नहीं ली जा रही है। कई कंपनियों द्वारा पॉलिसी में पहले से शामिल कवरेज को नया बताकर उसका प्रीमियम भी जोड़ा जा रहा है। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी ने बीते वर्ष एक पॉलिसी साढ़े सात लाख रुपये के बीमा कवरेज के साथ 16,731 रुपये में बेची थी, जिसमें 2552.22 रुपये का जीएसटी था। इस बार जीएसटी हटने के बाद कुल प्रीमियम 14,178.78 रुपये का होना चाहिए था, लेकिन कंपनी ने 14 नवंबर को रिन्युअल होने वाली पॉलिसी का प्रीमियम 17,155 रुपये बताया है।

बीजापुर में एनकाउंटर...3 नक्सलियों के मारे जाने की खबर
जवानों ने जंगल में नक्सलियों को घेरा, दोनों ओर से चल रही फायरिंग, सर्च ऑपरेशन जारी

बीजापुर। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर बीजापुर जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। एनकाउंटर में 3 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। बताया जा रहा है कि जवानों ने जंगल में नक्सलियों को घेर लिया है। अन्नाराम और मरीमल्ला के जंगलों में दोनों ओर से फायरिंग हो रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ नक्सलियों की मद्देड एरिया कमेटी से हुई है। जवानों की टीम जंगल में मौजूद है। जंगल से जवानों ने बड़ी तादाद में हथियार बरामद किए हैं। इलाके में

सर्च ऑपरेशन जारी है। फिलहाल पुलिस ने नक्सलियों के मारे जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

नक्सलियों के खात्मे की तैयारी में फोर्स

बस्तर में फोर्स अब नक्सलियों के खात्मे की तैयारी में है। नक्सली संगठन के कई बड़े नेताओं के मारे जाने के बाद सुरक्षाबल एक्टिव मोड पर है। फोर्स का फोकस बस्तर के 50 चुनिंदा गांवों पर है, जहां से नक्सलियों की पकड़ पूरी तरह खत्म करने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि इस अभियान की शुरुआत बीजापुर जिले से हो रही है। इसके लिए नारायणपुर, बस्तर, दंतेवाड़ा और सुकमा से डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व ग्रुप) के जवानों की 10 से ज्यादा टीमें बनाई जा रही हैं। इन जवानों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और उन्हें अगले आदेश तक ड्यूटी पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह ऑपरेशन अबूझमाड़ और करेंगुट्टा जैसे पिछले बड़े अभियानों की तरह ही बड़े पैमाने पर चलाया जाएगा। ह्व

कामयाबी की नई उड़ान-सरकारी स्कूल ने बदल दी 26 मेधावी विद्यार्थियों की किस्मत

छोटे गाँवों से देश के शीर्ष संस्थानों तक का सफ़र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट जिले के उकवा में संचालित एकलव्य माडल आवासीय विद्यालय अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं के सपनों को नई उड़ान देने के साथ ही उनके सपनों को भी साकार करने में मददगार बन रहा है। जिले के दूरस्थ क्षेत्र के गांवों से निकलकर आने वाले बच्चे इस विद्यालय की सीढ़ियां चढ़कर देश के शीर्ष संस्थानों तक का सफर तय करने जा रहे है। यह विद्यालय अनुसूचित जनजाति वर्ग के गरीब परिवारों के बच्चों को एक नये मुकाम तक पहुंचाने का माध्यम बन गया है।

एक छोटे से गाँव और साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के सपने को साकार करना अक्सर एक चुनौती होता है, लेकिन उकवा के इस सरकारी स्कूल ने पिछले छह वर्षों में अपनी असाधारण सफलता से यह मिथक तोड़ दिया है। यहाँ के छात्रों ने न केवल देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं को पास किया है, बल्कि अपनी सफलता का श्रेय भी सीधे तौर पर स्कूल के मार्गदर्शन और सहयोग को दिया है। उकवा का यह संस्थान ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता दिलाने का केंद्र बन गया है। पिछले 06 वर्षों में इस विद्यालय के 12 छात्रों ने हृश्वश्वञ्ञ, 12 छात्रों ने छ्वश्वश्व (इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा), और 2 छात्रों ने छ्र्रञ्ज (कानून प्रवेश परीक्षा) जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता हासिल की है। उकवा के इस विद्यालय से निकले 26 मेधावी छात्र आज देश के अग्रणी इंजीनियरिंग, मेडिकल और लॉ कॉलेजों में अध्यनरत हैं।

स्कूल की मदद के बिना MBBS असंभव था

परसवाड़ा तहसील के ग्राम मदनटोला, पोस्ट कनिया के वर्ष 2024 बैच के छात्र अरूण मेरावी ने NEET परीक्षा उत्तीर्ण की है और वर्तमान में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, सागर से MBBS की पढ़ाई शुरू करने जा रहा है। अरूण का कहना है कि यदि उसके स्कूल ने हमें नि:स्वार्थ भाव से मदद और मार्गदर्शन नहीं दिया होता, तो मेरे लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, सागर से MBBS करना नामुमकिन था। स्कूल के शिक्षकों ने केवल पढ़ाया नहीं, बल्कि हमें सपने देखने और उन्हें पूरा करने का हौसला भी दिया है। अरुण मेरावी की तरह ही इंजीनियरिंग, लॉ और मेडिकल कॉलेजों में पढ़ रहे अन्य छात्रों ने भी उकवा के इस स्कूल के प्रति यही विचार व्यक्त किए हैं। वे मानते हैं कि स्कूल का सहयोगी और प्रेरणादायक माहौल ही उनकी कामयाबी का आधार बना है।

एकलव्य विद्यालय उकवा के छात्र रहे प्रार्थना कुमार RKDF मेडिकल कॉलेज भोपाल (2021-22), आशा मरकाम पीपल्स मेडिकल कॉलेज भोपाल (2022-23), अभिषेक वडिवा RGPV भोपाल (इंजीनियरिंग), शिवप्रकाश तिलगाम RGPV भोपाल (इंजीनियरिंग), रितेश धुर्वे गवर्नमेंट JEC जबलपुर (इंजीनियरिंग), सोमनाथ गवर्नमेंट JEC जबलपुर (इंजीनियरिंग) एवं होमेश्वरी और स्मिता CLAT के माध्यम से चयनित होकर BA-LLB के लिए जबलपुर गवर्नमेंट कॉलेज में अध्यनरत है। उकवा का यह स्कूल साबित करता है कि संसाधनों की कमी हो सकती है, लेकिन उचित मार्गदर्शन और छात्रों की कड़ी मेहनत के बल पर बड़ी से बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। यह संस्थान अब क्षेत्र के अन्य सरकारी स्कूलों के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत बन गया है।

एकलव्य विद्यालय के प्राचार्य एकेएस सोलंकी ने बताया कि हम अपने विद्यार्थियों में सिर्फ़ अवधारणात्मक ज्ञान ही नहीं, बल्कि जिज्ञासा, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना पैदा करने पर जोर देते हैं। इसी के नतीजे हैं कि हमारे बच्चे आज विभिन्न राष्टीय स्तर की परीक्षाओं में अपना लोहा मनवा रहे हैं। यह सफलता छात्रों और शिक्षकों के सामूहिक श्रम का परिणाम है।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि एकलव्य विद्यालय लगभग 10 वर्षों से उकवा-पोंडी में संचालित किया जा रहा है। इस विद्यालय में केवल अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं को कक्षा 06 से 12 वीं तक की शिक्षा दी जाती है। छात्र-छात्राओं का चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। यह आवासीय विद्यालय है और इसमें सीबीएसई पाठ्यक्रम से शिक्षा दी जाती है। इस विद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास, मेस, खेल मैदान, पुस्तकालय, स्काउट एवं अन्य सभी तरह की सुविधायें उपलब्ध है। इस विद्यालय के लिए केन्द्र सरकार द्वारा फंड उपलब्ध कराया जाता है। यह विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब बच्चों का भविष्य संवारने में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गयी श्री गुरु नानक देव जी की जयंती

556 वे प्रकाश पर्व पर विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सिख्खो के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी की जयंती को गुरु पर्व और प्रकाश पुरब के रूप में भी मनाया जाता है।जो बुधवार को नगर सहित सम्पूर्ण जिलेभर में मनाया गया। श्री गुरु नानक देव जी की जयंती पर हर्षोल्लास के साथ सुबह से लेकर देर शाम तक जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। तो वही जिले के तमाम गुरुद्वारों में सुबह से ही स्थानी बंधुओ ने पहुंचकर मत्था टेककर आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।जहां, अखण्ड साहिब पाठ सम्पूर्णता, लंगर की सेवा, ग्रंथ साहिब पर फूलों की वर्षा, व आतिशबाजी सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर प्रकाश पर्व का समापन किया गया।

सुबह से लेकर देर रात तक चले विभिन्न कार्यक्रम

सिख्खो के प्रथम गुरु श्री गुरूनानक जी की 556 वी जयंती प्रकाश पर्व पर गोंदिया रोड स्थित स्थानीय गुरुद्वारा में सुबहा रुमाल साहिब पुरासैट की सेवा, हुजूरी जत्था द्वारा श्री अखंड पाठ साहिब जी, अरदास संपूर्णताई ,स्वलापहार का वितरण किया गया। तो वहीं दोपहर में शबद कीर्तन, बच्चों के शब्द कीर्तन, दीवान की संपूर्णताई, लंगर की सेवा की गई। इसके अलावा शाम में रहरास साहिब और आरती साहिब शबद कीर्तन, रात्रि में सामूहिक आरती, ग्रंथ साहिब के ऊपर फूलों की वर्षा और देर रात तक आतिशबाजी का आयोजन कर प्रकाश पर्व का समापन किया गया।

इनका किया गया सम्मान

श्री गुरूनानकदेवजी की 556 वीं जयंती पर सेवा के लिए हरप्रीतसिंह अतालिया, अशोक चंदानी, गुरूदयालसिंह सौंधी, अमरदीपकौर अतालिया, महेन्दरकौर सचदेवा, शीतल पसरिचा, पीतमकौर छाबड़ा, रोजी छाबड़ा, कुलदीप छाबड़ा, गौरीशंकर बिसेन, रमेश रंगलानी, भारती ठाकुर, कंकर मुंजारे, वैभव कश्यप को शॉल और सरोफा से सम्मानित किया गया।

श्री गुरूनानक देवजी ने सर्वप्रथम शुरू की थी लंगर की सेवा

गुरूद्धारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हीरासिंघ भाटिया आज 556 वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। संगत की हर मनोकामना पूर्ण होती हैं। उन्होंने बताया कि पंद्रहवी सदी में जब मुगल हुकुमत का बोलबाला था, हर ओर जोर-जुल्म की आंधी ने पूरे हिन्दुस्तान को घेरे रखा था। जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी और चारो तरफ अंधेरा था, उस समय आज से 555 वर्ष पूर्व सन् 1469 में श्री गुरूनानक देवजी महाराज का अवतरण वर्तमान पाकिस्तान के तलवंडी शहर जो ननकाना साहिब के नाम से प्रसिद्ध है में हुआ था। जिन्होंने पूरे हिन्दुस्तान को जुल्मों से मुक्त कराया था। गुरू श्री गुरूनानकदेवजी को हर पंथ और हर धर्म के धर्मावलंबियों ने अपना गुरू माना। श्री गुरूनानक देवजी ने सर्वप्रथम 20 रूपये से लंगर की सेवा शुरू की थी, जिसका उद्देश्य एक पंगत में बैठकर जात-पात, ऊच-नीच, अमीरी-गरीबी को भुलाकर, एक साथ लंगर की खाने की प्रथा शुरू की। जिसके बाद गुरूनानकदेव जी के इस प्रथा को गुरू अंगददेवजी ने बड़े विशाल स्तर पर शुरू किया। जिसे आज भी पूरा सिक्ख समाज गुरू का आदेश मानते हुए उस प्रथा को जीवंत बनाये हुए है।

कार्तिक पूर्णिमा पर बैनगंगा के घाटों में गंगा स्नान और दीपदान हुआ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में कार्तिक पूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। इस दौरान हिंदू धर्मावलंबियों ने कार्तिक पूर्णिमा के विशेष अवसर पर नदियों में गंगा स्नान कर दीपदान किया।वहीं विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मन्नते मांगी।जिसका एक नजारा बुधवार को नगर के समीप वैनगंगा नदी में देखने को मिला। जहां कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालु भक्तगण भारी तादाद में नदी किनारे पहुंचे।जिन्होंने गंगा स्नान कर विधि विधान से पूजा अर्चना कर दीपदान किया।

शिवलिंग का निर्माण कर विधि विधान से की गई पूजा-अर्चना

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन महादेव ने प्रदोष काल में अर्धनारीश्वर के रूप में त्रिपुरासुर का वध किया था। माना जाता है कि कार्तिक मास के इस दिन दीप दान करने से पूर्वजों को मुक्ति मिलती है। कहा जाता है कि इस दिन स्नान, दान और ध्यान विशेष फलदायी होता है. इस तिथि के स्वामी स्वयं चन्द्रदेव हैं. इस तिथि को सूर्य और चन्द्रमा समसप्तक होते हैं. इस तिथि पर जल और वातावरण में विशेष ऊर्जा आ जाती है।इसलिए नदियों और सरोवरों में स्नान किया जाता है।कार्तिक पूर्णिमा के स्नान से नौ ग्रहों की कृपा आसानी से मिल सकती है। धार्मिक परंपरा के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा पर लोगों ने वैनगंगा के पावन जलधारा में स्नान कर दीपदान किया। स्नान कर नदी किनारे रेत से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया और पूजा अर्चना की। जिसके बाद विधिविधान से दीपदान कर मनोकामनाओ की पूर्ति के लिए मन्नते मांगी।

श्रद्धालुओं ने नदी में लगाई आस्था की डुबकी

बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा पर हिन्दु धर्मावलंबियों ने वैनगंगा नदी के पावन जल में आस्था की डुबकी लगाई और वैनगंगा नदी के पावन जल के किनारे भगवान शंकर का रेत से शिवलिंग बनाया और जल अर्पित कर शिवलिंग की फूल, फल, बेलपत्र, धतुरा और अन्य पूजन सामग्री से पूजन किया। जिसके बाद दीपों को नदी की बहती धारा में छोड़कर दीपदान किया।

स्नान और दीपदान का बताया गया विशेष महत्व

बताया गया कि हिन्दु धर्म में कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान और दीपदान का विशेष महत्व है। साथ ही इस दिन हवन, दान, जप, तप आदि धार्मिक कार्यों का विशेष महत्व बताया गया है। विष्णु पुराण के अनुसार, इस दिन भगवान नारायण ने मत्स्यावतार लिया था।कहा जाता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन किए गए दान का कई गुणा लाभ मिलता है। मान्यता यह भी है कि आप जो कुछ आज दान करते हैं वह आपके लिए स्वर्ग में संरक्षित रहता है जो मृत्यु लोक त्यागने के बाद स्वर्ग में आपको प्राप्त होता है।

मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए करते हैं- दीपदान दिव्या बिसेन

वैनगंगा नदी की पावन धरा पर दीपदान करने परिवार के साथ पहुंची श्रद्धालु वार्ड नं 33 निवासी श्रीमती दिव्या योगेश बिसेन ने बताया कि वह वर्षो से कार्तिक पूर्णिमा में परिवार के साथ दीपदान करने आती है,आज कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर जागपुर घाट में दीपदान पूजन के लिए आई हूं।आज देव दीपावली भी है।सुबह स्नान के बाद विधिविधान से भगवान शंकर का पूजन, उसके बाद दीपदान किया जाता है।कार्तिक पूर्णिमा में नदी के पावन जल में स्नान और दीपदान का विशेष महत्व है। परिवार की सुख समृद्धि खुशहाली के लिए मनोकामनाएं की जाती है।

बीएलओ घर-घर पहुंचकर कर रहे मतदाताओं का सत्यापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्यक्रम के तहत बालाघाट जिले की 06 विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के सत्यापन का कार्य 04 नवंबर से प्रारंभ हो गया है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाताओं के सत्यापन का कार्य 4 दिसम्बर तक चलेगा। इस दौरान बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के अंतर्गत 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन किया जाएगा। इस अवधि में प्रत्येक बूथ लेवल अधिकारी मतदाताओं के निवास पर जाकर उनके नाम, पता, आयु एवं अन्य विवरणों का भौतिक सत्यापन करेंगे। बीएलओ के पास पहले से मतदाता सूची 2025 के विवरण के अनुसार मतदाता का नाम, पता और वोटर आईडी कार्ड नंबर सहित प्री-प्रिंटेड एन्यूमरेशन फॉर्म होगा। जिन परिवारों में कोई नया सदस्य 1 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है, उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए बीएलओ ?द्वारा फॉर्म-6 उपलब्ध कराया जाएगा। यदि किसी मतदाता का निधन हो गया हो या वह अन्यत्र स्थानांतरित हो गया हो, उसकी जानकारी भी बीएलओ द्वारा सत्यापन के दौरान प्राप्त की जायेगी, ताकि सूची से उनका नाम विलोपित किया जा सके। घर-घर सर्वेक्षण के दौरान बीएलओ कोई भी दस्तावेज़ एकत्र नहीं करेगा। दस्तावेज़ केवल तभी आवश्यक होंगे जब किसी प्रविष्टि का सत्यापन पूर्ववर्ती रिकॉर्ड से मेल न खाए। ऐसी स्थिति में संबंधित निर्वाचन रजिस्ट्री अधिकारी अलग से सूचना देकर आवश्यक दस्तावेज़ माँगेगा। बीएलओ आयोग द्वारा अधिकृत पहचान-पत्र लेकर आएँगे। नागरिक उनसे पहचान-पत्र देखकर जानकारी साझा करें। घर-घर सत्यापन के बाद 9 दिसम्बर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। नागरिक 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक अपने नाम संबंधी दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

भगतसिंह जिला चिकित्सालय में बैगा जनजाति की प्रसूता महिला से 5 हजार मांगे!!

मलेरिया पीड़ित, 8 महीने की गर्भवती महिला से सीजर के नाम पर ली गई राशि, प्रसव समय की जानकारी लगते ही वापस किये रूपये

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला चिकित्सालय बालाघाट एक बार फिर विवादों में है। अस्पताल में गरीब बैगा प्रसूता से से उपचार और सेवा के नाम पर रुपए लिए जाने का मामला सामने आया है। यह ताज़ा मामला बिरसा क्षेत्र से आई एक बैगा जनजाति की महिला से जुड़ा है, जिसने आरोप लगाया है कि प्रसव कराने के नाम पर उनसे 5000 रूपये की राशि महिला चिकित्सक द्वारा ली गई। जानकारी के अनुसार, महिला मलेरिया से पीड़ित होने पर जिला चिकित्सालय उपचार करवाने पहुंची थी। ड्यूटी पर मौजूद महिला चिकित्सक ने प्रसव कराना होगा , इसी के एवज में कथित रूप से 5000 रूपये की मांग की गई। महिला ने मजबूरी में पैसे दे दिए। बाद में जब जांच की गई तो पता चला कि गर्भवती महिला को अभी आठवां महीना चल रहा है और प्रसव में एक महीना बाकी है। स्थिति स्पष्ट होने पर महिला चिकित्सक डॉ. गीता बारमाटे ने उक्त राशि महिला को लौटा दी। हालांकि, बैगा जनजाति की इस महिला ने मामले को गंभीर बताते हुए संबंधित चिकित्सक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उनकी मांग हैं कि दोषी पर कड़ी कार्रवाई की जाए । इस मामले की जानकारी मिलते ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने पूरे प्रकरण की जांच के निर्देश दिए हैं। विभाग ने कहा है कि शिकायत मिलने पर कागजी कार्रवाई पूरी कर उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जा चुकी है।

मामला बिरसा विकासखंड के ग्राम कोडबीरकोना पंचायत अंतर्गत घुम्मूर निवासी रतनी मरकाम पति परदेशी मरकाम से जुड़ा है। रतनीबाई मरकाम, जो कि विशेष जनजाति बैगा समुदाय की महिला हैं, उन्हें बीते दिनों मलेरिया की शिकायत हुई थी। इसी के चलते वे उपचार हेतु 3 नवंबर को जिला चिकित्सालय बालाघाट पहुंचीं। बताया गया कि रतनी आठ महीने की गर्भवती हैं। इलाज के दौरान अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. गीता बारमाटे द्वारा कथित रूप से सीजर ऑपरेशन के नाम पर रतनी के पति परदेशी से 5000 रूपये की राशि ली गई। यह राशि 4 नवंबर की सुबह अस्पताल में मौजूद उनके सहायक कर्मी के माध्यम से ली गई थी। बाद में जब डॉ. बारमाटे को यह ज्ञात हुआ कि महिला का प्रसव समय अभी पूरा नहीं हुआ है और एक माह शेष है, तो उन्होंने उसी दिन शाम करीब 7:30 बजे 5000 रूपये की राशि वापस कर दी। इसके बावजूद पीड़िता महिला और उनके पति ने 5 नवंबर को इस पूरे मामले की शिकायत संबंधित विभाग में की। शिकायत के बाद स्वयंसेवी संस्थाओं और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर एक टीम ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर रतनीबाई और उनके परिजनों के लिखित बयान दर्ज किए। टीम ने डॉ. गीता बारमाटे के खिलाफ लिखित रूप से रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को कार्रवाई के लिए भेज दी है। सूत्रों के अनुसार, यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई बार प्रसव कराने आने वाली प्रसूताओं से रुपयों की मांग और वसूली की शिकायतें सामने आ चुकी हैं, परंतु उच्च स्तर से ठोस कार्रवाई न होने के कारण ऐसे मामले बार-बार दोहराए जा रहे हैं। चिकित्सा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर कार्रवाई के अधिकार सीमित हैं, जिसके चलते अधिकांश शिकायतें जिला स्तर तक सीमित रह जाती हैं।

कार्रवाई के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं - परेश उपलव

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव ने बताया कि उन्हें जैसे ही इस घटना की जानकारी प्राप्त हुई, वह स्वयं जिला चिकित्सालय पहुंचे और पीड़िता रतनी मरकाम एवं उनके परिजनों से लिखित शिकायत प्राप्त की। डॉ. उपलव ने कहा कि पूरे मामले का प्रकरण तैयार कर कलेक्टर को जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी अस्पताल में उपचार के नाम पर मरीजों से पैसे वसूलना गंभीर लापरवाही है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बिना प्रोटोकाल के बाघिन का शव जलाने के अपराध में फरार डिप्टी रेंजर गिरफ्तार

सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व में बिना प्रोटोकाल के शव को जलाने का मामला, वर्षा की बाढ़ में बहकर आया था बाघिन का शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वारासिवनी ।करीब 3 माह पूर्व सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व में वर्षा की बाढ़ में बहकर आए बाघिन का शव को बिना प्रोटोकाल के जलाने का निर्देश देने वाले फरार डिप्टी रेंजर को गिरफ्तार कर लिया है ।जिससे कि गई पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है ।गिरफ्तार डिप्टी रेंजर टीकाराम पिता मुंशी हिनोते बालाघाट निवासी को इस प्रकरण का मुख्य आरोपी बनाया गया है ।बताया गया कि इसी डिप्टी रेंजर ने वर्षा की बाढ़ में बहकर आई बाघिन उम्र छह वर्ष के शव को बिना प्रोटोकाल के जलाने के निर्देश दिए थे ।जहा मामले का खुलासा होने के बाद से ही मुख्य आरोपी डिप्टी रेंजर, और बीटगार्ड फरार हो गए थे ।करीब तीन माह से फरार डिप्टी रेंजर टीकाराम हिनोते को स्टेट टाइगर स्टाइक फोर्स जबलपुर इकाई ने, जबलपुर नर्मदा नदी किनारे ग्वारीघाट से गिरफ्तार किया है। जिसे मंगलवार को वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया ।जबकि इसी मामले में शामिल आठवां आरोपित वनरक्षक व बीटगार्ड हिमांशु घोरमारे अभी फरार हैं। जिसकी जगह जगह तलाश की जा रही है।

27 जुलाई को बाघिन में मिला था शव

ज्ञात हो कि 3 माह पूर्व दक्षिण वन मंडल बालाघाट अंतर्गत सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व लालबर्रा के बहियाटिकुर बीट कक्ष क्रमांक 443 में, 27 जुलाई को ग्राम बोरी के पोटूटोला नहर के पास बहने वाले कालागोटा नाले में बाघिन का शव बहकर आया था। आरोप है कि डिप्टी रेंजर टीकाराम हनोते व वनरक्षक हिमांशु घोरमारे के कहने पर सुरक्षा श्रमिकों ने तीन दिन तक शव को इधर उधर स्थान बदल-बदलकर रखा और 30 जुलाई को लकड़ी का इंतजाम होने पर जला दिया ।इसी मामले में फरार चल रहे डिप्टी रेंजर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

2 अगस्त को शोशल मीडिया में बाघिन के शव की वायरल फोटो ने खोले थे राज

ज्ञात हो कि 27 से 1 अगस्त तक बिना प्रोटोकाल के शव जलाने वाले मामले में पर्दा रहा ।इन 6 दिनों तक एक साजिश के तहत इस पूरे मामले को दफन कर दिया गया था ।लेकिन उक्त मृत बाघिन की फोटो इंटरनेट शोशल मीडिया पर 2अगस्त को एक वन्यजीव प्रेमी ने बहुप्रसारित कर दी ।शोशल मीडिया में फोटो वायरल होते ही आनन-फानन में वन विभाग ने टीम गठित शव को जंगल में खोजना शुरू किया।02 दिन तक जहां शव बहकर आया था उस स्थान तक टीम पहुंची, लेकिन शव वहां नहीं मिला। तीसरे दिन नाले किनारे जिस जगह पर शव को जलाया गया था वहां पर पेड़ों के झूलसे पत्तों से बाघिन के शव को जलाने के राज खोल दिए, और घटना में शामिल लोगो का पर्दाफाश हो गया ।उधर मामले की पुष्टि के बाद 6 सुरक्षा श्रमिकों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया । जिन्होंने पूछताछ में डिप्टी व वनरक्षक के कहने पर शव जलाने की बात बताई थीं ।जिसके बाद से ही डिप्टी टीकाराम हिनोते और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे फरार हो गए थे ।जिंसमे से डिप्टी रेंजर को जबलपुर के गौरीघाट से गिरफ्तार कर लिया गया है ।जबकि वनरक्षक हिमांशु की तलाश जारी है।

सेवा से पृथक कर, घोषित किया गया था 5 हजार का ईनाम

इस पूरे प्रकरण में शव को जंगल में खोजने के दौरान 06 आरोपी के पकड़े जाने तक डिप्टी रेंजर और वनरक्षक साथ में ही थे, लेकिन वन विभाग को पता रहने के बाद भी उन्हें पकड़ा नहीं गया और वे दोनों फरार हो गए। दो-तीन बार डीएफओ ने कार्यालय में हाजिर होने नोटिस भी जारी किया, लेकिन दोनों फरार ही रहे। जिससे आरोपी को सेवा से पृथक करने भोपाल प्रस्ताव भेजा गया था। उधर डीएफओ ने आठ अक्टूबर को दोनों आरोपियो की वरिष्ठ स्तर से अनुमति मिलते ही सेवा से पृथक कर दिया गया था ।उधर मामले को गंभीरता से लेकर स्थानीय स्तर पर एसआइटी गठित की गई थी, लेकिन वन्यजीव प्रेमियों के विरोध के चलते कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव मध्य प्रदेश भोपाल के द्वारा यह प्रकरण की अग्रिम विवेचना के लिए प्रकरण का हस्तांतरण स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स जबलपुर इकाई को किया गया था। फरार आरोपी को पकड़ने पांच-पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अब फरार आठवां आरोपी वनरक्षक हिमांशु की टीम तलाश कर रही है।

11 नवंबर के बाद सभी ग्राम पंचायतों में लगेगा ताला, कलेक्टर को चाबियां सौंपेंगे

मनरेगा कार्य ठप, मजदूरों को नहीं मिल रहा रोजगार, सरपंच संघ ने प्रदेशव्यापी आंदोलन की रूपरेखा की तय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले की ग्राम स्तर की समस्याओं और अधिकारों को लेकर जिलास्तरीय सरपंच संघ की महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय जनपद पंचायत के सभा हॉल में आयोजित की गई। बैठक में संघ के जिला अध्यक्ष वैभव बिसेन समेत सभी ब्लॉकों के ब्लॉक अध्यक्ष और पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य एजेंडा 11 नवंबर को आयोजित होने वाले प्रदेश स्तर के आंदोलन की रूपरेखा तय करना और वर्तमान शिकायतों पर सामूहिक रणनीति बनाना था। उपस्थित सदस्यों ने तय किया कि आंदोलन में पूर्ण रूप से भाग लिया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर और तेज़ कदम उठाए जाएंगे। बैठक में मनरेगा अभियंताओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे, जो वर्तमान में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। उन्होंने अपनी समस्याएँ और मांगें बैठक में रखा। दोनों पक्षों ने कहा कि सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों , मनरेगा कर्मचारियों के अधिकारों और वेतन, भुगतान संबंधित मुद्दों पर संतोषजनक कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। यदि उनकी मांगों पर शीघ्र और ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो सभी सरपंच मिलकर अपने-अपने ग्राम पंचायत कार्यालयों पर तालाबंद कर देंगे और कार्यालयों की चाबियाँ कलेक्टर को सौंप दी जाएँगी।

जिले की पंचायत व्यवस्था अब संकट के दौर से गुजर रही है। गांवों में मनरेगा कार्य ठप पड़े हैं, मजदूरों को रोजगार नहीं मिल रहा, सचिव और रोजगार सहायक कुछ महीनों से वेतन के इंतजार में हैं। ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों पर ताला लटक गया है। इसी गंभीर स्थिति को लेकर 5 नवंबर को जनपद पंचायत बालाघाट के सभाहॉल में सरपंच संघ की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष वैभव बिसेन , सचिन आनंद बिसेन एवं सभी ब्लॉकों के अध्यक्ष और संघ के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। बैठक में प्रदेश स्तर पर 11 नवंबर को होने वाले आंदोलन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष वैभव बिसेन और सचिन आनंद बिसेन ने बताया कि बीते कई महीनों से ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत कोई भी कार्य नहीं हो रहा है। कई विकास और निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, क्योंकि मनरेगा अभियंता अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों की हालत दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। सरपंच मजदूरों को काम नहीं दे पा रहे हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में बड़े पैमाने पर पलायन की स्थिति बन रही है। पंचायतों में श्रमिक रोज काम की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरपंचों के पास देने को कोई काम नहीं है। बैठक में उपस्थित सरपंचों ने कहा कि आज ग्राम पंचायतों की हालत इतनी खराब हो गई है कि अब पंचायत भवनों में ताला लगाने की नौबत आ गई है। सरपंचों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर 11 नवंबर को होने वाले प्रदर्शन के बाद भी नही सुनती तो जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ताले लगा दिए जाएंगे और चाबियां कलेक्टर को सौंप दी जाएंगी। बैठक में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चल रहे मनरेगा अभियंताओं ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि वे पिछले कई महीनों से हड़ताल पर हैं, लेकिन सरकार अब तक उनकी मांगों को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठा पाई है। अभियंताओं ने कहा कि अगर अब भी सुनवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन को और अधिक उग्र रूप देंगे। जिले की कई ग्राम पंचायतों में सचिव और रोजगार सहायकों को भी लंबे समय से वेतन नहीं मिला, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। कई कर्मचारी रोजमर्रा के खर्च तक के लिए परेशान हैं। बैठक में सरपंचों ने कहा कि उनका कार्यकाल अब कुछ वर्षों का ही बचा है। यदि इस दौरान वे अपने गांवों में विकास नहीं कर पाए, तो अगले चुनाव में जनता के बीच किस मुंह से जाएंगे ? इसलिए अब समय आ गया है कि वे अपने अधिकारों और सम्मान की लड़ाई खुलकर लड़ें। सरपंच संघ ने स्पष्ट कहा कि यह आंदोलन जनविरोधी नहीं, बल्कि जनहित से जुड़ा है। वे चाहते हैं कि ग्राम पंचायतों को पुन: सशक्त बनाया जाए, ताकि गांवों में विकास कार्य फिर से शुरू हो सकें। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 11 नवंबर को प्रदेश स्तर पर बड़े आंदोलन का आयोजन किया जाएगा। यदि तब भी सरकार ने उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया, तो जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में ताला लगाकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया जाएगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष वैभव बिसेन ने कहा हम वर्षों से सरकार से पंचायतों को सशक्त बनाने की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन मिले हैं। अब हम प्रतीक्षा नहीं करेंगे। या तो हमारी मांगें मानी जाएं, या फिर हम ग्राम पंचायतों की चाबियाँ कलेक्टर को सौंप देंगे। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि वे 11 नवंबर के आंदोलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए एकजुट रहेंगे, ताकि सरकार को गांवों की आवाज़ सुनाई दे सके।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई
पति-पत्नी और दो बच्चे घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से 5 किलोमीटर दूर समनापुर रोड पर स्थित ग्राम खैरी और कुम्हारी के बीच दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से एक मोटरसाइकिल में सवार पति पत्नी और उनके दो बच्चे घायल हो गए। जिनमे अधिक चोट लगने से घायल प्रीतम पिता राम प्रसाद लिल्हारे 35 वर्ष ग्राम धपेरा थाना लालबर्रा और उनके बेटे विक्की पिता प्रीतम लिल्हारे 9 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती के किया गया है वहीं इस दुर्घटना में उनकी पत्नी लक्ष्मी लिल्हारे 32 वर्ष और बड़ा बेटा यश लिल्हारे 13 वर्ष को मामूली चोट आई।

प्राप्त जानकारी अनुसार प्रीतम लिल्हारे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। प्रीतम लिल्हारे के ग्राम देवटोला बालाघाट में मामा रेखलाल तिवड़े रहते हैं। 5 नवंबर को ग्राम देवटोला बालाघाट का मेला था। शाम 7:00 बजे करीब प्रीतम लिल्हारे अपनी पत्नी लक्ष्मी लिल्हारे बेटा यश लिल्हारे और विक्की लिल्हारे के साथ मोटरसाइकिल में अपने गांव धपेरा मोहगांव से अपने मामा के गांव देवटोला मेला आ रहे थे। तभी समनापुर रोड ग्राम कुम्हारी और खेरी के बीच बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार से जा रही मोटरसाइकिल ने प्रीतम लिल्हारे की मोटरसायकल को ठोस मार दी। इस मोटरसाइकिल की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार प्रीतम लिल्हारे उनकी पत्नी लक्ष्मी लिल्हारे और दोनों बेटे मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। वहीं अन्य मोटरसाइकिल चालक अपनी मोटरसाइकिल को वहीं छोड़कर फरार हो गया इस सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते डायल 112 के प्रधान आरक्षक गिरधारी बिसेन अपने पायलट हरीश श्रीवास के साथ मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को जिला अस्पताल लाये। जिनमें अत्यधिक चोट लगने से घायल ।प्रीतम लिल्हारे और उनके बेटे विक्की लिल्हारे को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया वहीं यश लिल्हारे और लक्ष्मी लिल्हारे का प्राथमिक उपचार किया गया। जिन्हें मामूली चोटे आई थी। दुर्घटना के बाद मौके पर छोड़ी गई मोटरसाइकिल का नंबर एमपी 50 एम ए 8970 बताया गया है। इसके चालक की खोज की जा रही है।

महान क्रिकेटर धोनी के हाथों सम्मानित हुए हट्टा के पेंटर विनोद ढेकवार

इंडिगो पेंट्स कंपनी के टॉप 20 पेंटर्स में हुआ चयन, मध्य प्रदेश से अकेले, इंडिगो पेंट्स ने मुंबई में किया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कहते हैं मेहनत और लगन कभी व्यर्थ नहीं जाती, इसी बात को साबित किया है जिले के परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के हट्टा गांव निवासी पेंटर विनोद ढेकवार ने। विनोद ने अपनी कला और कार्य के प्रति समर्पण से पूरे जिले का नाम रोशन किया है। इंडिगो पेंट्स कंपनी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में विनोद का चयन देशभर के टॉप 20 पेंटर्स में किया गया। आची अच्छी बात यह रही कि मध्य प्रदेश से इस सूची में केवल विनोद ढेकवार का ही नाम शामिल हुआ। इंडिगो पेंट्स ने बीते तीन माह में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले देशभर के पेंटर्स को सम्मानित करने के लिए मुंबई में एक भव्य समारोह आयोजित किया। विनोद ने इस अवधि में एक लाख से अधिक पॉइंट्स अर्जित कर अपनी क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। समारोह के दौरान उन्हें महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के हाथों एक बाइक, सम्मानपत्र और विशेष उपहार प्रदान किया गया। धोनी से मुलाकात के अनुभव को साझा करते हुए विनोद ने बताया की वह

धोनी से मिलना और उनके हाथों सम्मान पाना मेरे लिए सपने जैसा क्षण था।

यह सम्मान मेरे परिवार और जिले के सभी पेंटर साथियों को समर्पित है विनोद के मुंबई से लौटने पर बालाघाट में हर्ष और गर्व का माहौल रहा। जिस प्रतिष्ठान से वे पेंट सामग्री लेते हैं, उस अमर ट्रेडर्स के संचालक गुंजन शर्मा और लखन चिमनानी ने विनोद का भव्य स्वागत किया। फूलों का गुलदस्ता भेंट कर और मिठाई खिलाकर उन्होंने उनके इस उपलब्धि पर खुशी जताई। गांव हट्टा और आसपास के क्षेत्रों में भी विनोद की इस सफलता की चर्चा है। ग्रामीणों और मित्रों ने बताया कि विनोद हमेशा मेहनती, ईमानदार और अपने कार्य के प्रति समर्पित रहे हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि उनकी यह उपलब्धि युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। विनोद की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि यदि संकल्प मजबूत हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो छोटे से गांव का व्यक्ति भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकता है।

सार्वजनिक प्रसाधन में गंदगी का आलम

असहनीय बदबू से व्यापारी और आमजन परेशान, जनपद पंचायत से नियमित सफाई करवाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के बस स्टैण्ड के पीछे हाईस्कूल रोड पर ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा व्यापारियों, दुकानदारों और आमजनों की सुविधा के लिए विगत वर्ष पूर्व करीब दो लाख रूपये की लागत से निर्मित सार्वजनिक प्रसाधन में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। सार्वजनिक प्रसाधन लंबे समय से नियमित रूप से साफ-सफाई और देखरेख के अभाव में असहनीय बदबू व गंदगी से बजबजा रहा है क्योंकि कई महीनों से प्रसाधन की साफ-सफाई नहीं होने एवं देखरेख के अभाव के चलते पेशाबघर में चौतरफा गंदगी का आलम बना हुआ है। वहीं असामाजिक तत्वों के द्वारा पेशाबघर के वॉशबेसिन एवं टॉयलेट शीट के साथ लगाये गये नलों को तोड़ दिया है जिसके बाद जनपद पंचायत के द्वारा पानी की व्यवस्था हेतु अब तक नये नल नही लगवाये गये है जिसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि कई महीनों से सार्वजनिक पेशाबघर की सफाई नहीं की गई है। वहीं असामाजिक तत्वों द्वारा यहां लगे वॉशबेसिन, टॉयलेट शीट और नलों को तोड़ दिया गया है। पानी की आपूर्ति बंद होने से हाथ धोने तक की व्यवस्था नहीं है। जनपद पंचायत द्वारा अब तक नये नल नहीं लगवाये जाने से स्थिति और भी दयनीय हो गई है। आगे यह भी बताया कि प्रसाधन से आ रही बदबू और गंदगी से व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। कई दुकानदार अपने प्रतिष्ठानों में अगरबत्ती या सुगंधित धूप जलाकर वातावरण को शुध्द रखने की कोशिश कर रहे हैं। जनपद प्रशासन इस सार्वजनिक सुविधा की जिम्मेदारी उठाने में पूरी तरह उदासीन बनी हुई है। व्यापारी एवं आमजनों ने जनपद पंचायत से तत्काल नल लगवाकर पानी की आपूर्ति पुनः शुरू करवाने के साथ ही नियमित रूप से सार्वजनिक प्रसाधन की साफ-सफाई करवाने की मांग की है।

गंदगी से सभी परेशान है - फिरोज

आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी फिरोज नियाजी ने बताया कि बस स्टैंड के पीछे हाई स्कूल मार्ग पर जनपद पंचायत के द्वारा बनाये गये सार्वजनिक प्रसाधन में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जिससे बेहद दुर्गंध आती है और आसपास के दुकानदारों एवं आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि यह नगर का एक व्यस्तम मार्ग है जिससे विभिन्न कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं जिम्मेदार जनप्रतिनिधि भी आवागमन करते हैं और स्कूली ब'चे भी इसी मार्ग से आवागमन करते हैं, सार्वजनिक प्रसाधन से आने वाली दुर्गंध का सभी को सामना करना पड़ता है। श्री नियाजी ने बताया कि जनपद प्रशासन को सार्वजनिक प्रसाधन की साफ-सफाई एवं नल क्षतिग्रस्त हो चुके है उसका मरम्मत कार्य करवाना चाहिए लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाता है लेकिन स्थानीय प्रशासन ही स्वच्छता पर पलीता लगा रही है। जनपद प्रशासन से मांग है कि सार्वजनिक प्रसाधन की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाये ताकि नगर में स्व'छता का माहौल बना रहे।

जनपद पंचायत की है लापरवाही - सतानंद

पूर्व सरपंच सतानंद दमाहे ने बताया कि बस स्टैण्ड के पीछे हाई स्कूल मार्ग स्थित सार्वजनिक प्रसाधन में गंदगी बजबजा रही है जिसकी दुर्गंध से सभी परेशान है, आने-जाने वाले लोग नाक बंद कर गुजरते है। साथ ही समीपस्थ दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है। जबकि जनपद पंचायत के द्वारा सफाई के नाम पर, मरम्मत के नाम पर अनेकों बार बिल निकाले जाते हैं। लेकिन ना ही मरम्मत कार्य करवाये जाते है, ना ही सफाई हो पा रही है। जिससे प्रसाधन में गंदगी बढ़ते ही जा रही है। श्री दमाहे ने बताया कि जनपद पंचायत के जो मुख्य कार्यपालन अधिकारी है वे नगर का भ्रमण नहीं करते हैं, नगर की समस्याओं को जानने का प्रयास नहीं करते है। जब हम लोग उन्हें समस्या से अवगत करवाते हैं उसके बाद भी वे उस समस्या को दूर करने का प्रयास नही करते है। हमारी मांग है कि सार्वजनिक प्रसाधन की नियमित साफ-सफाई करवाई जाये, समय-समय पर दवाईयों का छिड़काव एवं मरम्मत कार्य करवाये जनपद पंचायत लालबर्रा।

इनका कहना है

आपके माध्यम से संज्ञान में आया है कि सार्वजनिक प्रसाधन में गंदगी है एवं वॉशबेसिन, टॉयलेट शीट के साथ लगाये गये नल को तोड़ दिया गया है। जल्द साफ-सफाई की जायेगी एवं जो क्षतिग्रस्त पाये जायेगे उसका मरम्मत कार्य करवाया जायेगा।

चंदरसिंह मंडलोई
सीईओं
जनपद पंचायत लालबर्रा।

बघोली में 'सोनहा बादर' लोक कलामंच छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम 11 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बघोली के स्कूल ग्राउंड में मेला महोत्सव समिति के तत्वाधान में कार्तिक पूर्णिमा के सप्तमी के अवसर पर आगामी 11 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में मेला महोत्सव समिति के मीडिया प्रभारी कमलेश खरोले ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के सप्तमी पर 11 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर ग्रामीणजनों के स्वस्थ मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से लोक सांस्कृतिक संस्था 'सोनहा बादर' चिटौद (गुरूर) जिला बालोद छत्तीसगढ़ का छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके गायक-गायिकाओं के द्वारा अपने साथी कलाकारों के साथ मिलकर सांस्कृतिक छत्तीसगढ़ी कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी जायेगी। आपकों बता दे कि सोनहा बादर को राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सांगितिक आयोजन 2023 शिमला में प्रथम पुरस्कार, 2024 नेपाल में प्रथम पुरस्कार, 2025 गुवाहाटी में प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। बघोली में 11 नवंबर को मेले के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ व भारत के अधिकांश स्थानों पर लोककला मंच की प्रस्तुतियां दे चुकी है। वहीं गत 1 नवंबर को संपन्न हुए रा'योत्सव के बाद विश्व की सबसे बड़ा संगीत विश्वविद्यालय संगीत की नगरी खैरागढ़ में भी आयोजित होगा। कार्यक्रम के संचालक, निर्देशक, गीतकार, संगीतकार - जितेन्द्र साहू, गायक जितेन्द्र साहू, रमन जैन, इन्द्रकुमार गंजीर, लुकेश्वर साहू, पुनीत मौहाल, गायिका - भावना सेन, जागृति साहू, काजल साहू सहित 50 सदस्यीय कलाकारों के द्वारा सुवा, कर्मा, ददरिया, पंथी, नाचा, गम्मत सहित देशभक्ति गीतों पर अपनी पारंपरिक और जीवंत छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झांकी के साथ नृत्यों की भव्य प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल, सर्वसमाज अध्यक्ष मनीष रहांगडाले, मंडई समिति अध्यक्ष पन्नालाल बनवाले, उपाध्यक्ष खालिक खान, सचिव चैनलाल चौधरी, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल धानेश्वर सहित समस्त सर्वसमाज बघोली के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

फसलों का सर्वे करवाकर जल्द मुआवजा दे सरकार - आनंद

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला सरपंच विधिक संरक्षक, जिला सचिव, कंजई सरपंच अधिवक्ता आनंद बिसेन ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में बताया कि एक सप्ताह पूर्व बालाघाट जिले के विभिन्न विकासखंडों सहित लालबर्रा क्षेत्र में मोथा नामक मानसून के चलते बे-मौसम बारिश हुई है। वहीं इस प्राकृतिक आपदा बे-मौसम बारिश के कारण जिन किसानों की धान की कटाई हो चुकी थी एवं बोझे बांधे थे वे पानी में खराब हो चुका है। जिसके कारण किसानों को बहुत अधिक नुकसान हुआ है। साथ ही यह भी बताया कि बार-बार मौसम परिवर्तन होने एवं करपा, माहू जैसी फसल में बीमारी लगने से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। वहीं दूसरी ओर फसल का उचित मूल्य न मिलना भी किसान के लिए कष्टप्रद है एवं वर्तमान की प्राकृतिक बरसात आपदा का कारण किसानों की धान फसल के लिए बना हुआ है। श्री बिसेन ने ग्रामीण किसानों के हित और मांग को लेकर प्रदेश सरकार के राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा, जिले के प्रभारी मंत्री राव उदयप्रताप सिंह और जिला प्रशासन, एसडीएम, तहसीलदार से मांग की है कि संपूर्ण जिले में आवश्यक रूप से सभी गांव के किसानों के खेतों की धान फसल का सर्वे कर सर्वे रिपोर्ट तत्काल राजस्व कर्मचारियों के माध्यम से तैयार कर किसानों को उनकी नष्ट हुई धान फसल का आरबी के 6, 4 के तहत उचित मुआवजा क्षतिपुर्ति राशि दिलवाने की मांग की है। ताकि जिले के अन्नदाता अपना और अपने परिवारजनों का इस भीषण महंगाई-बेरोजगारी में जीवन यापन कर सके।

विधानसभा सत्र में आंदोलन करेंगे हजारों अनियमित कर्मचारी

भोपाल ।एजेंसी। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के आवाहन पर विधानसभा सत्र में भोपाल के अंबेडकर जयंती मैदान तुलसी नगर में प्रदेश के हजारों अनियमित कर्मचारी एकत्रित होकर अपनी 11 सूत्रीय मांगों समर्थन में विशाल धरना देंगे तथा मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपेंगे। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि प्रदेश के स्थाई कर्मी, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी, अंशकालीन कर्मचारी, सुरक्षा श्रमिक, दैनिक वेतन वाहन चालक, वनसमिति चौकीदार आदि अनियमित संवर्ग के कर्मचारी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर लंबे समय से चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन सरकार मांगों को संज्ञान में लेकर अनियमित कर्मचारियों के हित में निर्णय नहीं ले रही है। मांगे मंजूर न होने के कारण अनियमित कर्मचारियों के श्रम अधिकारों का हनन हो रहा है। वही अनियमित कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। इस कारण प्रदेश भर के अनियमित कर्मचारियों में सरकार के खिलाफ असंतोष का वातावरण निर्मित हो गया है।

हर्षोल्लास से मनाया गया गुरूनानक देव जी का 556 वां प्रकाशपर्व

गुरू संगत दरबार में सत्संग-कीर्तन एवं विविध धार्मिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सिंधी मोहल्ला स्थित गुरू संगत दरबार में 5 नवंबर को पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वाधान में गुरूनानक देव जी का 556 वां प्रकाशपर्व जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम सिंधी समाज के स्वजातीय बंधुओं ने प्रात: 6 बजे प्रभात फेरी निकाली जो नगर का भ्रमण कर वापस गुरू संगत दरबार पहुंची। जिसके बाद प्रात: 9 बजे से सिंधु सेना के युवाओं के द्वारा बाईक रैली निकाली गई। यह रैली लालबर्रा, मानपुर का भ्रमण करते हुए पुनः कार्यक्रम स्थल पहुंची। जिसके बाद नागपुर से पधारे श्री विजय भाई साहब, बलविन्दर सिंह के द्वारा संगीतमय सत्संग-कीर्तन किया गया। जिसमें सिंधी समाज के सभी महिलाओं व पुरूषों के द्वारा सत्संग-कीर्तन का श्रवण किया तत्पश्चात लंगर का आयोजन किया गया और सभी ने लंगर ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। जिसके बाद शाम 5 बजे गुरूनानक देव जी की डीजे की धुन पर शोभायात्रा निकाली गई। वहीं रात 8 बजे नागपुर से पधारे संत के द्वारा पुनः सत्संग-कीर्तन का गायन किया गया और रात 12 बजे उपस्थितजनों के द्वारा केक काटकर गुरूनानक देव जी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया एवं उपस्थित श्रध्दालुओं को प्रसाद व मिठाई वितरित की गई। चर्चा में पूज्य सिंधी पंचायत के पदाधिकारियों ने बताया कि गत दिवस से गुरू संगत दरबार में प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है और इस अवसर पर प्रतिदिन प्रात: के समय प्रभात फैरी निकाली गई एवं सुबह व रात में नागपुर से पधारे श्री विजय भाई साहब, बलविंदर सिंह के द्वारा सत्संग-कीर्तन किया जा रहा है और 5 नवंबर को गुरूनानक देव जी के 556 वां जन्मोत्सव मनाकर कार्यक्रम का समापन किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि गुरूनानक देव जी के जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह से लेकर रात तक विविध धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। पू'य सिंधी पंचायत के सदस्य संजय चंदलानी ने बताया कि 5 नवंबर को गुरूनानक देव जी का 556 वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें दिनभर विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए और गत 7 दिवस से प्रतिदिन सत्संग एवं कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही यह भी बताया कि इस दौरान सिंधी समाज के समस्त श्रध्दालुओं के द्वारा गुरूद्वारे में उपस्थित होकर धार्मिक आस्था के साथ गुरूनानक देव जी की पूजा-अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित किये और भगवान गुरूनानक देव से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में खुशहाली बनाये रखे एवं सभी भाईचारे के साथ रहे। इस अवसर पर पूज्य सिंधी समाज के स्वजातीय बंधु एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आज से पोटियापाट वैनगंगा घाट में 15 दिवसीय मेला शुरू

कार्तिक पूर्णिमा से 15 दिनों तक लगता है मेला, बड़ी संख्या में पहुंचते है श्रध्दालु

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बम्हनी के वैनगंगा नदी के तट पोटियापाट बाबा का 15 दिवसीय मेला कार्तिक पुर्णिमा के दिन 6 नवंबर से प्रारंभ हो जायेगा और क्षेत्रीय श्रध्दालुजन पहुंचकर कार्तिक स्नान पूजा अर्चना के साथ ही मेले का आनंद लेकर पुण्य लाभ अर्जित करेगें। आपकों बता दें कि कार्तिक पूर्णिमा के दूसरे दिन से वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम में प्रतिवर्ष 15 दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है जो दिनभर चलता है। जहां क्षेत्रीयजन पहुंचकर वैनगंगा नदी में स्नान के पश्चात् विभिन्न पकवान बनाकर पोटियापाट बाबा की पूजा-अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित करते है। चर्चा में फागुराम तुमसरे ने बताया कि इस पोटियापाट बाबा के धाम को लेकर यह मान्यता है कि ग्राम ददिया के श्री तिड़के जी परिवार के सदस्य को रात्रिकालीन समय में स्वप्न आया था कि वैनगंगा नदी में जो पत्थर नुमा पिंडी की आकृति बनी है। उसकी आप पूजा अर्चन कर 15 दिनों का मेला लगाये मैं आपकी हर कामना पूर्ण करूंगा। जिसके बाद ग्राम के नागरिकगणों के साथ मिलकर इस पत्थर नुमा पिंडी की पूजा की गई और 15 दिन का मेला लगाने का संकल्प लिया गया, उसी दिन से उस पत्थर नुमा पिंडी का नाम पोटियापाट बाबा के नाम से जाना जाता है और पोटियापाट बाबा की स'चे मन से पूजा अर्चना करने पर सभी की मनोकामनाएं भी पूर्ण होती है। श्री तुमसरे ने बताया कि वेदो, शास्त्रों और ग्रंथों में लेख है कि भगवान ने कई रूपों में अवतार लेकर दुनिया के सभी जनगणों को धर्म के रास्ते में चलने के लिए प्रेरित किया है एवं इस 15 दिवसीय कार्तिक मेले में दूर-दूर से धर्मप्रेमी बैलगाड़ी, मोटरसाइकिल, चौपहिया वाहन से आते है और वैनगंगा मैय्या की पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित करते है। साथ ही यह भी बताया कि क्षेत्रीयजन मन्नत की कढ़ाई भी लेकर आते है और विभिन्न पकवान बनाने के साथ ही पूजा पाठ कर शाम में अपने घरों के लिए प्रस्थान करते है। वहीं पोटियापाट बाबा के समीप विशाल शिव मंदिर है जो आस्था का केन्द्र है उसी स्थान के किनारे छायादार एवं फलाहारी पेड़ पौधे लगाये गये है एवं एक ग्राम का निर्माण किया गया है। जिसका नाम गंगा ग्राम दिया गया है और आसपास के वन, उपवन की हरियाली का सौंदर्य लोगों को अपनी ओर आर्कषित करता है। साथ ही मगरदर्रा की पहाड़ी पर महामाया मंदिर की स्थापना है एवं दुसरे पहाड़ी पर राजोबा देव बाबा का स्थान पुरातात्विक स्थिति के साथ प्रसिध्द है। श्री तुमसरे ने बताया कि इस स्थान पर ग्राम बम्हनी एवं ग्राम ददिया के द्वारा संयुक्त रूप से कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 15 दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है और वैनगंगा नदी पोटियाघाट के तट पर पनघट का निर्माण भी किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से कार्तिक पूर्णिमा के दुसरे दिन से शुरू हो रही 15 दिवसीय पोटियापाट बाबा के मेले पर पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील फागुराम तुमसरे सहित ग्राम पंचायत बम्हनी एवं ददिया मेला समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

गुरुनानक देव की धूमधाम के साथ मनाई गयी जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

श्री गुरुनानक धर्मशाला में पुज्य सिंधी पंचायत के द्वारा ५ नवंबर को प्रकाश पर्व गुरूनानक देव की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर स्थानीय गुरूद्वारे में प्रकाशोत्सव गुरूनानक जयंती पर भजन कीर्तन कर गुरुनानक धर्मशाला में पाठ किया गया जो दोपहर २ बजे तक चलता रहा। जिसके बाद गुरुवाणी का पाठ कर आरती की गई तत्पश्चात केक काटकर बधाई भजन का सामूहिक गायन किया गया। तत्पश्चात लंगर का आयोजन किया गया जिसमें स्वजातीय बंधुओं ने बडी संख्या में उपस्थित होकर प्रसादी ग्रहण किया। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत और सिख समाज के स्वजातीय बंधु सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

प्रभात फेरी और बाइक रैली का हुआ आयोजन

नगर के गुरुद्वारे में समस्त स्वजातीय बंधु अलसुबह एकत्रित हुए जहां से प्रभात फेरी निकाली गई। जो नगर के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए वापस गुरुद्वारे में पहुंची। तत्पश्चात १० बजे बाइक रैली का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं के द्वारा डीजे की धुन पर बाइक रैली निकाली गई। जो नगर के विभिन्न चौक चौराहों गलियों का भ्रमण कर वापस गुरुद्वारे पहुंची जहां पर रैली का समापन किया गया। इस दौरान युवा वर्ग ने डीजे पर जमकर झूमते नजर आये तो वहीं पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा भी रैली में शामिल होकर नृत्य किया गया।

शोभायात्रा ने नगर का किया भ्रमण

श्री गुरुनानक धर्मशाला में लंगर के पश्चात शाम को भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो नगर के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण कर गुरुद्वारे पहुंची। इस दौरान उपस्थित लोगों ने डीजे की धुन पर जमकर नृत्य किया। वहीं शोभायात्रा में आकर्षण का केंद्र ट्रक में सजे दरबार जीवंत झांकी रही। समाज सदस्यों ने बताया कि गुरूनानक देव की जयंती के अवसर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। हमारा कर्तव्य है कि गुरूनानक जी के बताये सत्य उपदेशों का पालन करे एवं उन्होने सभी ईश्वर के बंदे है यह संदेश दिया है। इसलिए सभी गुरू के बताये मार्ग पर चलकर समाज एवं स्वयं का विकास करें वहीं एकता के साथ रहे।

जनप्रतिनिधियों ने गुरूद्वारे में टेका माथा

गुरूनानक देव की जयंती के पावन अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल ,विधायक विवेक पटेल ,पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, राहुल प्रियंका गाँधी विचार मंच जिलाध्यक्ष जावेद अली सहित अन्य जनप्रतिनिधियों गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी हाजरी गुरूद्वारे में लगाई। जहाँ सभी ने माथा टेक कर समाज के लोगों को गुरूनानक जयंती पर्व की बधाई दी एवं गुरूनानक देव से आराधना कर नगर सहित क्षेत्र की सुख शांति व समृध्दि बनाये रखने की कामना की गयी। जहाँ समाज के द्वारा सभी जनप्रतिनिधियों का शाल से सम्मान भी किया गया।

जगह जगह शोभायात्रा का हुआ स्वागत

श्री गुरु नानक जयंती के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा का कांग्रेस एवं राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के द्वारा फ्ल वितरण कर संपूर्ण सिंधी एवं सिख्ख समाज को शुभकामनाएं प्रेषित की गयी। वहीं नगर के विभिन्न चौक चौराहा एवं गलियों में लोगों के द्वारा पानी एवं फल वितरण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर विचार मंच जिलाध्यक्ष जावेद अली ,गोविल चौरे ,दिनेश मिश्रा, अनीस बेग ,हरी क्षीरसागर ,पवन प्रजापती ,पवन गोन्नाडे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मोहमाया से मुक्त और आंतरिक शांति प्राप्त करने का माध्यम है भागवत पुराण-प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर ग्राम कोचेवाही के बाजार चौक में नवीन श्री हनुमान मंदिर का लोकार्पण किया। साथ ही ग्राम घोटी,चंगेरा व तुमाडी में मंडई के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने ग्राम कोचेवाही के सलईटोला में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर नवीन श्रीहनुमान मंदिर का लोकार्पण कर टिपूर का दीपक जलाकर पावन रस्म का विधिवत पालन किया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की बाजार चौक के इस नये टोले में हमने पहले हेंडपम्प,सड़क आदि की सौगात दी है। अब हम आपकी मांग को पंचायत के माध्यम से स्ट्रीट लाइट की सुविधा भी देने का प्रयास कर रहे है। ग्राम घोटी में

संगीतमय श्रीमद भागवत महापुराण में शामिल होकर प्रदीप जायसवाल ने कथा वाचिका ज्ञानेश्वरी देवी श्रीधाम वंदावन को नमन किया। प्रदीप जायसवाल ने कहा की भागवत कथा के श्रवण से ही मनुष्य को जीवन को सार्थक बनाने, मोह-माया से मुक्त करने और आंतरिक शांति प्राप्त करने का एक माध्यम मिल जाता है। साथ ही श्रोताओं को सत्संग और भक्ति के मार्ग पर चलने का माध्यम भी मिल जाता है। श्री जायसवाल ने कहा कि हमारे रिश्ते पारिवारिक है चुनावी परिणामों से परे हमने सदैव आपकी व आपके ग्राम की परवाह की है। हमने तुमाड़ी ग्राम सहित टोलो में भी विकास कार्यो को पहुंचाया है। इस दौरान संतोष मदनकर,श्रीराम गौतम ,श्रीमती टीना राहंगडाले ,केशव बैस,गणेश कुंभरे,अनीश मिश्रा ,नरेंद्र ठकरेले , युवराज कावडे,दशरथ कावडे, अनिल बनोटे, कृष्ण कुमार लिल्हारे ,मंजय सोनेकर, शंकर इनवाती, गिरधारी कावडे,मुरली भोयर,सेवक मसराम,अशोक परते, महेश लिमजे, किशोर बघेले, पुनाजी बिसेन, पुरषोत्तम बघेले, अजय वाहने,ठानेंद्र टेंभरे, खेतरी बिसेन, सुरेश भालधरे, प्रह्लाद मेश्राम मौजूद रहे।

कायदी में कार्तिक पूर्णिमा विश्व शांति बौध्द महोत्सव संपन्न

धूमधाम के साथ विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी के ग्राम बनियाटोला स्थित धम्म शिखर प्रचार केन्द्र में ५ नवंबर को धम्म शिखर सध्दम्म प्रचार समिति बनियाटोला के तत्वाधान में कार्तिक पूर्णिमा विश्व शांति बौद्ध महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अरुणाचल प्रदेश से पधारे पूज्य भदन्त डॉ चंद्रकीर्ति के मुख्य आतिथ्य, पूज्य भन्ते शील रक्क्षिता के विशेष आतिथ्य ,अध्यक्ष वंदना स्वराज बारमाटे ,उपाध्यक्ष अधिवक्ता संजय खोब्रागडे ,सचिव दिपांकर पाटिल, कोषाध्यक्ष स्वराज बारमाटे ,सचिव अनिल गजभिये ,सदस्य अखिलेश मेश्राम ,जयप्रकाश सहित अन्य की उपस्तिथि में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा भगवान गौतम बुध्द व बाबा साहेब आंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। जिसके बाद उपस्थित बौध्द उपासक उपासिकाओं को पूज्य भंते के मुखारबिंद से धम्म देशना की शिक्षा दी गई। इसके बाद आर्केस्ट्रा में बोधिसत्व प्रस्तुति में प्रमुख राष्ट्रीय बहुजन गायक शशिभूषण प्रकाश सागर के द्वारा गीतों की प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम स्थल पर समिति के द्वारा सुबह ही पहाड़ी पर विराजित भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर त्रिशरण पंचशील का पाठ किया गया। जहाँ बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए जिनके द्वारा अपने परिवार ईस्ट मित्रों या अन्य लोगों के साथ कार्यक्रम में आकर कच्चे रास्ते से पहाड़ी पर चढ़कर भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा का दर्शन किया। पहाड़ पर उपासक उपसिकाओं ने प्रतिमा को नमन कर आशीर्वाद ग्रहण किया। महोत्सव में पूजा वंदना कर भिक्षु संघ के द्वारा धम्मदेशना कार्यक्रम में पूज्य भंते ने कहा कि कोई जन्म से कोई महान नही होता जो भी होता है कर्म के आधार पर होता है। गरीब के घर पैदा हुआ सदैव गरीब नही रहता जो जाति में जन्मे तो मरते तक वही बना रहे एवं काम जरूर करे और मैत्री भावना से रहे। हर कोई जन्म से मृत्यु तक संघर्ष करते रहे लड़ते रहे। हमें अपने लिए लडना है आज देखने में आता है कि गरीब बस्तियों में समाज के बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते हैं ऐसे में शिक्षित परिवारों को उन्हें मुख्य धारा में लाने का कार्य करना चाहिए। यदि उन्हें शिक्षित बनाते हैं तो उनका जीवन स्तर सुधरेगा। वहीं समाज को शिक्षित होने जागरूक बने और एकता बनाए रखने के लिए संदेश दिया गया। इस कार्तिक पूर्णिमा विश्व शांति बौध्द महोत्सव के अंतर्गत भव्य मेले का आयोजन हुआ। जिसमें आयोजन समिति के द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित करवाया गया। इस दौरान महोत्सव में पहुंचे क्षेत्र के लोगों के द्वारा उक्त स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेते हुए डॉक्टर से जांच करवाई गई। जहाँ पूर्व में निर्धारित समय के अनुसार लोगो के द्वारा अपना स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया गया। वहीं अंत में विशाल भंडारे का आयोजन कर लोगों को पुलावा वितरण किया गया। इस दौरान नगर ही नहीं जिले के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में बौद्ध उपासक उपासिकाओं के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराकर लाभ लिया गया। पद्मेश से चर्चा में उपाध्यक्ष अधिवक्ता संजय खोब्रगड़े ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर विश्व शांति महोत्सव शांति पूर्वक मनाया गया। आयोजन के माध्यम से बौध्द धर्म का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने के साथ ही धम्म में बुध्द द्वारा जो मार्ग प्रशस्त किया है। उस मार्ग पर चलकर मानव कल्याण के लिए काम करने उपासक उपासिकाओं को प्रेरित किया गया है। यह कार्यक्रम कार्तिक पूर्णिमा के दिन शांति दुत तथागत सम्यक समबुध्द के द्वारा ६० भिक्षुओं के प्रथम दल को जो धम्म से अर्हत अवस्था प्राप्त कर विभिन्न दिशाओं में प्रस्थान किया गया था। इसीलिए यह दिन यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसमें सुबह पूजा वंदना फिर धर्म देशना और आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने पहाड़ी पर भगवान गौतम बुद्ध के दर्शन भी किये। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बौद्ध उपासक उपसिकायें मौजूद रही।

जूनियर गोविंदा के साथ बड़े मियां तो बडे मियां छोटे मियां सुबानल्ला गानों में थिरके विधायक पटेल

खैरलाँजी सांस्कृतिक कार्यक्रम में जूनियर गोविंदा का हुआ आगमन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर खैरलाँजी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुंबई के जूनियर कलाकार गोविंदा का आगमन हुआ जहाँ जूनियर गोविंदा ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। जिसे देखने बड़ी संख्या में कार्यक्रम का आनंद लेने लोग पहुंचे। जूनियर गोविंदा ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। मंच पर पहुँचते ही जूनियर गोविंदा ने एक से बढ़कर एक फिल्मी गानों पर शानदार डांस किया। जिससे दर्शक झूम उठे वहीं जूनियर गोविंदा ने ना केवल अपने नृत्य से सबका मन मोहा। बल्कि अपने हास्य से भरे गोविंदा के मशहूर डायलॉग से सबको हसाया। गोविंदा की नकल और जोशीले अंदाजो से दर्शकों को असली गोविंदा की याद आ गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगो ने जूनियर गोविंदा के प्रदर्शन से इतने प्रभावित हुए की उन्होंने बार बार एक बार और के नारे लगाए। जिससे जूनियर गोविंदा ने भी उन्हें नाराज नहीं होने दिया और उनकी बातो को मानकर दर्शकों का मन जीत लिया। जैसे ही विधायक विवेक पटेल खैरलाँजी पहुँचे समिति के पदाधिकारियों के द्वारा विधायक विवेक पटेल का स्वागत किया गया। जिसके विधायक विवेक पटेल कार्यक्रम स्थल पहुँचे और रानी अवंतिबाई लोधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसके पश्चात भगवान श्री गणेश की वंदना के साथ कार्यक्रम का आगाज किया गया। जूनियर गोविंदा ने मंच पर विधायक विवेक पटेल को बुलवाकर उनकी तारीफ की बल्कि उन्हें गले भी लगाया और कहा की मुझे विधायक की हाइट देखकर असली अभिताफ बच्चन की याद आ गई। जिसके पश्चात जूनियर गोविंदा ने विधायक पटेल को बडे मिया तो बडे मिया छोटे मिया सुबानल्ला गानों पर जमकर नचाया। वहीं विधायक ने उन्हें उनके साथ नृत्य करके जमकर आनंद उठाया। मंच पर मौजूद विधायक पटेल और जूनियर गोविंदा को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो असली गोविंदा और अभिताफ बच्चन मंच पर थिरक रहें हो। विधायक विवेक पटेल ने कहा की हमारा जिला कृषि प्रधान जिला है इस समय हमारे क्षेत्र के किसानो की फसल पूरी तरह खराब हो गई है। मगर सरकार को किसानो की चिंता नहीं है अभी तक सर्वे प्रारंभ नहीं हुआ है किसान इस समय बहुत परेशान है। फसल के समय किसान कर्ज लेकर धान उगाता जो अब साहूकार उन्हें परेशान कर रहें है मैंने खुद किसानो के खेतो के जाकर वास्तविक स्थिति देखी है। पशु भी उस खराब फसल को नहीं खा सकता है। आगामी समय पर अगले वर्ष हम और बडे फिल्मी कलाकारों को बुलवाने का प्रयास करेंगे। जनपद उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे,पूर्व जनपद अध्यक्ष फेकनलाल डोहरे,जनपद सदस्य जगदीश बंसोड, रजनीश नकासे, पूर्व सरपंच राजा अली, नरेंद्र राहंगडाले, संजय दमाहे, ज्ञानी लिल्हारे, विक्की लिल्हारे, सोनू पटेल, सुरेश दमाहे, शेषराम बहेटवार, संजय लिल्हारे, मुकेश दमाहे, नरेंद्र राहंगडाले, रामेश्वर ठाकरे, राजू नगपुरे, श्यामसुंदर शर्मा, अनिल बोल्लोरे, विकास करपगए, अमित थोटे, अजब करपगए, छोटू बनोटे, जय बहेटवार, मिथिलेश नगपुरे, कांताप्रसाद दमाहे, विनोद मसखरे, भोजराज जैतवार, देवेंद्र लिल्हारे, अजय लिल्हारे,पवन बनोटे सहित दर्शकगण मौजूद रहे।

किसानो के सर्वे करने में पटवारी बिलकुल ना करें लापरवाही-गौरव

बैठक में विधायक गौरव पारधी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। क्षेत्र में बीते दिनों अधिक वर्षा और कीट व्याधि के कारण फसलों को हुई क्षति को ध्यान में रखते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने कटंगी और खैरलांजी में पटवारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में प्रभावित किसानों की स्थिति, फसलों की वास्तविक हानि, और राहत कार्यों को तेज़ी से आगे बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विधायक गौरव पारधी ने सभी पटवारियों को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक प्रभावित ग्रामों का सावधानी पूर्वक सर्वे करें, ताकि किसानों को समय पर और सटीक राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि किसी भी किसान को मुआवज़े या सहायता में देरी नहीं होनी चाहिए। सभी अधिकारी और कर्मचारी पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, यही सच्ची सेवा है। विधायक गौरवसिंह पारधी ने भरोसा जताया कि आने वाले तीन चार दिनों में सभी पटवारी अपने क्षेत्र का सर्वे पूर्ण कर लेंगे और राहत वितरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से शुरू हो जाएगी। किसानों की हर समस्या हमारी प्राथमिकता है। कठिन समय में शासन प्रशासन का कर्तव्य है कि वह हर किसान के साथ खड़ा रहे। कटंगी की बैठक में एसडीएम के सी ठाकुर, तहसीलदार श्री प्रजापति, जनपद सीईओ , खैरलांजी में एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, तहसीलदार सुश्री छवि पंथ, जनपद सीईओ एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। विधायक गौरवसिंह पारधी ने अधिकारियों से कहा कि फसल नुकसान का आकलन केवल औपचारिकता नही बन जाए, बल्कि हर किसान की वास्तविक स्थिति सामने आए। उन्होंने आश्वासन दिया कि सर्वे रिपोर्ट के आधार पर किसानों के लिए त्वरित राहत और आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जाएगी।

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

संपादकीय

ताकि उसपर भरोसा क़ायम रहे

भारत के विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने हवाई यात्रा की टिकट वापसी की प्रक्रिया को यात्रियों के अधिक अनुकूल, पारदर्शी व कुशल बनाने के लिए नियमों में बदलाव लाने का जो प्रस्ताव दिया है, वह उन यात्रियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है, जो विमानन कंपनियों की मनमानी से पहले ही त्रस्त हैं। एक वक्त था, जब हवाई यात्रा को विलासिता से जोड़ा जाता था, लेकिन आर्थिक विकास के साथ ही अब यह आम लोगों का भी पसंदीदा परिवहन बन गया है। गौरतलब है कि देश में पिछले एक दशक में वाणिज्यिक विमानों की संख्या तकरीबन दोगुनी हुई है, और इसके साथ ही भारत, अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बनकर उभरा है। अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ के आंकड़ों पर नजर डालें, तो 2024 में भारत में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर रिकॉर्ड तकरीबन 20 करोड़ यात्रियों ने उड़ान भरी।

> डीजीसीए ने हवाई यात्रा की टिकट वापसी प्रक्रिया को अधिक यात्री-अनुकूल बनाने के लिए नियमों में बदलाव का जो प्रस्ताव दिया है, वह लागू होने पर यात्रियों को निस्संदेह राहत देगा। विमानन कंपनियों को अधिक जवाबदेह बनाने तथा यात्रियों का भरोसा जीतने के लिए ऐसे और कदमों की दरकार है।

लेकिन, चिंता की बात यह रही है कि जिस तेजी से हवाई यात्रा करने वालों की तादाद बढ़ी है, उसी अनुपात में विमानन कंपनियों की तरफ से मनमानी वसूली भी बढ़ती दिखी है। एक और बात, फिलहाल देश के हवाई यात्रा बाजार में इंडिगो और एयर इंडिया एयरलाइंस का ही प्रभुत्व दिखता है। विकल्पों का यह अभाव भी कहीं न कहीं विमानन कंपनियों को अपनी मर्जी से किराया वसूलने के लिए प्रोत्साहित करता है। बात यह है कि हवाई किराया सरकार तय नहीं करती, और इसे पूरी तरह से कंपनियों के विवेक पर छोड़ा गया है। डायनामिक फेयर के नाम पर विमानन कंपनियां इसका पूरा फायदा भी उठाती हैं। दरअसल, यह पूरा एल्गोरिदम मांग एवं पूर्ति के फॉर्मूले पर काम करता है। इसमें दिक्कत यह छिपी है कि यात्रा एजेंट एक ही रूट पर बार-बार सर्च करके मांग को कृत्रिम तौर पर बढ़ा भी सकते हैं। डीजीसीए ने नए नियमों का जो प्रारूप पेश किया है, उसके अनुसार, यात्री द्वारा उड़ान बुक करने के बाद 48 घंटों तक बगैर किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या संशोधित कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त 21 कार्यदिवसों के भीतर रिफंड मिलने और ट्रैवल एजेंटों द्वारा बुक किए गए टिकटों के रद्दीकरण के संदर्भ में जो राहतें यात्रियों को दी गई हैं, वे स्वागतयोग्य हैं, लेकिन कुछ और मामले भी हैं। दिल्ली, मुंबई सरीखे महानगरों को छोड़ दें, तो उड़ानों का विलंबित या रद्द होना बढ़ रहा है। संचालक एयरलाइंस द्वारा मुआवजे का प्रावधान होने के बावजूद उन्हीं की आड़ लेते हुए ये कंपनियां यात्रियों को सुविधाएं देने में जिस तरह से आनाकानी करती हैं, उस पर भी ध्यान देना होगा। फिलहाल डीजीसीए से यही अपेक्षा है कि वह जल्द से जल्द इन नियमों को लागू करे और इनका सख्त अनुपालन भी सुनिश्चित कराए, क्योंकि हवाई यात्रियों को निजी कंपनियों के विवेक पर नहीं छोड़ा जा सकता।

पेड़ मिलनसार होते हैं!!

पिछले दिनों 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' में एक बहुत ही खूबसूरत लेख पढ़ा। फिर सोचने लगा कि हमारे अखबारों में वैसे लेख क्यों नहीं छपते। लेख बूढ़े, उम्रदराज़ दरख़्तों के बारे में था। वैसे बूढ़े, उम्रदराज़ दरख़्त- जो बहुत क़द्दावर भी हों। साइंस की ज़ुबान में इन्हें एल्डरफ़्लोरा और मेगाफ़्लोरा कहेंगे। लेखक जेरेड फ़ार्मर बतला रहे थे कि दुनिया में हज़ारों साल पुराने दरख़्त मौजूद हैं, लेकिन वो धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। हमें उन्हें बचाना चाहिए। क्यों? केवल इसलिए नहीं कि वो बहुत पुराने हैं और गुज़रे वक़्त की एक शानदार यादगार हैं। बल्कि इसलिए भी कि उनके भीतर वैसी जेनेटिक सूचनाएँ संकलित हैं, जो बेशक़ीमती हैं। वे पेड़ अतीत में ऐसे अवसर पर पनपे थे, जब उनके लिए परिवेश अनुकूल था- वैसी परिस्थितियाँ शायद सदियों तक फिर न दोहराई जा सकें। वे अतीत और भविष्य के बीच एक पुल की तरह हैं। और सबसे बड़ी बात यह कि वे अपने आसपास के इकोलॉजिकल सिस्टम को सपोर्ट करते हैं। पर्यावरणविद् मेग लोमैन ने अकारण ही वृक्षों के माध्यम से संचालित होने वाले पारिस्थितिकी-तंत्र को आठवें महाद्वीप की संज्ञा नहीं दी थी।

क्योंकि पेड़ बहुत मिलनसार होते हैं। यारबाश होते हैं। वे समूह में रहना पसंद करते हैं। जिन्हें हम जंगल कहते हैं, वे दरख़्तों की बस्तियाँ हैं। कवियों और शायरों को लगता है कि पेड़ अपने पत्तों की खड़खड़ाहट से आपस में गुफ़्तगू करते हैं। हक़ीक़त यह है कि पेड़ पत्तों नहीं जड़ों के ज़रिये बात करते हैं और यह सच है। पीतर वोह्लेबेन ने इसी को वुड-वाइड-वेब कहा था। जितना पुराना पेड़ होगा, उतना ही उसका कम्युनिकेशन सिस्टम पुख़्ता होगा और वो अपने आसपास के नौजवान दरख़्तों की बढ़त में मददगार होगा। जेरेड फ़ार्मर इन्हें मदर-ट्री कहते हैं। ये अपने आसपास के सब्ज़े को पालते-पोसते हैं। आपने साल के किसी वृक्ष को अकेला नहीं देखा होगा, वो समूह में ही पनपते हैं। शालवन कहलाते हैं। तनहाई में वो मर जाते हैं।

लेकिन अपने लेख में जेरेड फ़ार्मर ने चिंता जतलाई कि बूढ़े दरख़्त एक-एक कर मर रहे हैं और किसी को फ़िक्र नहीं है। हाल के दिनों में दुनिया में ऐसे पूरे-पूरे जंगल जलकर ख़ाक हो गए, जिनमें तीन हज़ार साल पुराने तक पेड़ थे। इनमें आग-प्रतिरोधक सेकोइआस भी शामिल थे, जो दुनिया के सबसे भीमकाय पेड़ माने जाते हैं। अकाल के दौर में फलने-फूलने वाले ग्रेट बेसिन के ब्रिस्टलकोन पाइन पेड़ भी नष्ट हो गए हैं। ये पेड़ पांच हज़ार साल तक जीवित रह सकते हैं। दक्षिण अमेरिका में सूखे के चलते बाओबा पेड़ नष्ट हो गए। माउंट लेबनॉन के सेडार वृक्ष, जो दीर्घायु होने के पुरातन प्रतीक हैं, बढ़ते तापमान और रूखेपन के आगे जवाब दे रहे हैं। न्यूज़ीलैंड के कौरी हों या इटली के सदियों पुराने ओलिव- ये तमाम बीमारियों के शिकार होकर दम तोड़ रहे हैं। यों तो पृथ्वी का ट्री-कवर हाल के सालों में बढ़ा है। लेकिन वो तमाम पेड़ नौजवान हैं। बूढ़े दरख़्त दिन-ब-दिन घटते जा रहे हैं।

ये लेख इतना ख़ूबसूरत था कि मैं देर तक इसके बारे में सोचता रहा। फिर लेखक जेरेड फ़ार्मर के बारे में तहक़ीक़ात की। क्या ही आश्चर्य कि उनकी नई किताब इसी ताल्लुक़ में आई है। किताब का नाम है- %एल्डरफ़्लोरा ॒अ मॉडर्न हिस्ट्री ऑफ़ एन्शेंट ट्रीज़%। सुदूर पेन्सिलवेनिया में कोई अमरीकी बूढ़े, उम्रदराज़ दरख़्तों की फ़िक्र में घुल रहा है, उनके बारे में मालूमात हासिल करके किताब लिख रहा है, ये जानकर मुझे तसल्ली मिली और जेरेड के लिए दिल में इज़्ज़त का हरा बूटा उग आया। ये धरती जितनी इंसानों की है, उससे कम दरख़्तों, नदियों, पहाड़ों, परिंदों और जानवरों की नहीं है- यही तालीम और तहज़ीब सबसे बुनियादी है। ये नहीं है तो आप एजुकेटेड और सिविलाइज़्ड नहीं कहला सकेंगे।

-सुशोभित, प्रख्यात कथाकार, पत्रकार
(इंदौर में रहते हैं)

पुण्यतिथि पर विशेष

प्रभाष जोशी : उनका मेरा एक बेतकल्लुफ रिश्ता

इन दिनों दुर्ग छत्तीसगढ़ में रहते हैं.. सबसे पहले श्री तिवारी का स्थानीय जटाशंकर त्रिवेदी, शासकीय स्नातकोत्तर कॉलेज, बालाघाट में अंग्रेजी विषय के प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति हुई थी।

प्रभाष जोशी से इतना बेतकल्लुफ रिश्ता बना नहीं पाया कि उन्हें यार कह सकूं। मैं उनसे तीन वर्ष छोटा लेकिन अंगरेजी कैलेन्डर के हिसाब से हमारी राशियां एक हैं। उन्हें बड़े भाई की तरह भी नहीं देख पाया। हम दोनों अनौपचारिक रिश्ते से छिटकना नहीं चाहते थे।

'हमारी राजनैतिक, सामाजिक और गांधीवादी विचारधाराओं में टकराव नहीं हैं'-ऐसा जब मैं उनसे कहता तो वे कहते 'टकराव नहीं, ठहराव शब्द का इस्तेमाल करो।' मुस्कराने तथा ठहाका लगाने के बीच बोलते बोलते हंसते और हंसते हंसते बोलते रहते।

भोपाल में मैं महात्मा गांधी 125 वां जन्मवर्ष समारोह समिति का चार पांच वर्ष राज्य समन्वयक रहा था। तब गांधी स्मृति आयोजनों में कई बार प्रभाष जोशी आए। भोपाल में कई बार महेश पाण्डेय के घर प्रभाष जोशी ठहरते। कभी कभी इतनी जल्दी फोन आ जाता कि मेरे पहुंचने पर वे गुसलखाने से बाहर भी नहीं आ पाते थे।

नई दिल्ली में एक बार उनसे मिलने का जब मैंने समय मांगा तो दूसरे दिन सुबह अम्बेसडर होटल के दासप्रकाश रेस्टोरेन्ट में मिलना तय किया। वहां का स्टाफ मानो उनसे परिचित था। उन्होंने अपने हाथ से मैसूर बड़ा चम्मच से काटते हुए मुझे खिलाया और लगभग डेढ़ घंटे गपशप करते रहे। फिर कहा कि आज की यह सुबह हम दोनों को याद रहेगी क्योंकि बहुत सी ऐसी अनौपचारिक बातें उस दिन हुईं। वे सीने में दफ्न ही हो गई हैं।

मैंने दम्भ में कहा था मुझसे ज्यादा हिन्दुत्व पर किसी ने लिखा नहीं होगा। एक रविवार की सुबह जनसत्ता के कार्यालय जब मैं पहुंचा तो उन्होंने अपने हिन्दुत्व संबंधी लेखों का पुलिन्दा थमा दिया। मैं उन्हें देखता और विस्मित तथा पराजित होता रहा। मैंने कहा, 'आप मध्यप्रदेश के लेखक कहां रहे। आप तो राष्ट्रीय लेखक हैं।' वे झेंपते हुए से बोले। 'इससे क्या मैं मध्यप्रदेशीय नहीं रहा?' बिहारी उच्चारण में उनको महारत हासिल थी। उसी ध्वनि मुद्रा में वे बोले 'का हो, लालू यादव राष्ट्रीय नेता हो जाने से बिहारी नहीं रहेगा?'

2003 के विधान सभा चुनावों के प्रचार अभियान को देखने प्रभाष जोशी कई पत्रकारों के साथ बिलासपुर भी आए। दैनिक भास्कर के कार्यालय में जब उन्हें पता लगा कि मेरा चेम्बर बगल में ही है, तो प्रिन्ट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कई साथियों को यह कहते हुए उठा लाए कि चलो आज की चाय एक वकील की तरफ से रहेगी। परिचित अपरिचित पत्रकार मित्र बोले कांग्रेस की सरकार तो फिर बनने जा रही

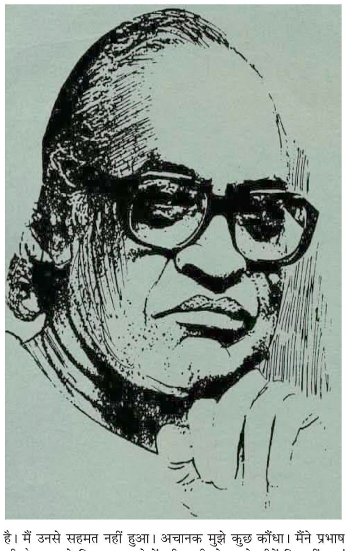

है। मैं उनसे सहमत नहीं हुआ। अचानक मुझे कुछ कौंधा। मैंने प्रभाष जी के हाथ से विधानसभा क्षेत्रों की सूची लेकर वे सीटें गिन दीं जहां से कांग्रेस हारने वाली थी। वे स्तब्ध रह गए। पता नहीं क्यों जो मैंने कहा था, वह सही हो गया। अचानक दिल्ली से उनका फोन आया। अपनी चिर परिचित शैली में वे हंस बोल उठे 'भगवन! क्या आप अंतर्यामी हैं?

प्रभाष जोशी मनुष्यता का मौसम थे। 'हिन्दू होने का धर्म' मेरी दृष्टि में हिन्दुत्व का एक छोटा मोटा आधुनिक एनसाइक्लोपीडिया है। उसमें अंतर्निहित दार्शनिक बहस का स्तरीय विमर्श है। उसमें केवल तर्क नहीं हैं।

नर्मदा मुझे भारत की अकेली आधुनिका लगती है। छोटी बहन ताप्ती को अपने आगोश में समेटे हुए वह अकेली नहीं है जो प?श्चिम की ओर जाती है अरब सागर में भारतीय संस्कृति का अक्स प्रवाहित करती है। नर्मदा को लेकर जब ये सब उक्तियां कहता तो उनकी आंखों में जैसे नर्मदा का जल उछल उछल आता। प्रभाष जोशी नर्मदा-सुत होने में गौरव अनुभव करते थे। अंततः मां की गोद में ही समा गए।

सार्वजनिक उपक्रम के सत्रह अध्यक्षों को एक साथ कांग्रेस पार्टी ने कथित अनुशासनहीनता के लिए कांग्रेस अध्यक्ष नरसिंह राव के आदेश पर निलंबित कर दिया। मैं भी एक था। मैंने प्रभाष जी से भी इसका जिक्र किया। निलंबन वापस होना था और हुआ। बहुत दिनों बाद पता चला कि प्रभाष जी ने मेरे इस मामले को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष और प्रधानमंत्री नरसिंह राव से भी बचाव के वकील की तरह जिरह की थी। मुकदमा जीता लेकिन फीस नहीं ली।

बहुत से मित्र हैं जो उनके क्रिकेट प्रेम को लेकर अचंभित और परेशान रहे हैं। कहां गांधीवादी, समाजवादी चेहरा, ग्रामीण सुगंधि में रचा बसा व्यक्तित्व, ठेठ देशज भाषा और संस्कारों का वाणी विलास और कहां यह अंगरेजी दासता का खेल! प्रभाष जी के लिए क्रिकेट केवल खेल नहीं, जीवन के आरोह-अवरोह की लय बन चुका था। वे क्रिकेट के खेल को देखते नहीं उसमें डुबकियां लगाते थे। रनों को अंजुलि भर भर उलीचते थे। उंगलियों की पोरों से बह जाने वाले रनों को कभी न पकड़ में आने वाली पानी की बूंदें समझते थे लेकिन उनमें भी आर्द्रता महसूस करते थे। क्रिकेट उनके हृदय में धक धक करता था। सचिन तेंदुलकर के एक्शन रीप्ले देख देखकर वे इस तरह पुलकित होते मानो कोई बच्चा अपने पिता का व्यवसाय संभाल लेने के लिए काबिल हो गया हो। क्रिकेट की धौंकनी ने उनके दिल की धड़कनों को अपनी मुट्ठी में कैद कर लिया था। प्रभाष जी लौह पुरुष नहीं थे। उनका दिल तो मोम का बना था। तेंदुलकर की गेंद लपकी गई, तब उन्होंने उस धौंकनी की ओर नहीं देखा होगा जिसने नो बॉल फेंककर अचानक अपनी मृत्यु लय तेज करते हुए इस मोम को पिघला दिया। यह मोम जब तक पिघला नहीं था, दीपक की तरह आलोकित करता रहा। मोम पिघल गया। बाती गुल हो गई।

- -कनक तिवारी
(प्रख्यात लेखक, विधिवेत्ता, राजनेता, पत्रकार, प्रोफेसर)

सवाल तो मौजूँ है!

मोदी-शाह के भाषणों में 'पीके' पर हमला सुना क्या ?

चौदह नवंबर को जिस रहस्य से पर्दा उठने वाला है वह यह नहीं होगा कि बिहार के कश्मकश भरे चुनावों में जीत किसकी होने वाली है ! इस बात से उठेगा कि मोदी, ममता, केजरीवाल, आदि नेताओं को जिताकर सरकारें बनवाने वाले चुनावी कंसलटंट प्रशांत किशोर(पीके) अपने दावे के मुताबिक ख़ुद की पार्टी को 150 सीटें नहीं दिला पाते हैं तो फिर किस दल को हराने की उन्होंने 'सुपारी' ली थी ! प्रशांत किशोर दावे करते नहीं थकते कि उन्होंने 2014 में मोदीजी को, 2017 में अमरिंदर सिंह, 2019 में उद्धव और जगन, 2020 में केजरीवाल और 2022 में ममता को जितवाया था।

प्रशांत जानते हैं कि उनकी 'जन सुराज पार्टी' का अगर वही हश्र हुआ जो पिछले चुनाव में चिराग़ की 'लोक जनशक्ति पार्टी' का हुआ था तो न सिर्फ़ उनकी चुनावी कन्सल्टेंसी ख़तरे में पड़ जाएगी बिहार की राजनीति में भी वे हाशिए पर आ जाएँगे ! अत: मानकर चलना चाहिए कि वे इतना बड़ा जुआँ किसी बड़े दावँ के लिए खेल रहे हैं ! तो क्या नीतीश की नाराज़ी को दरकिनार कर चुनाव लड़ रही बीजेपी के अंदर पक रहा आत्मविश्वास प्रशांत किशोर के चमत्कार के भरोसे है ? साल 2015 में जेडी(यू) को जितवाकर नीतीश को मुख्यमंत्री बनवाने वाले पीके के इस कथन पर गौर किया जाना चाहिए कि जो पुरोहित विवाह संपन्न करवाता है वही श्राद्ध भी निपटाता है।

बिहार में विधानसभा चुनावों की सबसे ज़्यादा ज़मीनी तैयारी अगर किसी एक व्यक्ति ने की है तो वे प्रशांत किशोर हैं।पिछले साल पार्टी की स्थापना के भी पहले दो साल तक उन्होंने 665 दिनों तक 2,697 गाँवों की पैदल यात्रा की थी। विधानसभा के रिक्त स्थानों के लिए पिछले नवंबर हुए उपचुनावों में उनके द्वारा खड़े किए गए चार उम्मीदवारों ने पाँच से सैंतीस हज़ार वोट हासिल कर लिए थे। पिछली बार (2020) के चुनावों में 40 सीटें ऐसी थीं जिन पर फ़ैसला दो प्रतिशत के मार्जिन से हुआ था। सरकार बनाने में तेजस्वी के महागठबंधन की हार सिर्फ़ पंद्रह सीटों से हुई थी।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ष्ठक्र) की रिपोर्ट के मुताबिक़ सबसे ज़्यादा करोड़पति पीके की पार्टी में ही हैं ! प्रशांत किशोर घोषणा कर चुके हैं कि इस बार नीतीश सरकार की छुट्टी होने वाली है !'किसकी सरकार बनेगी यह जनता तय कर करेगी'! पीके की भविष्यवाणी के पीछे निश्चित ही कोई 'ठोस' आधार होना चाहिए ! उनके घोषित गणित पर यक़ीन करना हो तो महागठबंधन और एनडीए दोनों के वोट शेयर लगभग बराबर हैं। दोनों के पास 36-36 प्रतिशत वोट शेयर है और 28 प्रतिशत की जगह उनकी पार्टी के लिए ख़ाली है।

क्या बीजेपी और प्रशांत दोनों के आत्मविश्वास एक ही डोर से बंधे नहीं हो सकते ? प्रशांत किशोर और चिराग़ दोनों द्वारा ही चुनाव न लड़ने की घोषणा को नतीजों के बाद ही डी-कोड किया जा सकेगा। दोनों ने पहले चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा की थी। तो क्या फ़ैसला बीजेपी के दबाव में बदला गया ? ध्यान रखा जाना चाहिए कि तेजस्वी,चिराग़ और प्रशांत तीनों के बीच सिर्फ़ पाँच-पाँच साल का फ़र्क़ है। तीनों महत्वाकांक्षी हैं। चिराग़ ज़्यादा कुछ नहीं कर पाएँ तो भी इसलिए फ़र्क़ नहीं पड़ेगा कि वे केंद्र में मंत्री हैं तेजस्वी को बिहार की राजनीति में ही रहना है। विपरीत नतीजों का सबसे ज़्यादा असर प्रशांत के प्रोफ़ेशनल और पोलिटिकल करियर पर पड़ने वाला है।

मोदीजी को छोड़ दें तो अपनी कन्सल्टेंसी के ज़रिए जिन-जिन नेताओं को सत्ता में लाने का दावा प्रशांत किशोर करते हैं उनमें से अब सिर्फ़ दो बड़े ही बचे हैं- नीतीश और ममता। बीजेपी की मदद के लिए इस चुनाव में वे अगर नीतीश को सत्ता से बाहर करवा देते हैं तो हो सकता है अगले साल ममता का नंबर लगा दें। राहुल जानते हैं प्रशांत किशोर को उन्होंने भाव नहीं दिया था और वे कांग्रेस से नाराज़ हैं। कहीं तो नोट किया ही जा रहा होगा कि मोदी और शाह अपनी सभाओं में न तो प्रशांत पर हमला कर रहे हैं और न ओवैसी पर। दाल में कुछ तो काला होना ही चाहिए !

-श्रवण गर्ग, प्रख्यात सम्पादक, समीक्षक

बिहार : क्या यही है 'सुशासन' के दावों की हक़ीक़त ?

बिहार विधानसभा चुनाव अपने अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर है। दावों प्रतिदावों और आरोपों व प्रत्यारोपों का दौर अपने चरम पर है। सत्ता की तरफ़ से चुनाव जीतने के लिये सबसे अधिक ज़ोर लगाया जा रहा है। हरियाणा सहित कई अन्य भाजपा शासित राज्यों से तो बिहारी मतदाताओं को विशेष ट्रेन्स द्वारा मतदान करने हेतु बिहार भेजा जा रहा है। उधर भाजपा स्टार प्रचारक नीतीश सरकार को 'सुशासन' व भ्रष्टाचार मुक्त सरकार के रूप में प्रचारित करते नहीं थक रहे। परन्तु सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त बिहार के इन्हीं दावों के बीच कुछ ऐसे सनसनीखेज़ रहस्योद्घाटन हो रहे हैं व घटनायें घटित हो रही हैं जिन्होंने बिहार में 'सुशासन' व भ्रष्टाचार मुक्त सरकार की क़लई खोल कर रख दी है। हैरानी की बात तो यह है कि इसतरह के खोखले दावों की हवा निकालने में किसी सत्ता विरोधी दल या विपक्ष की कोई भूमिका नहीं है बल्कि स्वयं भाजपा-जे डी यू के नेता ही इस 'क़लई खोल अभियान' के मुख्य सूत्रधार हैं।

सबसे पहले तो ज़िक्र करते हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह (आरके सिंह) के बयानों का। आर के सिंह बिहार के आरा से दो बार सांसद रह चुके हैं और मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में वे ऊर्जा मंत्री थे। उनकी गिनती भाजपा के वरिष्ठ नेता के रूप में होती है। सर्वप्रथम तो आर के सिंह ने चुनाव अभियान के बीच ही गत 20 अक्टूबर को एक वीडियो संदेश जारी कर मतदाताओं से अपील की थी कि वे अपराधी और भ्रष्ट छवि वाले उम्मीदवारों को वोट हरगिज़ न दें। उन्होंने विशेष रूप से जेडीयू के मोकामा से उम्मीदवार अनंत सिंह व भाजपा के तारापुर से उम्मीदवार व बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का नाम लिया था। उस सन्देश में सिंह ने यहां तक कहा था कि ऐसे उम्मीदवारों को वोट देना 'चुल्लू भर पानी में डूब मरने' से भी बदतर है, क्योंकि ये 'जनता का ख़ून चूस रहे हैं'। उन्होंने यह भी कहा था कि 'आपराधिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं को हटाकर ही बिहार का विकास संभव है, और यदि सभी उम्मीदवार ऐसे हों तो मतदाता नोटा का विकल्प चुनें'। सिंह ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले इसी तरह के कुल 8 उम्मीदवारों के नाम लिए। अब आरके सिंह के इस बयान को भाजपा के अंदर सुलग रही बग़ावत की चिंगारी के रूप में देखा जा रहा है।

आर के सिंह के उपरोक्त बयानों पर अभी चर्चा चल ही रही थी कि पिछले दिनों उन्होंने बिजली घोटाला सम्बन्धी एक और बड़ा धमाका कर दिया।

उन्होंने बिहार की एनडीए सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। ये आरोप मुख्य रूप से बिहार में बिजली विभाग से जुड़े 62,000 करोड़ रुपये के घोटाले से संबंधित हैं, जो बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के ठीक पहले यानी गत 4 नवंबर को सामने लाये गये हैं। इन आरोपों के अनुसार बिहार सरकार ने एक थर्मल पावर प्लांट के निर्माण के लिए अदानी ग्रुप से सम्बंधित एक कंपनी को अत्यधिक ऊंची क़ीमत पर अनुबंध दिया। इस अनुबंध के तहत कंपनी को 25 वर्षों के लिए बिजली की क़ीमत 6.075 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित की गई, जो बाज़ार दर से काफ़ी अधिक है। इससे सरकार को पूंजी की वापसी के साथ-साथ अतिरिक्त लाभ होगा, जो कुल 62,000 करोड़ रुपये का नुक़्सान बिहार के बिजली उपभोक्ताओं को पहुंचाएगा। उन्होंने बिहार सरकार के बिजली विभाग के कई अधिकारियों को इस घोटाले के लिये आरोपित करते हुये सीबीआई से इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की, ताकि दोषियों पर कार्रवाई हो सके। सिंह का आरोप है कि यह घोटाला सीधे तौर पर बिहार के लोगों को प्रभावित करेगा, क्योंकि बिजली के दाम बढ़ेंगे। इससे पहले भी आर के सिंह राज्य की %सुशासन % कही जाने वाली नीतीश सरकार पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगा चुके हैं। परन्तु चुनावों के बीच उनके द्वारा लगाये जा रहे उपरोक्त गंभीर आरोपों ने बिहार में कोहराम मचा दिया है। विपक्षी महागठबंधन इन आरोपों को अपने हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है।

दूसरी बड़ी घटना केंद्रीय मंत्री लल्लन सिंह से संबंधित है। गत 4 नवंबरको पटना ज़िला प्रशासन ने लल्लन सिंह के विरुद्ध एफ़ आई आर दर्ज की है। ललन सिंह ने मोकामा में जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह जोकि इस समय दुलारचंद यादव हत्याकांड के मामले में बेऊर जेल में बंद हैं के समर्थन में किये जा रहे प्रचार के दौरान एक सभा में कहा कि 'कुछ नेताओं को वोटिंग के दिन घर में बंद कर दो। घर से उसी को निकलने दो जो हमारे पक्ष में वोट करे। अगर ज़्यादा हाथ-पैर जोड़े तो अपने साथ ले जाकर वोट गिराने देना है।' ग़ौर तलब है कि अनंत सिंह की गिरफ़्तारी के बाद ललन सिंह ही उनके चुनाव प्रचार की कमान संभाल रहे थे। विपक्ष ने ललन सिंह के इस बयान को 'लोकतंत्र पर हमला' बताया और कहा कि यह ग़रीब वोटरों को डराने की साज़िश है।

अब इन घटनाओं व बयानों के सन्दर्भ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दावों का ज़िक्र भी ज़रूरी है। एक ओर तो आर के सिंह व ललन सिंह जैसे भाजपा-जे डी यू के केंद्रीय स्तर के नेताओं के बयान बिहार में भ्रष्टाचार,कुशासन व जंगल राज की तस्वीर पेश कर रहे हैं तो दूसरी तरफ़ गृह मंत्री अमित शाह इन्हीं चुनाव प्रचार के दौरान जनसभाओं में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार को 'भ्रष्टाचार मुक्त' सरकार का प्रमाणपत्र दे रहे हैं। शाह के अनुसार नीतीश कुमार पर 'चवन्नी के भ्रष्टाचार' का भी आरोप नहीं लगा है'। उनके अनुसार केवल नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार, जिन पर चार आने का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है, वे ही बिहार का विकास कर सकते हैं।' वे केंद्र में मोदी सरकार के 11 वर्षों और बिहार में नीतीश के 20 वर्षों के शासन को 'भ्रष्टाचार मुक्त' बताते हैं जबकि विपक्ष पर घोटालों का आरोप लगाने के साथ ही लालू यादव के 20 वर्ष पूर्व के कथित 'जंगल राज' की भी याद दिलाना नहीं भूलते। ऐसे में आर के सिंह के व लल्लन सिंह जैसे सत्ता से जुड़े केंद्रीय नेताओं के ही बयान क्या यह सवाल नहीं खड़ा करते कि क्या यही है बिहार में 'सुशासन' के दावों की हक़ीक़त ?

- निर्मल रानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर (एजेंसी)। सुस्त लेवाली से बुधवार को किराना बाजार में तरबूज मगज में सुस्ती रही। नारियलों में भी नरमी बनी। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में सरसो मजबूती पर रही। दलहनों में चना 5900 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तरबूज मगज में लेवाली ठंडी रहने से बाजार सुस्ती के रहे। नारियलों में नरमी का रूख बना रहा। खाद्य तेलों में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे। तिलहनों में सरसो मजबूती बनी रही। दलहनों में चना 5900 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4280, खोपरा गोला 320-380, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-245, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-750, बेस्ट 780-791, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 525-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3650, (160) 3600-3650, (200) 4000-4100, (250) 4900-5000

तेल- सींगदाना 1400-1410, मुम्बई 1420, राजकोट तेलिया 2235, सोया साल्वेंट 1155-1160, सोया रिफाइंड 1225-1230, कपास्या 1245, धूलिया 1250, कड़ी 1250,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1375, मुम्बई पाम 1260, मुम्बई सोया 1260,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7500-7700, रायडा 6200-6250, सोयाबीन 4300-4400, नया सोयाबीन 3800-4100, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5900-5925, एवरेज 5200-5300, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6600-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर (एजेंसी)। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चॉंदी (9999) 148200, चॉंदी (99) 148100, टंच 147600, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 120500

ब्याज दर में हो सकती है कटौती

मुंबई (एजेंसी)। क्विंटल रिजर्व बैंक आने वाले महीनों में रेपो रेट में 0.25-0.5 प्रतिशत तक की कटौती का ऐलान कर सकता है। खाने-पीने की चीजों के दामों में कमी और हालिया जीएसटी कटौती के असर से महंगाई में लगातार नरमी बनी हुई है। इसी वजह से आरबीआई को आर्थिक ग्रोथ को सपोर्ट देने के लिए मौद्रिक नीति को उदार बनाने का मौका मिलेगा। कोटक सिक्युरिटीज की रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टैरिफ और ट्रेड से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद, घटती महंगाई आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार (ग्रोथ) को बढ़ाने के लिए दरों में कटौती की गुंजाइश बना रही है। खाने-पीने की चीजों की कीमतें घटने से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित रिटेल महंगाई दर सितंबर में घटकर 1.54 प्रतिशत पर आ गई थी।

एशिया भर में करीब 500 अरब डॉलर के बाजार पूंजीकरण में आई गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक सेमीकंडक्टर शेयरों में भारी बिकवाली की वजह से अमेरिका के वॉल स्ट्रीट और एशिया भर में करीब 500 अरब डॉलर के बाजार पूंजीकरण की गिरावट आई। विशेषज्ञों का कहना है कि ये हालात हाई वैल्युएशन से जुड़ी चिंताओं की वजह से हैं। वैश्विक स्तर के ज्यादातर देश में निवेशक बिकवाली मोड में नजर आए। इसमें दक्षिण कोरिया का शेयर मार्केट भी शामिल है। वैसे तो दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क इंडेक्स कोस्पी, एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सभी प्रमुख सूचकांकों में अब तक का सबसे बड़ा गेनर रहा है लेकिन बुधवार को यह 6फीसदी से ज्यादा टूट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोरिया की दो दिग्गज चिप कंपनियों सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स ने इस गिरावट में अहम भूमिका निभाई। बता दें 2025 की शुरुआत से अब तक सैमसंग के शेयरों में करीब 80फीसदी और एसके हाइनिक्स में 200फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। इसी तरह जापान में एडवांटेस्ट कॉर्प में 10फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। इस वजह से निक्केई 225 सूचकांक के प्रदर्शन पर असर पड़ा। दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता कंपनी टीएसएमसी में भी 3फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। इन शेयरों में बिकवाली के दबाव और मंगलवार को फिलाडेल्फिया सेमीकंडक्टर इंडेक्स में हुई गिरावट ने संयुक्त बाजार पूंजीकरण का आधा ट्रिलियन डॉलर का सफाया कर दिया। विश्लेषकों का कहना है कि एआई की वजह से वॉल स्ट्रीट और एशियाई बाजारों के कई बेंचमार्क इंडेक्स रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। हालांकि ऊंचे मूल्यांकन और लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों की आशंका ने निवेशकों को अलर्ट कर दिया है। हाल में हुई गिरावट को कई विशेषज्ञ एक स्वाभाविक करेक्शन बता रहे हैं, क्योंकि बाजार कई महीनों से हाई वैल्युएशन में ट्रेड कर रहा था। पेपरस्टोन ग्रुप के रिसर्च हेड क्रिस वेस्टन ने कहा कि यह बिकवाली और भी बढ़ सकती है। सीधे शब्दों में कहें तो यहां खरीदारी करने के ज्यादा कारण नहीं हैं। एबरडीन इन्वेस्टमेंट्स के फंड मैनेजर ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह एक जरूरी और कुछ हद तक स्वस्थ सुधार है। यह एक एआई बुलबुला है, जो अभी फूटने की स्थिति में नहीं है लेकिन अगर इनमें से कुछ एआई स्टॉक्स के शेयर मूल्य इस तरह बढ़ते रहे, तो इसे अंतिम चरण में पहुंचने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

तेल के खेल में सरकार और कॉरपोरेट की मुनाफाखोरी से आमजन परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय से स्थिर और अपेक्षाकृत कम हैं, तब भी देश में पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर से ऊपर बिक रहा है। पड़ोसी देश भूटान, जो भारत से ही रिफाइंड पेट्रोल-डीजल आयात करता है, वहां यही पेट्रोल लगभग 75 रुपये प्रति लीटर में उपलब्ध है। यह अंतर भारत की टैक्स और मूल्य निर्धारण नीति पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, रिफाइनरी से निकलने वाले ईंधन का बेस प्राइस लगभग 30 रुपये प्रति लीटर होता है। लेकिन एक्साइज ड्यूटी, वैट, सेस, मार्केटिंग लागत, डीलर मार्जिन और अन्य टैक्स जुड़ने से इसकी कीमत तीन गुना तक बढ़ जाती है। सरकार और पेट्रोलियम कंपनियां दोनों ही इस अंतर से भारी मुनाफा कमाती हैं। सरकारी कंपनियों के अलावा निजी पेट्रोलियम कंपनियां भी उपभोक्ताओं पर भार डालकर अपने मुनाफे को बढ़ा रही हैं। सरकार का तर्क है कि पेट्रोलियम से होने वाली कमाई देश के विकास में इस्तेमाल हो रही है। परंतु सवाल यह उठता है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल सस्ता हो रहा है, तो उसका लाभ देश के आम उपभोक्ताओं तक क्यों नहीं पहुंच रहा? कोविड महामारी के दौरान और उसके बाद भी सरकार ने कीमतों में वह लचीलापन नहीं दिखाया जो उसकी नीति में निर्धारित था। विषय विशेषज्ञों की मानें तो भूटान में पेट्रोलियम की कीमतों का उदाहरण इस असंतुलन को स्पष्ट करता है। भारत से रिफाइन होकर गया वही पेट्रोल-डीजल वहां टैक्स और परिवहन लागत के बाद भी सस्ता बिकता है।

एशिया भर में करीब 500 अरब डॉलर के बाजार पूंजीकरण में आई गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक सेमीकंडक्टर शेयरों में भारी बिकवाली की वजह से अमेरिका के वॉल स्ट्रीट और एशिया भर में करीब 500 अरब डॉलर के बाजार पूंजीकरण की गिरावट आई। विशेषज्ञों का कहना है कि ये हालात हाई वैल्युएशन से जुड़ी चिंताओं की वजह से हैं। वैश्विक स्तर के ज्यादातर देश में निवेशक बिकवाली मोड में नजर आए। इसमें दक्षिण कोरिया का शेयर मार्केट भी शामिल है। वैसे तो दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क इंडेक्स कोस्पी, एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सभी प्रमुख सूचकांकों में अब तक का सबसे बड़ा गेनर रहा है लेकिन बुधवार को यह 6फीसदी से ज्यादा टूट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोरिया की दो दिग्गज चिप कंपनियों सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स ने इस गिरावट में अहम भूमिका निभाई। बता दें 2025 की शुरुआत से अब तक सैमसंग के शेयरों में करीब 80फीसदी और एसके हाइनिक्स में 200फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। इसी तरह जापान में एडवांटेस्ट कॉर्प में 10फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। इस वजह से निक्केई 225 सूचकांक के प्रदर्शन पर असर पड़ा। दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता कंपनी टीएसएमसी में भी 3फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। इन शेयरों में बिकवाली के दबाव और मंगलवार को फिलाडेल्फिया सेमीकंडक्टर इंडेक्स में हुई गिरावट ने संयुक्त बाजार पूंजीकरण का आधा ट्रिलियन डॉलर का सफाया कर दिया। विश्लेषकों का कहना है कि एआई की वजह से वॉल स्ट्रीट और एशियाई बाजारों के कई बेंचमार्क इंडेक्स रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। हालांकि ऊंचे मूल्यांकन और लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों की आशंका ने निवेशकों को अलर्ट कर दिया है। हाल में हुई गिरावट को कई विशेषज्ञ एक स्वाभाविक करेक्शन बता रहे हैं, क्योंकि बाजार कई महीनों से हाई वैल्युएशन में ट्रेड कर रहा था। पेपरस्टोन ग्रुप के रिसर्च हेड क्रिस वेस्टन ने कहा कि यह बिकवाली और भी बढ़ सकती है। सीधे शब्दों में कहें तो यहां खरीदारी करने के ज्यादा कारण नहीं हैं। एबरडीन इन्वेस्टमेंट्स के फंड मैनेजर ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह एक जरूरी और कुछ हद तक स्वस्थ सुधार है।

मेष- आज का दिन आपके लिए चुनौती से भरा रहने वाला है। धन संबंधित मामलों में आपको अपनी आंखें और कान खुले रखने होंगे। आपको खानपान में लापरवाही के कारण आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं। जल्दबाजी में कोई काम यदि किया तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा होगा। आप अपने बेफिजूल के खर्चों को कंट्रोल करने की कोशिश करें। किसी को बिना मांगे सलाह ना दें। सरकारी कामों में इन्वेस्टमेंट करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको किसी सेहत संबंधित समस्या को लेकर टेंशन रहेगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मेहनत और ईमानदारी से काम करने के लिए अच्छा रहेगा। आपको बिजनेस में धन अत्यधिक मात्रा में न मिलने से आपका मन थोड़ा परेशान रहेगा। आपको अपने कामों पर थोड़ा ध्यान देना होगा, लेकिन आपकी वाणी पर आप संयम रखें। आप अपने काम के प्रति लापरवाही बिल्कुल ना करें। आपको किसी निर्णय को लेने के बाद पछतावा हो सकता है, लेकिन कार्यक्षेत्र में आपके कामों से एक नई पहचान बनेगी। राजनीति में कार्यरत लोगों को नए पद की प्राप्ति हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए कुछ विशेषकर दिखाने के लिए रहेगा। आपके विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आपको किसी लेनदेन से संबंधित मामलों पर अपने आंखों और कानों को खुले रखने होंगे। आपका कोई मित्र आपके लिए कोई इंवेस्टमेंट संबंधित प्लान लेकर आ सकता है, जिसमें आप आप थोड़ा सोच समझ हाथ बढ़ाएं। आपको अपने पिताजी से काम को लेकर कोई सलाह लेनी पड़ सकती है। आपको अपने विचारों में बदलाव लाने होंगे। आप किसी को बिना मांगे सलाह ना दें।

कर्क- आज का दिन आपके लिए किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखने के लिए रहेगा। आपको अपने मन पर काबू रखना होगा। सिंगल लोगों की उनके साथी से मुलाकात हो सकती है। आपका कोई काम आज बिगड़ने से बॉस से लड़ाई-झगड़ा हो सकता है। आप अपने किसी सहयोगी से काम को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं। कला क्षेत्र में आपकी लोगों से खूब पटेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई को लेकर लापरवाही करने से बचना होगा। यदि आप अपने भाई-बहनों से कोई मदद मांगेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। तकनीकी क्षेत्रों में आप अच्छा नाम कमाएंगे। जो लोग नौकरी को लेकर परेशान चल रहे हैं, उन्हें भी कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा। आपकी कोई पारिवारिक समस्या आसानी से सुधर जाएगी, जिससे आपको टेंशन भी कम होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी कानूनी मामले में विशेषज्ञों से सलाह लेनी होगी। आप अपने कामों में कोई लापरवाही ना करें, नहीं तो इससे आपका कोई भारी नुकसान हो सकता है। आपको अपने आलस्य को दूर भगाकर कामों में आगे बढ़ने की आवश्यकता है। परिवार में किसी सदस्य से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। विद्यार्थी शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपको अपने बिजनेस के जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देना होगा, क्योंकि आप आलस्य के कारण अपने कामों को आगे के लिए टाल सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए बिजनेस के लिहाज से अच्छा रहने वाला है। नौकरी में कार्यरत लोगों का समय अच्छा बीतेगा, क्योंकि उनके बॉस उनके कामों की सराहना करेंगे। आप किसी बात को लेकर जल्दबाजी न दिखाएं। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपके पास जिम्मेदारी अधिक रहने से आप परेशान रहेंगे। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए कुछ विशेष करने के लिए रहेगा। वैवाहिक जीवन में कुछ कठिनाइयां आ सकती हैं, जिनको लेकर आपको जीवनसाथी से तालमेल बनाकर चलना होगा। सेहत के मामले में दिन कमजोर रहने वाला है, क्योंकि आपको कोई खून से संबंधित समस्या परेशान करेगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए किसी जोखिम भरे काम में हाथ डालने से बचने के लिए रहेगा। आपके मन में यदि किसी काम को लेकर संशय बना है, तो आप उसमें बिल्कुल आगे ना बढ़ें। आपका कोई निर्णय आपके लिए नुकसानदायक रहेगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं, जिसमें आपका अच्छा खासा धन खर्चा होगा। ननिहाल पक्ष के लोगों से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। पारिवारिक मामले आपके लिए समस्या बन सकते हैं। आपकी बेवजह दूसरों के मामले में बोलने की आदत आपके लिए समस्या बन सकती है, लेकिन यदि आपने अपने बिजनेस में किसी नये काम को शुरुआत की तो, वह आपके लिए अच्छी रहेगी। जीवनसाथी आपके कामों में कंधे से कंधा मिलाकर पूरा साथ देंगे।

मीन- आज आपको यदि किसी काम को लेकर तनाव था, तो वह भी दूर होगा। धर्म-कर्म के कार्यों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, कुछ नया करने का भी मौका मिलेगा। आप अपनी अच्छे सोच का कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे, लेकिन आपको यदि किसी की मदद करने का मौका मिले, तो आप उसमें पीछे न हटे।

शब्दजाल - 8071

शब्द जाल में उन 10 देशों के नाम हैं जहां मुस्लिम आबादी सर्वाधिक है. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

यु	क	दो	अ	ल्जी	रि	या	तू	ग	झ	क
ज	पा	ल	प	ह	भा	पू	ना	ट	र्की	को
अं	इ	कि	म	सं	र	ल	श	र	ला	ल
क	कु	दा	स्ता	धा	त	क	फ	लो	श	या
क	मो	श	न्न	न	क	ट	रो	ग	रि	ता
द	र	ल	प	व	जि	र्त	ऐ	जी	प	रु
ती	क्को	ल	श	इ	प	म	इ	कौ	ला	इ
क	इं	ड्रो	ने	शि	या	ना	प्प	न	श	रा
क	स	बा	तें	व	न	ज	द	शा	जू	न
द	र	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	प	रु
बां	ग	ला	दे	श	नी	हो	जा	एं	प	क

पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, टर्की, इरान, नाईजीरिया, अल्जीरिया, मोरक्को, इजिप्त.

शब्दजाल - 8070 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.59 ब.से
चंद्र	मेष में	धनु	09.15 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.20 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.07 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.39 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.10 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.50 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.48 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.02 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		सिंह	00.18 बजे से
		कन्या	02.30 बजे से
		तुला	04.40 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 310 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 14.55 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 06.34 बजे तदनन्तर कृत्तिका 03.28 बजे रात्र को समाप्त।
योग व्यतीपात 07.05 बजे तदनन्तर वरीयान 02.41 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 14.55 बजे तदनन्तर तैतिल 00.59 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 15.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 15° 59'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872520
जूलियन दिन 2460985.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल **तारीख** 14

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः स्वर्ग और नरक

एक युवक था। वह बंदूक और तलवार चलाना सीख रहा था। इसलिए वह यदा-कदा जंगल जाकर खरगोश, लोमड़ी और पक्षियों आदि का शिकार करता। शिकार करते-करते उसे यह घमंड हो गया कि उसके जैसा निशानेबाज कोई नहीं है और न उसके जैसा कोई तलवार चलाने वाला। आगे चलकर वह इतना घमंडी हो गया कि किसी बड़े के प्रति शिष्टाचार भी भूल गया। उसके गाँव के बाहर कुटिया में एक संत रहते थे। वह एक दिन उनके पास पहुँचा। न उन्हें प्रणाम किया और न ही अपना परिचय दिया। सीधे उनके सामने पड़े आसन पर बैठ गया और कहने लगा, 'लोग बेकार में स्वर्ग-नरक में विश्वास करते हैं? संत ने उससे पूछा, 'तुम तलवार साथ में क्यों रखते हो?' उसने कहा, 'मुझे सेना में भर्ती होना है, कर्नल बनना है।' इस पर संत ने कहा, 'तुम्हारे जैसे लोग सेना में भर्ती किए जाते हैं? पहले अपनी शक्ल शीशे में जाकर देख लो।' यह सुनते ही युवक गुस्से में आ गया और उसने म्यान से तलवार निकाल ली। तब संत ने फिर कहा, 'वाह! तुम्हारी तलवार भी कैसी है? इससे तुम किसी भी बहादुर आदमी का सामना नहीं कर सकते, क्योंकि वीरों की तलवार की चमक कुछ और ही होती है।' फिर तो युवक गुस्से से आग-बबूला हो गया और संत को मारने के लिए झपटा। तब संत ने शांत स्वर से कहा, 'अब तुम्हारे लिए नरक का दरवाजा खुल गया।' यह सुनते ही युवक की अक्ल खुल गई और उसने तलवार म्यान में रख ली। अब वह सर झुककर संत के सामने खड़ा था और अपराधी जैसा भाव दिखा रहा था। इस पर संत ने कहा, 'अब तुम्हारे लिए स्वर्ग का दरवाजा खुल गया।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7015

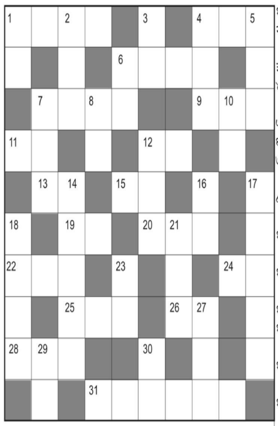

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7014

ह	ल	च	ल	■	जी	व	न	मृ	त्यु
व	■	मे	■	भू	त	■	■	त्यु	■
स	हे	ली	■	मि	■	खा	न	दा	न
■	र	■	शि	का	र	■	सी	ता	■
धू	म	■	वा	■	क्ष	■	ब	■	बे
प	■	खे	■	ता	क	त	■	■	ता
■	गो	ल	मा	ल	■	ला	ट	सा	ब
पा	पी	■	शू	■	जो	श	■	या	■
की	■	शं	क	र	■	■	घा	■	स्व
जा	नू	■	■	ज	मा	न	त	■	र्ग

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7324

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7323 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 8539

बाएँ से दाएँ

1. पेड़, दरख्त-2
3. प्रार्थना, पूजना-4
6. आदर्श, पैमाना-3
8. त्वचा, चमड़ी, खाल-2
10. सड़ने की प्रक्रिया, गलन-3
12. देव, देवता-2
13. चलने का ढंग-2
14. प्रशंसा, गुणगान-3
16. आरामदायक-5
17. कक्ष, रूम-3
19. हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20. 500 कागजों की गड्डी-2
21. कबाड़, खराब वस्तु-3
24. मजा, मस्ती-2
26. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28. शोरगुल, -4
29. तह, परत-2

ऊपर से नीचे

2. माफी-2
3. झूठी शान, घमंड-3
4. गर्दन से नीचे का शरीर, देह-2
5. अपराध, गुनाह-2
7. रग, नाड़ी-2
8. सूत कातने का यंत्र-3
9. एकाएक-4
11. शीश झुकाए हुए-5
12. भोर, प्रातः-3
15. ननद का पति-4
16. विश्राम, राहत-3
18. रोगी, बीमार-3
22. उच्चतम-3
23. गरबा, नृत्य-2
24. मृत्यु-2
25. रास्ता, मार्ग-2
27. आनंदित, मौजी-2

शब्द पहेली -8538 का हल

प्र	का	श	■	छ	■	आ	स	■
हा	■	र	स	म	ला	ई	■	जों
र	म	ण	■	छ	■	ना	ह	क
■	न	■	■	म	■	■	क	■
अ	प	रा	ध	■	न	ह	ला	ना
■	सं	■	■	जा	■	■	ह	■
क	द	म	■	न	■	ब	ट	र
ब्र	■	द	शा	व	ता	र	■	ई
■	फो	न	■	र	■	खा	लि	स

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने नदी घाटों पर लगाई आस्था की डुबकी

पद्मेश न्यूज। लांजी।

कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं ने क्षेत्र के विभिन्न घाटों पर आस्था की डुबकी लगाई और पुण्य लाभ प्राप्त किया। नंनसरी के त्रिवेणी संगम, कोचेवाही के सोन नदी, पौनी पीपलगांव घाट, सर्रा घाट सहित स्थानीय तटों पर भक्तगण भोर से ही स्नान के लिए एकत्रित हुए।

त्रिवेणी संगम में श्रद्धालुओं की भीड़

कार्तिक पूर्णिमा पर देवलगांव नंनसरी के त्रिवेणी संगम घाट पर भक्तों का तांता लगा रहा। यहां श्रद्धालु मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और सत्संग के वातावरण में सुबह-सवेरे स्नान करने पहुंचे। संगम में स्नान और साधना के बाद श्रद्धालुओं ने यहां स्थापित मंदिर में पूजा अर्चना कर आंतरिक शक्ति और शांति प्राप्त की।

सोन नदी के घाटों पर स्नान उत्सव

कार्तिक पूर्णिमा पर नदी घाटों में स्नान का बड़ा महत्त्व रहा। भक्तगण पूरे संयम, श्रद्धा और विधि से स्नान करते नजर आए। दीपदान, पूजा-अर्चना और सत्संग से घाट का वातावरण पूरी तरह भक्ति में लीन था। क्षेत्र के कोचेवाही,पौनी, पीपलगांव और सर्रा घाट पर श्रद्धा की डुबकी पौनी पीपलगांव घाट और सर्रा घाट पर भी श्रद्धालुओं ने कार्तिक पूर्णिमा स्नान कर धार्मिक अनुष्ठान किए। स्नान के उपरांत श्रद्धालुओं ने दीपदान, जप-तप और दानपुण्य से पुण्य अर्जित किया। इस दौरान घाट पर भोर से ही लोगों की भारी भीड़ रही, जिससे मेले जैसा माहौल बना रहा।पर्व का महत्व और परंपराकार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरी पूर्णिमा और देव दीपावली भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान, दीपदान और दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। देवतागण स्वयं पृथ्वी पर अवतरित होते हैं, जिससे हर घाट पर सकारात्मक और दिव्य ऊर्जा अनुभव की जाती है।कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित स्नान व धर्म मेले ने श्रद्धालुओं को भक्ति, साधना और सामाजिक सामंजस्य का संदेश दिया।

सावरीकला में ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण कल

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी अन्तर्गत ग्राम पंचायत सावरीकला में 8 नवंबर को दोपहर 12 बजे से विधायक राजकुमार कर्राहे एवं पूर्व विधायक हिना कावरे के मुख्यातिथ्य में लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। पंचायत के सरपंच ओंकार रहांगडाले ने बताया कि पंचायत में नवीन पंचायत भवन, हनुमान चौक सावरीटोला में सभामंच, माध्यमिक शाला प्रांगण में सभामंच का लोकार्पण उक्त अतिथियो के हस्ते किया जाना सुनिश्चित है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विशिष्ट अतिथि अनुभा मुंजारे विधायक बालाघाट, विवेक पटेल विधायक वारासिवनी, अर्चना खोंगल जनपद अध्यक्ष, देवेन्द्र खोंगल पूर्व जनपद अध्यक्ष, अजय अवसरे उपाध्यक्ष, ज्योति उमरे जिला पंचायत सदस्य, नीलकंठ ठाकरे जनपद सदस्य, रेवाजी करहाटकरे, दिनेश लाड़े, ललित कबीरे, ऋषि पटेल दशरिया ब्लॉक कमेटी अध्यक्ष बहेला, सीताराम रावते भाजपा मण्डल अध्यक्ष, डॉ ईशराम पटले, बलिराम रावते, रिमेश्वर पटले के आतिथ्य में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

कार्यक्रम में उपस्थिती हेतु सरपंच ओंकार रंहागडाले, उपसरपंच भोजलाल देशमुख, सचिव मनोहर चौरे, सहायक सचिव कपूर चंद गौतम तथा समस्त पंच गण सावरीकला के द्वारा अपील की गई है।

देवरबेली पुलिस ने बेलगांव में जप्त की अवैध अंग्रेजी शराब, सलीम बेग गिरफ्तार
आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में लगातार अवैध शराब के कारोबार को लेकर शिकायतें प्राप्त हो रही है। वर्तमान में मण्डई मेलो का दौर भी प्रारंभ है जहां पर शराब ठेकेदारों के द्वारा पयकारो तक शराब की तस्करी की जा रही है। ऐसा ही एक मामला लांजी थाना अन्तर्गत देवरबेली पुलिस चौकी के ग्राम बेलगांव में सामने आया है। जहां पुलिस के द्वारा अंग्रेजी शराब की बोतले जप्त कर कार्यवाही की गई है। प्रकरण के संबध में प्राप्त जानकारी अनुसार देवरबेली पुलिस को मुखबिर के द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी की ग्राम बेलगांव के सलीम बेग के द्वारा अवैध शराब का आरोबार किया जाता है सूचना के आधार पुलिस के द्वारा बेलगांव चौक स्थित सलीम पिता स्व मजीद बेग उम्र 42 वर्ष बेलगांव निवासी होना बताया गया जिसके पास रखे कार्टून या बक्शा के बारे में पूछताछ करने पर अंग्रेजी शराब होना बताया। बाक्स को खोलने पर ब्लैक फोब्टी बीयर के 14 नग प्रत्येक 500 एम एल, मेकडॉवल व्हीस्की के 3 पाव, जीनियस के 18 पाव जिनकी कूल कीमत 4 हजार 760 रूपये आंकि गई है। उक्त आरोपी से शराब रखने के वैद्य दस्तावेज मांगे गये जो व्यक्ति ने नही दिखा पाया पुलिस के द्वारा बक्से मे रखी हुई शराब को जप्त कर आरोपी को हिरासत में लेकर कानूनी कार्यवाही की गई। जिस पर लांजी पुलिस ने आरोपी सलीम बेग के विरूद्ध अपराध क्रमांक 284/25 धारा 34-1 आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर कोटेश्वर मंदिर में हुआ दीपदान

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के कोटेश्वर मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर संध्या समय अभिषेक, दीपदान और भण्डारे का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में भक्तों ने विशेष जलाभिषेक किया, जिसके बाद दीपों की रोशनी से प्रांगण जगमगा उठा। शाम के समय मंदिर में शिवलिंग का विधिवत अभिषेक किया गया, जिसमें भक्तों ने दूध, जल, पुष्प और बेलपत्र अर्पित कर भगवान शिव की आराधना की। इसके उपरांत दीपदान की परंपरा निभाई गई। दीपों की झिलमिलाहट से समूचा परिसर अलौकिक आभा से सजा रहा। अभिषेक और दीपदान के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए विशाल भण्डारे का भी आयोजन किया गया। स्थानीय एवं दूरदराज़ से आए भक्तों ने भण्डारे में प्रसाद ग्रहण किया, जिससे सामाजिक समरसता और भक्तिभाव का भाव प्रबल हुआ। कार्तिक पूर्णिमा के पर्व पर कोटेश्वर मंदिर की इस अद्भुत शाम ने सभी को आध्यात्मिक शांति एवं आनंद का अनुभूति दी।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने दहेगांव में आयोजित किया दीपावली मिलन समारोह

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के सेक्टर देवलगांव में 4 नवंबर दिन मंगलवार को दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। उक्त दीपावली मिलन समारोह ग्राम पंचायत भवन दहेगांव में सरपंच शिविका पालेवार की अध्यक्षता में एवं आई एस चौहान, टी. डी. लिल्हारे, सेवकराम ठाकरे तह शाखा लॉजी के अध्यक्ष की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ। बैठक में सभी पेंशनर्स साथियों से अनुरोध किया कि अपने क्षेत्र के सभी पेंशनरों को संघ से जोड़ें। इस दौरान पेंशनर्स साथियों ने अपने विचार रखे एवं कुछ प्रेरक प्रसंग बताएं। पेंशनर्स संघ के सचिव आई एस चौहान ने संघ की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही आगामी 7 नवंबर 2025 को भानेगांव सेक्टर में एवं 10 नवंबर को लांजी में दिपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया है, जिसमें सभी पेंशनर्स साथियों को उपस्थित होने की अपील की। अंत में सहसराम घोरमारे (पुलिस विभाग) जिनका 13 सितंबर को निधन हो चुका है उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान एस आर ठाकरे, आई एस चौहान, एन एल बसेना, एन आर दहीकर, जी डी बेदरे, डी आर बनोठे, सुखचंद लिल्हारे, उमंग प्रसाद कबीरे, अयोध्या प्रसाद उपाध्याय, एस आर धारणे, बी आर ढोक, जागेश्वर एड़े, बुधराम सोनवाने, जी आर भण्डारकर, लखनलाल मुछावड़, बी आर सोनवाने, टेकचंद बिहोने, धनीराम सोनवाने, गजलाल दमाहे, लखाराम लिल्हारे, बालचंद चौधरी, सुशीला चौधरी, सुषमा ढोक, ओमकुंवर, मीरा सोनटेके, सुनीता ढोक बिन्दुबाई सोनटेके सहित अनेक पेंशनर्स साथी उपस्थित थे।

जागेश्वर शिव मंदिर में कार्तिक महोत्सव का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १४ स्थित जागेश्वर शिव मंदिर में ५ नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर दही हांडी भजन कीर्तन कर भगवान कार्तिकेय की प्रतिमा का विसर्जन कर कार्तिक महोत्सव का समापन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जागेश्वर शिव मंदिर में शरद पूर्णिमा के अवसर पर भगवान कार्तिकेय की प्रतिमा हर्षोल्लास के साथ लाकर विधि विधान

के साथ स्थापना की गई थी। जहां कार्तिक महोत्सव पुरे माह धूमधाम के साथ मनाया गया। जहाँ से प्रतिदिन मंदिर सदस्यों एवं भक्तगणों के द्वारा प्रात: ४ बजे प्रभात फेरी मंदिर से निकाली जाती थी। जिसमें भजन कीर्तन करते हुए नगर के विभिन्न स्थानों का भ्रमण प्रभात फेरी के माध्यम से किया जाता था। वहीं मंदिर में प्रतिदिन भगवान कार्तिकेय की पूजा अर्चना विधि विधान से की जा रही थी। इस दौरान पूरे कार्तिक महीने यह क्रम निरंतर जारी रहा। मंदिर में कार्तिक चतुर्दशी यानि ४ नवंबर को भगवान कार्तिकेय की विशेष पूजा अर्चना कर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के द्वारा उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित किया गया। वहीं कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रतिदिन की तरह प्रात: ४ बजे प्रभात फेरी निकल गई। यह प्रभात फेरी पिकअप पर भगवान कार्तिकेय की प्रतिमा विराजित कर निकाली गई। जो नगर के विभिन्न चौक चौराहा का भ्रमण करते हुए प्रमुख मंदिरों में पहुंची जहां से दर्शन उपरांत यह प्रभात फेरी जागेश्वर शिव मंदिर पहुंची। जहां पर भजन कीर्तन कर दही हांडी का कार्यक्रम कर विसर्जन के लिए शोभायात्रा निकाली गई। सभी ने एक माह आराधना उपरांत हर्षोल्लास के साथ यह शोभायात्रा नदी पहुंची। जहां भगवान कार्तिकेय की प्रतिमा का विसर्जन कर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर कार्तिक महोत्सव का समापन किया गया।

बैहर विकासखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने एसडीएम ने तैयार किया पायलेट प्रोजेक्ट
07 नवंबर से विशेष पायलेट प्रोजेक्ट पर होगा अमल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता द्वारा बैहर विकासखंड के दूरस्थ एवं दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की सुदृढ़ता एवं सुगम उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से 05 नवंबर 2025 को विकासखण्ड बैहर के समस्त शासकीय चिकित्सकों की बैठक आहूत की गई, जिसमें खण्ड चिकित्सा अधिकारी, बैहर सहित सभी चिकित्सा अधिकारी एवं अनुबंधित चिकित्सक भी उपस्थित रहें । बैठक में उपस्थित चिकित्सकों द्वारा अवगत कराया गया कि, दूरवर्ती ग्रामों में मलेरिया, टायफाईड, उल्टी दस्त आदि रोग लगातार फैलते रहते हैं । इसके साथ ही हाट-बाजार वाले दिनों में मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है, जिसके अनुपात में उपलब्ध चिकित्सकों की संख्या सीमित होने से उपचार व्यवस्था पर दबाव पड़ता है एवं मरीज अप्रशिक्षित व्यक्तियों के पास ईलाज के लिए जाते हैं एवं कई बार रोग ठीक होने के स्थान पर मरीज की स्थिति और अधिक खराब हो जाने से काफी अधिक नुकसान एवं कई प्रकरणों में मृत्यु तक हो जाती है । इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विशेष पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर आगामी 15 दिनों तक विकासखण्ड बैहर के (1) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गढ़ी में प्रति मंगलवार एवं गुरूवार (2) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बिठली में प्रति मंगलवार एवं शुक्रवार तथा (3) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भण्डेरी में प्रति सोमवार दो अतिरिक्त चिकित्सकों को भेजने के लिए एसडीएम श्री गुप्ता द्वारा खण्ड चिकित्सा अधिकारी, बैहर को निर्देशित किया गया एवं आमजन से यह अपील की गई है कि वे इस व्यवस्था का अधिक से अधिक लाभ उठाएं । यह व्यवस्था 07 नवम्बर 2025 से प्रारंभ होगी एवं इस अवधि में प्राप्त परिणाम अनुसार इस मॉडल को विकासखण्ड बिरसा एवं परसवाड़ा में भी लागू किया जाएगा ताकि सुदूर अंचलों में निवासरत आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं समय पर प्राप्त हो सकें ।

बाघ नदी में डूबने से 75 वर्षीय महिला की मौत

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी पुलिस अनुभाग के बहेला थाना अन्तर्गत बाघ नदी में एक 75 वर्षीय महिला की डूबने से मृत्यू हो जाने की जानकारी पास्त हुई है। इस संबध में प्राप्त जानकारी अनुसार मृतक के पुत्र महेश पिता ज्ञानीराम नेवारे ने बताया कि मेरी माँ सरस्वती बाई पति ज्ञानीराम नेवारे उम्र 75 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 8 बहेला वह बकरी चराने के 5 नवंबर को सुबह करीब 10 बजें निकली थी। मै करीब 12 बजे अपने घर पर था तो मुझे रोहित वाघाड़े का फोन आया उसने बोला की तुम्हारी माँ ग्राम चिचेवाड़ा बाघ नदी में पट अवस्था में पड़ी है। जो शायद फौत हो चुकी है तो मै अपने परिवार के साथ चिचेवाड़ा स्थित बाघनदी में जाकर देखा तो मेरी माँ का शव बाघ नदी की झाडियों मे अटका हुआ था। मेरी माँ कैसे डूबी यह ज्ञात नही है लेकिन बकरी चराते वक्त नदी किनारे पैर फिसलने नदी में डूबी होगी। उक्त कथन के आधार पर बहेला पुलिस के द्वारा मर्ग पंचनामा कार्यवाही कर शव का पीएम बहेला सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में किया गया। शव परिजनों कों सौंप दिया गया है तथा बहेला पुलिस ने मर्ग जांच में जुटी है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

एसआईआर फॉर्म नहीं पहुंचने से मप्र के कई जिलों के कलेक्टर रहे परेशान, इंदौर-जबलपुर में गणना पत्रक ही नहीं पहुंचे

भोपाल। मतदाता सूची के जिस विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पूरे देश में कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल सवाल उठा रहे हैं, वह मध्य प्रदेश में बिना तैयारी के शुरू करा दिया गया। इंदौर, जबलपुर, सागर, विदिशा, राजगढ़ सहित अधिकतर जिलों में अब तक एसआईआर के फॉर्म (गणना पत्रक) ही नहीं पहुंच पाए हैं। कलेक्टर परेशान हैं क्योंकि आयोग का दबाव है कि बीएलओ को जल्दी फॉर्म बांटे जाएं।

इधर, जिन प्रिंटरों (प्रकाशकों) को फॉर्म छापने का काम दिया गया है, वह इसे कर ही नहीं पाएं हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी इसका कारण प्रिटिंग न होने और कहीं तकनीकी गलतियों को बता रहे हैं। उधर, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय का कोई भी अधिकारी इस गंभीर मामले पर बोलने के लिए तैयार नहीं हैं और गेंद एक-दूसरे के पाले में डाल रहे हैं। प्रदेश में 5.74 करोड़ मतदाता हैं। इन्हें बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को घर-घर जाकर गणना पत्रक देना है और भरवाकर वापस लेना है। यह काम

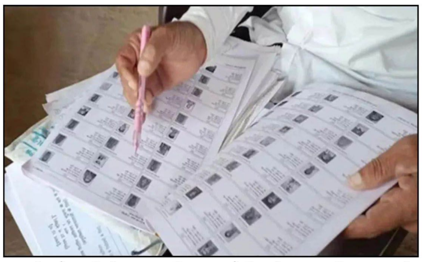

चार नवंबर से चार दिसंबर तक पूरा किया जाना है।

नहीं हुआ है छपाई का काम पूरा

इसके लिए आवश्यक है कि समय से बीएलओ को गणना पत्रक मिल जाएं लेकिन अभी छपाई ही पूरी नहीं हुई है। इंदौर जिले में 2,625 बूथों में से छह सौ से अधिक बूथों पर ही प्रपत्र मिल सके। कलेक्टर शिवम वर्मा का कहना है कि दो-तीन दिन में प्रपत्र की छपाई पूरी होगी। मंदसौर जिले में दूसरे दिन भी काम प्रभावित हुआ। करीब 100 मतदान केंद्रों पर ही प्रपत्र पहुंचे। उज्जैन में साढ़े तीन लाख फॉर्म बांटे हैं और जब बाकी आ जाएंगे तो उन्हें बांटा जाएगा।

खंडवा के उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश सावले का कहना है कि प्रपत्र प्रिंट होने की प्रक्रिया चल रही है। जैसे-जैसे उपलब्ध होते जा रहे हैं, बीएलओ तक पहुंचाए जा रहे हैं। धार जिले में कुछ स्थानों पर तकनीकी गलतियों के कारण प्रपत्र पहुंचने में दिक्कत आई है। नीमच जिले में महज 25 प्रतिशत प्रपत्र की आपूर्ति हो सकी। रतलाम जिले में 1,297 में से 150 बूथ के ही प्रपत्र आए हैं। महाकोशल क्षेत्र की बात करें तो डिंडौरी जिले में 6,55 मतदान केंद्रों में केवल 21 बीएलओ के लिए फॉर्म आए हैं। जबलपुर, नरसिंहपुर, कटनी, दमोह में भी यही स्थिति रही।

दमोह में 20 लाख फॉर्म की आवश्यकता के विरुद्ध मात्र एक लाख फॉर्म उपलब्ध हैं। कलेक्टर सुधीर कोचर का कहना है कि फॉर्म भोपाल से आने के कारण काफी परेशानी हो रही है। मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा का कहना है कि अभी पूरे फॉर्म नहीं आएं हैं, जैसे-जैसे आते जा रहे हैं, वैसे-वैसे बीएलओ को वितरित किए जा रहे हैं। यही स्थिति मध्य क्षेत्र के जिलों की भी है। राजगढ़ जिले के किसी भी बीएलओ को बुधवार शाम तक गणना पत्रक ही नहीं मिल सका। जिसके कारण वे घर-घर भी नहीं पहुंचे।

जिला निर्वाचन अधिकारी डा. गिरीश कुमार मिश्रा का कहना है कि फॉर्म राज्य स्तर से प्रिंट हो रहे हैं। आज 250 से ज्यादा बूथों के फॉर्म आए हैं। विदिशा जिले में मंगलवार को 1,347 मतदान केंद्रों से केवल 184 केंद्रों में ही गणना पत्रक पहुंचे थे। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने माना कि गणना पत्रक की कमी के कारण मतदाता गहन पुनरीक्षण के लिए पहले दिन बीएलओ घर-घर नहीं जा पाए। हरदा और सागर में भी गणना पत्रक की कमी बनी हुई है।

कांग्रेस का आरोप, बिना तैयारी एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की

कांग्रेस की एसआईआर के लिए गठित कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने आरोप लगाया कि बिना किसी तैयारी के चुनाव आयोग ने एसआईआर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बिना आवश्यक फॉर्म उपलब्ध कराए बीएलओ को दबाव में काम करने को कहा जा रहा है। हम इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं और चुनाव आयोग से पत्राचार कर पूछेंगे कि बिना पर्याप्त तैयारी के एसआईआर की प्रक्रिया क्यों शुरू की गई है।

उज्जैन में बड़ी कार्रवाई, बेगमबाग में 12 अवैध मकानों पर चला बुलडोजर, महाकाल क्षेत्र विकास के लिए यूडीए का एक्शन

उज्जैन। सिंहस्थ-2028 की तैयारी के तहत महाकाल क्षेत्र को पूरी तरह कब्जामुक्त करने के मिशन में बुधवार को उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) ने बेगमबाग क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। प्रशासन, राजस्व और पुलिस की टीम सुबह आठ बजे 16 मकानों पर बुलडोजर चलाने पहुंची। कार्रवाई शुरू हुई और शाम तक 12 मकान पूरी तरह ध्वस्त कर दिए। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई और किसी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा।

यूडीए सीईओ संदीप सोनी ने बताया कि जिन भूखंडों पर कार्रवाई की गई, उनकी लीज क्रमांक 26, 48 और 63 वर्षों पहले निरस्त की जा चुकी थी। बावजूद इसके वहां अवैध कब्जे और निर्माण जारी थे। इन मकानों को महाकाल क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत हटाया गया है।

प्रभावितों को पहले ही नोटिस दिए गए थे। यह क्षेत्र महाकाल मंदिर विस्तार योजना का केंद्र माना जाता है, जहां पाथवे, पार्किंग, ग्रीन बेल्ट और स्मार्ट लाइटिंग जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इससे पहले यूडीए ने 23 मई, 11 जून, 29 अगस्त और 11 सितंबर को कार्रवाई कर 12 भूखंडों से कब्जे हटाए थे। इन पर बने होटल, मकान और दुकानों को गिराया गया था। अब बेगमबाग के शेष हिस्से को मुक्त कराने का अभियान जारी है।

अब 5 लाख से अधिक का माल चोरी होने पर माना जायेगा गंभीर अपराध

भोपाल। एमपी पुलिस ने अब 5 लाख रुपये से अधिक की चोरी की घटनाओ को भी गंभीर अपराधों की श्रेणी में शामिल कर लिया है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय के अपराध अनुसंधान शाखा (सीआईडी) ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए सभी पुलिस जोन के पुलिस महानिरीक्षक, सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक के साथ ही एडीजी सायबर, एसटीएफ, नारकोटिक्स को तत्काल प्रभाव से अमल करने को कहा गया है। जारी आदेश के अनुसार, 5 लाख या उससे अधिक कीमत की चोरी के मामलों को अब गंभीर अपराध की श्रेणी में रखा जायेगा। अब तक ऐसी चोरी के अधिकतर मामलों में थाना टीआई या उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी जांच करते थे, लेकिन नई व्यवस्था के तहत अब ऐसे प्रकरणो की जांच अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी-सीएसपी) रैंक के अफसर की मॉनिटरिंग में होना अनिवार्य कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय ने पूर्व में भी गंभीर अपराधों को लेकर वरिष्ठ अफसरों को दिशा निर्देश जारी किए थे। जिसमें बताया गया है कि पुलिस को घटना से संबंधित घटनास्थल पर जाना होगा। अपराध से संबंधित तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगाना होगा। अपराध करने के पर्याप्त साक्ष्य होने के बाद आरोपी की तलाश और गिरफ्तारी करना होगी। साक्ष्यों का एकत्रीकरण जिसमें विभिन्न व्यक्तियों की जांच स्थानों की तलाशी एवं आवश्यक वस्तुओं को जब्त करना होगा। इन सब की मॉनिटरिंग जिम्मेदार अफसरों को करना होगी।

पहले सिर्फ नकबजनी को ही माना था गंभीर अपराध

इससे पहले पुलिस मुख्यालय ने अपने दिशा निर्देश में 5 लाख से अधिक की नकबजनी को ही गंभीर अपराध माना था। किसी घर में घुस कर चोरी की वारदात को अंजाम देना नकबजनी की श्रेणी में आता है। इस तरह की वारदात में पांच लाख से ज्यादा का माल होने पर उसे गंभीर अपराध माना गया था, जिसकी मॉनिटरिंग भी डीएसपी रैंक के अफसर को करने के निर्देश दिए गए थे। अब इसके साथ चोरी को जोड़ा गया है। अब इस तरफ के किसी भी मामले में चोरी का माला पांच लाख रुपए से अधिक का होगा तो एक ही रैंक के अफसर को मॉनिटरिंग करने के लिए पुलिस मुख्यालय की सीआईडी शाखा ने पाबंद किया है। गौरतलब है कि गंभीर अपराधों की श्रेणी में हत्या, बलात्कार, डकैती, आतंकवाद, मानव तस्करी और बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी जैसे अपराध शामिल हैं, इनके लिए कड़ी सज़ा का प्रावधान है।

मप्र में पहली बार राज्य पुलिस सेवा से आईपीएस में पदोन्नति की डीपीसी निरस्त, पांच अफसरों की उम्मीदें टूटीं

भोपाल। राज्य पुलिस सेवा से आईपीएस संवर्ग में पदोन्नति के लिए 12 सितंबर को हुई विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की कार्रवाई निरस्त कर दी गई है। प्रदेश में पहली बार है जब इसे निरस्त किया गया है। इसमें पांच अधिकारियों को पदोन्नत किया जाना था। बताया जा रहा है कि 1997 बैच के अधिकारी अमृत मीणा के जाति प्रमाण पत्र संबंधी दस्तावेजों में कुछ उलझन के चलते छानबीन की जा रही है। साथ ही एक अन्य दावेदार की विभागीय जांच भी चल रही है।

मामले पर कोई भी बोलने के लिए तैयार नहीं

डीपीसी की कार्रवाई रद होने की इन्हें ही मुख्य वजह माना जा रहा है। हालांकि, कोई भी अधिकारी इस मामले में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की उपस्थिति में भोपाल में ही डीपीसी हुई थी, जिसमें मुख्य सचिव अनुराग जैन, डीजीपी कैलाश मकवाणा और अपर मुख्य सचिव गृह शिव शेखर शुक्ला सम्मिलित हुए थे। सामान्यत॰ 15 से 20 दिन में पदोन्नति की अधिसूचना जारी कर दी जाती है, पर डेढ़ माह बाद इसे रद कर दिया गया है।

डीपीसी में 15 लोगों के नामों पर विचार किया गया

डीपीसी में 1997 और 1998 बैच के 15 अधिकारियों के नामों पर विचार किया गया था। इसमें सीताराम सस्त्या, अमृत मीणा, विक्रांत मुराब, सुरेंद्र कुमार जैन, आशीष खरे, राजेश रघुवंशी, निमिषा पांडेय, राजेश कुमार मिश्रा, मलय जैन, अमित सक्सेना, मनीषा पाठक, सुमन गुर्जर, संदीप मिश्रा, सव्यसाची सर्राफ और समर वर्मा का नाम शामिल था। अगले वर्ष यानी 2025 में सात अधिकारियों की पदोन्नति राज्य पुलिस सेवा से आईपीएस में होनी है, पर वर्ष 2024 की डीपीसी में देरी के चलते वर्ष 2025 में भी देरी होगी।

कांग्रेस में 'नई बनाम पुरानी' जंग

दिग्विजय-कमलनाथ का खुला विरोध, वरिष्ठ नेताओं पर अपशब्द कहने से हड़कंप

इंदौर । मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी इस समय स्पष्ट रूप से दो धड़ों में विभाजित होती दिख रही है। पार्टी में इस विभाजन का मुख्य कारण वरिष्ठ नेताओं, विशेष रूप से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमल नाथ, को दरकिनार किया जाना है। कांग्रेस का एक नया गुट अब खुलकर इन वरिष्ठ नेताओं की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने लगा है।

पचमढ़ी में चल रहे प्रदेश संगठन के प्रशिक्षण शिविर के बीच भी, अनुशासनहीनता और पार्टी के बड़े नेताओं की आलोचना की कई घटनाएं सार्वजनिक हुई हैं। इन सब पर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी और अन्य जिम्मेदार नेताओं ने चुप्पी साध रखी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की 'नई कांग्रेस' और पुराने, अनुभवी नेताओं के समर्थकों के बीच बढ़ता यह आंतरिक विरोध, पार्टी के संगठन सृजन और एसआइआर में मुस्तैदी के राहुल गांधी के नारे को प्रभावित करता दिख रहा है।

इंदौर में दिग्विजय समर्थक और शहर कांग्रेस आमने-सामने

इंदौर में शहर कांग्रेस और दिग्विजय समर्थकों के बीच सीधा टकराव देखने को मिल रहा है। इसकी शुरुआत अगस्त माह में हुई, जब नवनियुक्त शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने सितंबर में दिग्विजय सिंह के इंदौर आगमन और उनके स्थानीय शीतलामाता बाजार के दौरे का बहिष्कार कर दिया था। इस बहिष्कार में उनके साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी नज़र आए थे।

जब दिग्विजय सिंह ने इंदौर आने की घोषणा की, तो एकाएक एक दिन पहले शाम को पटवारी और चौकसे ने उसी मुद्दे पर प्रशासन को ज्ञापन सौंप दिया ताकि सिंह प्रदर्शन न कर सकें।

ऑडियो क्लिप से बवाल

मंगलवार को एक ऑडियो रिकॉर्डिंग प्रसारित हुई, जिसमें शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे कथित तौर पर दिग्विजय सिंह को अपशब्द कहते सुनाई दिए। इससे पार्टी में भारी खलबली मची है। कांग्रेस के प्रभारी और राजस्थान के विधायक हरीश चौधरी फिलहाल इस मामले में कोई सख्त कार्रवाई करने के बजाय मामले को शांत करने की कोशिश में लगे हैं।

कमल नाथ का भी विरोध

दिग्विजय सिंह ही नहीं, बल्कि पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ का विरोध करने में भी नए नेता पीछे नहीं हैं। इंदौर से कांग्रेस में प्रदेश महासचिव रहे एक नेता ने पार्टी मुख्यालय को एक व्हाट्सएप चैटिंग भेजी है, जिसमें एक पार्षद द्वारा कमल नाथ के लिए अपशब्द लिखने की शिकायत की गई है।

SIR प्रक्रिया में बाधा

प्रदेश में शुरू हुई एसआइआर (मतदाता सूची पुनरीक्षण) प्रक्रिया में भी कांग्रेस के बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) की सूची निर्वाचन अधिकारियों के पास नहीं पहुँच पाई है। इंदौर सहित तमाम क्षेत्रों में यह स्थिति देखने को मिली। दिग्विजय सिंह के मंत्रिमंडल में मंत्री रहे सुभाष सोजतिया ने तो सीधे तौर पर संगठन प्रभारी हरीश चौधरी पर ही सवाल उठा दिए हैं। सोजतिया ने कहा कि प्रभारी पचमढ़ी जा रहे हैं, लेकिन एसआइआर के लिए एजेंटों के प्रशिक्षण का कोई कार्यक्रम तय नहीं किया गया।

चिंटू चौकसे की ऑडियो क्लिप सार्वजनिक होने के बाद, दिग्विजय सिंह खेमे के पूर्व विधायक और गुना क्षेत्र के कई नेता भी प्रदेश अध्यक्ष पटवारी और अन्य के विरोध में एकजुट होने लगे हैं। बताया जा रहा है कि पचमढ़ी के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद दिग्विजय सिंह भी केंद्रीय नेतृत्व को इस पूरे मुद्दे पर पत्र लिख सकते हैं।

आडियो पर नोटिस देने से पहले मैं वेरिफाई तो करूं कि आडियो सही है या गलत। जो ऐसी रिकार्डिंग कर रहा है वह कांग्रेसी नहीं बल्कि भाजपा का स्लीपर सेल है। संगठन की आंतरिक बातें मैं पब्लिक डोमेन में सार्वजनिक नहीं करना चाहता। इसलिए कार्रवाई को लेकर अभी कुछ नहीं बोलूंगा। बीएलए के नाम व सूची हमने तैयार कर लिए फिर से रीवेरिफिकेशन कर रहे हैं, जल्द ही एसआइआर के लिए कार्यकर्ता तैनात कर दिए जाएंगे।

-हरीश चौधरी,
संगठन प्रभारी, मप्र कांग्रेस

बैरागढ़-भोजपुर मार्ग पर काट दिए 448 पेड़

हाईकोर्ट ने कहा- फोटो देखकर लगता है पेड़ काटकर तने दबा दिए, जीपीएस लोकेशन के साथ पेश करें तस्वीर

भोपाल। लोक निर्माण विभाग ने बैरागढ़-भोजपुर रोड को चौड़ीकरण करने के लिए वहां लगे 448 पेड़ों को बिना अनुमति काटने पर राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में हलफनामा पेश करते हुए बताया कि कलेक्टर ने जून 2025 को पेड़ों को स्थानांतरित करने की अनुमति दी थी। जिन पेड़ों को काटा गया था, वहां पर 10 गुना अधिक पेड़ लगाए जाएंगे। मामले पर हाईकोर्ट ने सरकार के इस जवाब पर नाराजगी जाहिर की है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने मंगलवार को मामले पर सुनवाई करते हुए कहा की फोटो देखकर साफ पता चलता है, किसी भी पेड़ को प्रत्यारोपित नहीं किया गया है, बल्कि उन्हें पूरी तरह से काट दिया गया, कुछ पेड़ों के तने जमीन में गाढ़ दिए गए, जिनमें से कुछ में अंकुर निकलने लगे हैं। कोर्ट ने प्रत्यारोपित किए गए 253 पेड़ों में से प्रत्येक की तस्वीर, जीपीएस लोकेशन के साथ पेश करने के निर्देश दिए हैं। मामले पर अगली सुनवाई अब 20 नवंबर को होगी। हाई कोर्ट ने प्रिंसिपल चीफ कंजरवेटर फॉरेस्ट को कहा है, कि किसी फॉरेस्ट ऑफिसर की नियुक्ति कर बताए कि ट्रांसलोकेट करते हुए पेड़ अभी वह किस स्थिति में है। सुनवाई के दौरान शासकीय अधिवक्ता ऋत्विक पाराशर ने हाईकोर्ट को बताया कि पेड़ों की संख्या 488 नहीं बल्कि 448 है। उन्होंने कहा कि 253 पेड़ों को विधिवत काटकर ट्रांसलोकेट किया गया है। इस मामले पर पैरवी के लिए बेंच ने अधिवक्ता अमल पुष्प श्रोती को अदालत मित्र नियुक्त किया था।

मध्य प्रदेश में बनेगी विधायकों की रोजगार समिति

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा की प्रश्न संदर्भ समिति असम के दौरे पर है। वहां पर समिति के सामने एक नई बात सामने आई है।

असम विधानसभा में बेरोजगार युवाओं को सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार दिलाने के लिए विधायकों की समिति है।यह समिति समय-समय पर विचार विमर्श कर सरकार को रोजगार के संबंध में अनुशंसा करने और पालन कराने का अधिकार है।

मध्य प्रदेश के जो विधायक असम गए हैं।उनका कहना है, यह मामला सीधा जनता से जुड़ा हुआ है। विधायकों के प्रश्न के गलत और गोलमोल उत्तर सरकार से आते हैं।

किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार

किसानों को हर हाल में मिलेगी 10 घंटे निर्बाध बिजली

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निरस्त किया विवादित सर्क्यूलर, हटाए गए संबंधित चीफ इंजीनियर

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अन्नदाता (किसानों) का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। किसानों के कल्याण के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। किसानों को हर हाल में 10 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति की जाएगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को जारी संदेश में यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिस सर्क्यूलर को लेकर जनसामान्य में गलतफहमी पैदा हुई है, उस विवादित सर्क्यूलर को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। साथ ही विवादित सर्क्यूलर मामले से जुड़े संबंधित चीफ इंजीनियर को भी तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश में संवेदनशील और किसान हितैषी सरकार काबिज है। किसानों के समग्र उत्थान के लिए हमारी सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिजली आपूर्ति से संबंधित विवादित सर्क्यूलर को रद्द कर दिया गया है और इसे जारी करने वाले संबंधित अधिकारी पर भी विधि अनुरूप कार्रवाई की जा रही है।

हाईकोर्ट ने भिंड आरटीओ के निलंबन पर लगाई रोक

कोर्ट ने कहा परिवहन मंत्रालय ने दो साल तक क्यों नहीं की कार्रवाई

भोपाल। मप्र हाईकोर्ट ने प्रदेश के इकलौते आरटीओ निर्मल कुमरावत के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी है। परिवहन विभाग ने कुमरावत के खिलाफ चालान दाखिल होने के 2 साल बाद पिछले महीने निलंबित कर दिया था। कुमरावत भिंड में आरटीओ थे, जिन्हें निलंबित कर परिवहन आयुक्त मुख्यालय अटैच कर दिया था। कुमरावत ने निलंबन आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आशीष श्रोती ने याचिका पर सुनवाई के दौरान निलंबन आदेश पर रोक लगाते हुए परिवहन विभाग से जवाब मांगा है।

न्यायालय ने स्थगन आदेश में कहा है कि निर्मल कुमरावत के खिलाफ वर्ष 2021 में प्रकरण दर्ज हुआ था। 5 सितंबर 2023 को चालान पेश किया गया। इसके बाद निलंबन की कार्रवाई होना था, लेकिन दो साल तक नहीं की गई। ऐसे में निलंबन से दो महीने पहले परिवहन अधिकारी निर्मल कुमरावत का निलंबन आदेश

जारी कर पर उच्च न्यायालय ने परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। न्यायालय ने कहा है कि कार्रवाई में देरी के लिए जिम्मेदारी तय होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि निर्मल कुमरावत के टीकमगढ़ आरटीओ रहते फर्जी पंजीयन एवं लाइसेंस के मामले में पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। सितंबर 2023 में पुलिस ने चालान पेश किया और विभाग को सूचित किया। परिवहन मंत्रालय को चालान पेश होने के तत्काल पर कुमरावत को निलंबन करना था, लेकिन परिवहन विभाग में टीकमगढ़ पुलिस के पत्र को भी दबा दिया गया। इसमें विभाग में लंबे समय से जमे अधिकारी एवं कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध है। बताया गया कि पिछले महीने विभाग की नई अवर सचिव ने फाइलों की समीक्षा की तो कुमरावत के खिलाफ चालान का पत्र मिला। इसके बाद निलंबन किया गया।

मंत्रालय में किसने दबाई फाइल

हाईकोर्ट के निलंबन आदेश पर रोक लगाने के साथ ही अब इसकी पड़ताल शुरू हो गई है कि परिवहन मंत्रालय में 2 साल तक कुमरावत की फाइल को किसने दबाया था। ऐसे में अब फाइल दबाने वाले अधिकारी पर कार्रवाई हो सकती है। बताया गया कि परिवहन मंत्रालय में सालों से निचले अधिकारी एवं कर्मचारी जमे हैं।

भाजपा विधायक अरविंद पटेरिया समेत 20 नेताओं के ऊपर से हत्या की धारा हटी

सुप्रीम कोर्ट में छतरपुर पुलिस ने सलमान खान की मौत को बताया हादसा

भोपाल। विधानसभा चुनाव 2023 के मतदान की रात करीब 2.40 बजे तत्कालीन विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर विक्रम सिंह नातीराजा के ड्राइवर सलमान खान की मौत के मामले में राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट पेश कर दी है। मंगलवार को राज्य सरकार की ओर से दाखिल की गई स्टेटस रिपोर्ट में सलमान की मौत को हत्या न मानते हुए वाहन की टक्कर से हुई दुर्घटना का मामला माना है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह घटना जानबूझकर की गई हत्या नहीं बल्कि वाहन की टक्कर से हुई दुर्घटनात्मक मौत का मामला है। इस पर अब धारा 302 (हत्या) व 307 (हत्या का प्रयास) हटाकर धारा 304ए (लापरवाही से मृत्यु) लगा दी गई है। यह रिपोर्ट 4 नवंबर 2025 को राज्य सरकार की ओर से दायर की गई, जो सुप्रीम कोर्ट के 22 सितंबर 2025 के आदेश के अनुपालन में पेश की गई है।

सलमान को तेज रफ्तार कार ने कुचला था

2023 के विधानसभा चुनाव के मतदान की रात 2.40 बजे तत्कालीन विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर विक्रम सिंह नातीराजा और भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया के बीच विवाद हुआ। बताया गया है कि उस वक्त कांग्रेस विधायक को जानकारी मिली कि भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं साथ मतदाताओं को पैसे बांट रहे हैं। इस मामले को लेकर दोनों पक्षों में बहस और विवाद हुआ। इस झड़प के बीच कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के वाहनों का काफिला आमने-सामने आ गया। इसी दौरान नातीराजा का ड्राइवर सलमान सडक़ पर खड़ा था। तभी तेज गति से आती एक कार ने उसे कुचल दिया। इस दौरान सलमान को बचाने की कोशिश में कांग्रेस कार्यकर्ता शिवम बुंदेला भी घायल हो गए।

प्रत्याशी समेत 20 भाजपाइयों पर हुआ था केस

इस मामले में पहली एफआईआर 17 नवंबर 2023 को दर्ज की गई थी। इस एफआईआर में भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया सहित 20 भाजपा कार्यकर्ताओं पर धारा 302, 307 के तहत पर नामजद मामला दर्ज किया गया था। बाद में कांग्रेस नेता नातीराजा समेत अन्य पर भी एफआईआर की गई।

चैंपियंस की PM मोदी से मुलाकात

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने प्रधानमंत्री को भेंट की जर्सी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के लिए दिल्ली स्थित उनके आवास पर पहुंची और उनसे मुलाकात की। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में रविवार को टीम इंडिया ने महिला वनडे विश्वकप 2025 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर पहली बार आईसीसी ट्रॉफी जीती थी।

पीएम ने दी पूरी टीम को बधाई

महिला क्रिकेट विश्वकप के 52 साल के इतिहास में पहली बार ट्रॉफी जीतने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को बधाई दी और लगातार तीन हार तथा सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करने के बाद टूर्नामेंट में उनकी शानदार वापसी की सराहना की। इस दौरान हरमनप्रीत कौर ने 2017 में प्रधानमंत्री से हुई मुलाकात को याद किया, जब वे ट्रॉफी के बिना उनसे मिली थीं, और अब जब वे ट्रॉफी के साथ उनसे मिली हैं, तो वे उनसे और ज्यादा बार मिलना चाहती हैं।

दिल्ली पहुंचने पर हुआ था भव्य स्वागत

दिल्ली पहुंचने पर होटल में महिला टीम का ढोल-नगाड़ों और फूलों से भव्य स्वागत हुआ था। खिलाड़ियों और कोच अमोल मजूमदार ने केक काटकर जीत का जश्न मनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी पूरी टीम को बधाई दी थी और भारतीय क्रिकेट के इस ऐतिहासिक पल को देश की बेटियों की ताकत और सपनों की जीत बताया था। भारत ने महिला वनडे विश्वकप के 52 साल के इतिहास में पहली बार खिताब जीता है। इससे पहले टीम 2005 और 2017 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन ट्रॉफी नहीं जीत पाई थी।

पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को पहले एकदिवसीय में 2 विकेट से हराया

फैसलाबाद। सलमान अली आगा और मोहम्मद रिजवान के अर्धशतकों की सहायता से पाकिस्तान ने मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में दो विकेट से हराकर तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच के साथ ही पाक टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में लगातार पांचवीं जीत हासिल की है।

इस मैच में पाक टीम के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। दक्षिण अफ्रीकी टीम 263 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद पाक टीम ने ये लक्ष्य आठ विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से केवल क्विंटन डिकॉक 63 और लुआन ड्रेप्रिटोरियस 57 रन ही बना पाये। इसके अलावा मैथ्यू ब्रीट्जके ने 42 रनों की पारी खेली, वहीं 41 रन कोर्बिन बोस ने भी बनाए। ।

पाक की ओर से नसीम शाह और अबरार अहमद ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि 2 विकेट सैम अयूब ने लिए। शाहीन अफरीदी और मोहम्मद नवाज को एक-एक विकेट मिला। पाक टीम की शुरुआत 264 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बेहद खराब रही। उसके अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम 7 रन ही बना सके थे। उसके शुरुआती विकेट एक के बाद एक गिरते गये।

इसके बाद सलमान अली ने 62 रन व रिजवान ने 55 बनाकर पारी संभाली। 45 रनों का योगदान फखर जमां ने जबकि 39 रन सैम अयूब ने बनाए। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की ओर से लुंगी एनगिडी, डोनावैन फरेरा और कोर्बिन बोस ने 2-2 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, पंत की वापसी, शमी को फिर नहीं मिला मौका

नई दिल्ली । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। 14 नवंबर से शुरू हो रही इस सीरीज के लिए शुभमन गिल को कप्तान और ऋषभ पंत को उपकप्तान एवं विकेटकीपर नियुक्त किया गया है। इस चयन के साथ ही टीम में कुछ अहम बदलाव देखने को मिले हैं।जहां ऋषभ पंत की वापसी सबसे बड़ी खबर रही, वहीं तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी को एक बार फिर टीम से बाहर रखा गया है।

घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन और चयन को लेकर हाल में हुई जुबानी जंग के बाद यह माना जा रहा था कि शमी की टेस्ट टीम में वापसी होगी, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें मौका नहीं दिया। इससे क्रिकेट जगत में फिर से चर्चाएं तेज़ हो गई हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ यह सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए कई मायनों में अहम होगी। एक ओर शुभमन गिल की कप्तानी की परीक्षा होगी, तो दूसरी ओर ऋषभ पंत की वापसी टीम को नई ऊर्जा देगी। वहीं, मोहम्मद शमी की गैरमौजूदगी ने चयन को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि युवा खिलाड़ियों से सजी यह टीम विदेशी धरती पर कितनी मजबूती से प्रदर्शन करती है।

-टीम इंडिया का स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर/उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और आकाश दीप।

-ऋषभ पंत की शानदार वापसी

ऋषभ पंत की टीम में वापसी लंबे इंतजार के बाद हुई है। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान हुई गंभीर चोट के बाद पंत लगभग एक साल तक क्रिकेट से दूर रहे। साउथ अफ्रीका 'ए' के खिलाफ हालिया मुकाबलों में उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी फिटनेस और फॉर्म दोनों साबित कीं। चयनकर्ताओं ने इस प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें उपकप्तान की ज़िम्मेदारी सौंपी है। उनकी वापसी से भारत की बल्लेबाज़ी और विकेटकीपिंग दोनों विभागों में मजबूती आएगी।

-शुभमन गिल को मिला बड़ा अवसर

युवा बल्लेबाज़ शुभमन गिल को पहली बार टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है। लगातार अच्छे प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए बीसीसीआई ने उन्हें यह जिम्मेदारी दी है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय टीम के भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है और गिल को अगले कप्तान के रूप में तैयार करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

-आकाश दीप को मिला डेब्यू का मौका

युवा तेज गेंदबाज़ आकाश दीप को भी टीम में शामिल किया गया है। बंगाल के इस गेंदबाज़ ने घरेलू क्रिकेट और इंडिया 'ए' टीम में शानदार प्रदर्शन किया है। चयनकर्ताओं ने उन्हें आगामी सीरीज में डेब्यू करने का मौका देने का संकेत दिया है। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज नई गेंद के मोर्चे पर टीम की अगुवाई करेंगे, जबकि स्पिन विभाग में रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव शामिल हैं।

-सीरीज का शेड्यूल

दो मैचों की यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) का हिस्सा होगी। पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहाटी में होगा।

-भारत 'ए' वनडे टीम का भी ऐलान

बीसीसीआई ने भारत 'ए' वनडे टीम की भी घोषणा की है। टीम की कप्तानी तिलक वर्मा करेंगे, जबकि रुतुराज गायकवाड़ उपकप्तान होंगे। इस टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा को शामिल नहीं किया गया है। टीम में ईशान किशन, अभिषेक शर्मा, रियान पराग, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और खलील अहमद जैसे युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

वैभव अब राइजिंग स्टार्स एशिया कप में नजर आयेंगे

नई दिल्ली। आईपीएल और अंडर 19 क्रिकेट में धूम मचाने वाले 14 साल के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भारत ए टीम की ओर से खेलते दिखेंगे। बाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज के लिए पिछले कुछ महीने शानदार रहे हैं। आईपीएल के बाद वैभव ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी दिखायी। अब वैभव के निशाने पर पाकिस्तान ए टीम रहेगी। का भारत ए टीम में आईपीएल के छह खिलाड़ियों को अवसर मिला है। इमर्जिंग स्टार्स टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर 2025 तक दोहा के वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें भारत के ओमान, यूएई और पाकिस्तान ए के साथ ग्रुप बी में रखा गया है.

ये टूर्नामेंट कतर में खेला जाएगा और इसका आयोजन एशियाई क्रिकेट परिषद कर रही है। इसमें भारत ए की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा करेंगे। वहीं पंजाब के ऑलराउंडर नमन धीर उप-कप्तान रहेंगे। आईपीएल 2025 के स्टार प्रियांश आर्य को भी पहली बार टीम में अवसर मिला है। जितेश अभी ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम से खेल रहे हैं। उन्होंने तीसरे टी20 में 22 रनों की पारी खेलकर प्रभावित किया था। जितेश ने इस साल की शुरुआत में आरसीबी के विजयी अभियान के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था और निचले क्रम में 176 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे.

राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए भारत ए की टीम- प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, नमन धीर (उपकप्तान), सूर्यांश शेडगे, जितेश शर्मा (कप्तान और विकेटकीपर) रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजापनीत सिंह, विजय कुमार वैश्य, युद्धवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर) और सुयश शर्मा.

स्टैंड-बाय खिलाड़ी- गुरनूर सिंह बराड़, कुमार कुशाग्र, तनुश कोटियन, समीर रिजवी और शेख रशीद.

रोहित आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में नंबर एक पर बरकरार

मिचेल नंबर तीन पर पहुंचे

दुबइ। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा शीर्ष पर बने हुए हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदवसीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे वह पहली बार आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे थे। रोहित के अलावा शीर्ष दस में शुभमन गिल, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर भी शामिल है। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ एकदिसयी सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के कारण न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को लाभ हुआ है। वह अपने करियर की अब तक की श्रेष्ठ रैंक हासिल करते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्हें ताजा रैंकिंग में दो स्थान का फायदा हुआ है। वहीं अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान दूसरे स्थान पर हैं। शुभमन के अलावा पाकिस्तान के बाबर आजम भी एक-एक स्थान नीचे आये है। शुभमन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज में असफल रहे थे। वहीं बाबर आजम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच में रन नहीं बना पाये। थे। वहीं शुभमन चौथे स्थान पर जबकि बाबर आजम पांचवें स्थान पर हैं। विराट कोहली छठे, श्रीलंका के कप्तान चरिथ असालंका सातवें, आयरलैंड के हैरी टैक्टर आठवें, श्रेयस अय्यर नौवें और वेस्टइंडीज के शाई होप दसवें स्थान पर हैं।

पहले एशेज टेस्ट के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने घोषित की टीम, स्मिथ करेंगे कप्तानी

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इंग्लैंड के खिलाफ इस माह के अंत में शुरु हो रही एशेज सीरीज के पहले मैच के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। 21 नवंबर को पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट मैच में चोटिल नियमित कप्तान पैट कमिंस की जगह स्टीव स्मिथ कप्तानी करेंगे। दल में नए सलामी बल्लेबाज जेक वेडराल्ड के साथ ब्रेंडन डॉगेट और सीन एबॉट को बैकअप तेज गेंदबाजों के तौर पर शामिल किया गया है। पांच टेस्ट मैच की यह सीरीज पर्थ से ब्रिस्बेन, एडिलेड, मेलबर्न और सिडनी तक चलेगी। 31 वर्षीय वेदराल्ड पिछले साल डेविड वार्नर के संन्यास के बाद उस्मान ख्वाजा के सलामी जोड़ीदार के तौर पर उतर सकते हैं। इससे पहले स्टीव स्मिथ, नाथन मैकस्वीनी, सैम कोंस्टास, ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन सलामी बल्लेबाज के तौर पर विफल रहे थे। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि वेदराल्ड की अंतिम ग्यारह में जगह पक्की नहीं की है। बेली ने कहा, 'अभी तक अंतिम ग्यारह तय नहीं हुई है। हमारी 15 सदस्यीय टीम में से 14 खिलाड़ी चौथे राउंड (शेफील्ड शील्ड) में खेलेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के बाद से ही पीठ की चोट के कारण खेल से बाहर चल रहे पैट कमिंस की जगह स्टीव स्मिथ कप्तानी करेंगे। कमिंस टीम के साथ पर्थ जाएंगे और 4 दिसंबर से ब्रिस्बेन में होने वाले दूसरे डे-नाइट टेस्ट से वह वापसी कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई दल - स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड और ब्यू वेबस्टर।

अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी में द्रविड़ के बेटे अन्वय पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय भी हैदराबाद में शुरू रहे पुरुष अंडर19 एकदिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को इस टूर्नामेंट में टीम सी में शामिल किया गया है। ऐसे में सभी की नजरें अन्वय के प्रदर्शन पर रहेंगी। इस टूर्नामेंट से युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला शुक्रवार को आरोन जॉर्ज की अगुवाई वाली टीम सी वेदांत त्रिवेदी की कप्तानी वाली टीम बी के खिलाफ करेगी। टूर्नामेंट में भाग ले रही

टीमें इस प्रकार हैं।

टीम ए- विहान मल्होत्रा (कप्तान), अभिज्ञान कुंडू (उपकप्तान और विकेटकीपर), वंश आचार्य, बालाजी राव (विकेटकीपर), लक्ष्य रायचंदानी, विनीत वीके, मार्कंडेय पांचाल, सात्विक देसवाल, वी यशवीर, हेमचुदेशन जे, आरएस अंबरीश, हनी प्रताप सिंह, वासु देवानी, युधाजीत गुहा, इशान सूद।

टीम बी- वेदांत त्रिवेदी (कप्तान), हरवंश सिंह (उपकप्तान और विकेटकीपर), वाफी कच्छी, सागर विर्क, सायन पॉल, वेदांत सिंह चौहान, प्रणव पंत, अहित सलारिया (विकेटकीपर), बी के किशोर, अनमोलजीत सिंह, नमन पुष्पक, डी दीपेश, मोहम्मद मलिक, महामद यासीन सौदागर, वैभव शर्मा।

टीम सी- आरोन जॉर्ज (कप्तान), आर्यन यादव (उपकप्तान), अंकित चटर्जी, मणिकांत शिवानंद, राहुल कुमार, यश कासवांकर, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), युवराज गोहिल (विकेटकीपर), खिलान ए पटेल, कनिष्क चौहान, आयुष शुक्ला, हेनिल पटेल, लक्ष्मण प्रुथी, रोहित कुमार दास, मोहित उलवा।

टीम डी- चंद्रहास दाश (कप्तान), मौल्यराजसिंह चावड़ा (उपकप्तान), शांतनु सिंह, अर्नव बुग्गा, अभिनव कन्नन, कुशाग्र ओझा, आर्यन सकपाल (विकेटकीपर), ए रापोल (विकेटकीपर), विकल्प तिवारी, मोहम्मद एनान, अयान अकरम, उधव मोहन, आशुतोष महिदा, एम तोशिथ यादव, सोलिब तारिक।

विश्वकप जीत से मंधाना, जेमिमा सहित महिला क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू बढ़ी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत के बाद खिलाड़ियों की लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू तेजी से बढ़ी है। ऐसे में अब इनकी कमाई भी पहले से कई गुना बढ़ जाएगी। विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाली जेमिमा रॉड्रिग्स और स्मृति मंधाना की ब्रांड वैल्यू सबसे अधिक बढ़ी है।

जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में नाबाद 127 रनों की पारी खेली थी। रिपोर्ट के अनुसार, जेमिमा की एंडोर्समेंट फीस अब 75 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ रुपये तब पहुंच गयी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के बाद ही उनके पास 10 से 12 अलग-अलग कैटेगरी के ब्रांड्स से करार के प्रस्ताव आने लगे।

वहीं मंधाना पहले से ही महिला क्रिकेट की सबसे बड़ी ब्रांड एंबेसडर हैं। वो इस समय हिंदुस्तान यूनिलीवर, नाइक , हुंडाई , हरबेलाइफ , एसबीआई, गल्फ आइल, और पीएबी मैटलाइफ जैसे 16 प्रमुख ब्रांड्स का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। विश्व कप जीत के बाद उनकी फीस भी 1.5 से 2 करोड़ रुपये प्रति ब्रांड तक पहुंच गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विश्वकप जीत से भारतीय महिला क्रिकेट पूरी तरह से बदल जाएगा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी20 आज

गोल्ड कोस्ट। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी20 मैच गुरुवार को यहां खेला जाएगा। अभी तक दोनो ही टीमें 1-1 से सीरीज में बराबरी पर हैं। ऐसे में ये मैच दोनो ही टीमों के लिए बेहद अहम रहेगा। इसमें विजेता टीम को सीरीज में बढ़त मिल जाएगी। सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था जबकि दूसरा मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। वहीं तीसरा मैच भारतीय टीम ने जीता है। इस मैच में सलामी बल्लेबाजी शुभमन गिल पर सभी की नजरें रहेंगी। शुभमन अभी तक इस सीरीज में एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। इस मैच में भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि एशेज सीरीज की तैयारी के लिए कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी इससे बाहर हैं।

पिछले मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने से मेजबान टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई थी। इस मैच में सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड भी नहीं रहेंगे। वह एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम में कई बड़े खिलाड़ियों के नहीं होने से भारतीय टीम के पास इस मैच को जीतकर सीरीज में ढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा अवसर है।

वहीं भारतीय टीम की चिन्ता शुभमन का फार्म है। वह ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये हैं। एकदिवसीय सीरीज में भी वह असफल रहे। वहीं टी20 सीरीज के दोनो ही मैचों में वह रन नहीं बना पाये।

शुभमन को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि शुभमन अभी तक अपनी परंपरागत अंदाज में नहीं दिखे हैं। भारतीय टीम का सकारात्मक पक्ष ये है कि सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अभी अच्छे फार्म में हैं। टीम को उनसे एक बार फिर आक्रामक पारी की उम्मीद होगी। शुभमन को इस सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका ने खेलना है जिसको देखते हुए उन्हें लय हासिल करने के लिए रन बनाने होंगे।

वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले और तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत की थी जिसे अब वह बड़े स्कोर में बदलना चाहेंगे। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के शामिल होने से भारतीय टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी।

स्पिन ऑलराउंउश्र वाशिंगटन सुंदर के होने से निचले क्रम पर भी भारतीय बल्लेबाजी मजबूत होगी। वाशिंगटन ने पिछले मैच में 23 गेंद पर नाबाद 49 रन बनाये थे।

दूसरी ओर मेजबान टीम की बल्लेबाजी कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड पर निर्भर करेगी। हेड के नहीं होने से मार्श के साथ इस मैच में मैथ्यू शॉर्ट सलामी जोड़ीदार के तौर पर उतर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने होंगे क्योंकि सीन एबॉट उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। ऐसे में बेन ड्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है।

टीम इस प्रकार हैं-

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया- मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम ज़म्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

मोदी का शासन अंग्रेजी साम्राज्य से कम नहीं, जनता को कमजोर किया, बिहार में 65 लाख वोट काटे- प्रियंका गांधी

पटना/वाल्मीकि नगर। कांग्रेस महासचिव व सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि देश में नरेंद्र मोदी का मौजूदा शासन अंग्रेजी साम्राज्य से कम नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता को कमजोर करने का काम किया है और बिहार में 65 लाख वोट काट दिए हैं। बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान वाल्मीकि नगर में आयोजित विशाल जनसभा में प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार में 65 लाख लोग वोट नहीं दे पाएंगे। मोदी ऐसा काम इसलिए करते हैं, ताकि वोट चोरी करके बार-बार अपनी सरकार बना सकें। उन्होंने आगे कहा कि आज मोदी सरकार के शासन में किसान की सुनवाई नहीं है, नौजवान बेरोजगार हैं और महिलाएं संघर्ष कर रही हैं। बड़े-बड़े उद्योगपतियों के कर्ज माफ किए जा रहे हैं, लेकिन गरीब किसान का ऋण कभी माफ नहीं होता। बिहार में शिक्षा व्यवस्था बर्बाद हो चुकी है। प्रियंका गांधी ने

कहा कि बिहार में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री समेत भाजपा के तमाम नेता आते हैं, लेकिन केवल ऊल-जलूल बातें करते हैं। जबकि उनकी चिंता होनी चाहिए कि युवाओं को रोजगार कैसे मिलेगा, अपराध पर लगाम कैसे लगेगी और भ्रष्टाचार कैसे कम होगा?

प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा नेता दिन-रात पंडित जवाहरलाल नेहरू को गाली देते रहते हैं, जबकि आज अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर ने न केवल नेहरू की प्रशंसा की, बल्कि उनके भाषण के अंश भी उद्धृत किए। उन्होंने याद दिलाया कि पंडित नेहरू ने देश में विकास की नींव रखी और बड़े उद्योग स्थापित किए, जिन्हें आज मोदी सरकार अपने चहेतों को सौंप रही है।

कांग्रेस महासचिव ने आगे कहा कि चुनाव के समय महिलाओं को दस हजार रुपये दिए जा रहे हैं, जबकि पिछले 20 सालों से उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। भाजपा की नीयत गरीबों और किसानों के लिए काम करने की नहीं है। उन्होंने अपील की कि महिलाएं पैसे तो ले लें पर अपने परिवार के भविष्य के लिए वोट महागठबंधन को दें। प्रियंका गांधी ने बिहार के लिए महागठबंधन के प्रमुख वादों को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि वृद्धों और विधवा महिलाओं के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1,500 रुपये प्रतिमाह दी जाएगी और हर साल इसमें 200 रुपये की बढ़ोतरी भी होगी। भूमिहीन परिवारों को 3 से 5 डिसमिल जमीन दी जाएगी, जिसका मालिकाना हक महिलाओं को मिलेगा। माई-बहन मान सम्मान योजना के तहत 2,500 रुपये हर महीने महिलाओं को मिलेंगे। 25 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिलेगा। किसानों को एमएसपी की गारंटी मिलेगी। रिक्त सरकारी पदों पर नियुक्तियां होंगी और बिहारवासियों को विशेष आरक्षण मिलेगा। मनरेगा के तहत मजदूरी 300 रुपये प्रतिदिन मिलेगी और काम के दिनों को दोगुना किया जाएगा। पेपर लीक के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई होगी। जॉब कैलेंडर बनाकर परीक्षाओं, परिणामों और नियुक्तियों के दिन पहले से तय किए जाएंगे। पंचायती राज और नगर निकायों में ईबीसी आरक्षण 30 प्रतिशत और एससी आरक्षण 20 प्रतिशत किया जाएगा। अतिपिछड़ा वर्ग अत्याचार निवारण अधिनियम बनाया जाएगा। निजी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण लागू होगा। कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू किया जाएगा। संविदाकर्मियों को स्थायी किया जाएगा। 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। इसके अलावा उन्होंने महागठबंधन के कई अन्य वादे भी गिनाए। उन्होंने जनता से महागठबंधन के उम्मीदवारों को भारी मतों से जीत दिलाने का आह्वान किया।

मप्र के युवक के साथ गुजरात में हैवानियत, चाकू की नोक पर धमकाया

तलवे चटवाए, थप्पड़ मारे और बाल खींचे, युवक लापता

सीधी/सूरत। सीधी के एक युवक से गुजरात में बदमाश ने पैर के तलवे चटवाए। चाकू की नोक पर धमकाया। चांटे मारे और बाल भी खींचे। इसके बाद से युवक लापता हो गया। इसके दो वीडियो सामने आए हैं। वीडियो गुजरात के सूरत में बनाए गए हैं। परिजन का आरोप है कि काम के दौरान भोला भाई नाम के व्यक्ति ने उसे चाकू दिखाकर धमकाया और मारपीट भी की। वीडियो सामने आने के बाद युवक के पिता गुजरात रवाना हो गए हैं। बुधवार सुबह करीब 11 बजे परिवार बहरी थाना पहुंचा। उन्होंने थाना प्रभारी राजेश पांडेय को आवेदन देकर बेटे को खोजने और सकुशल वापस लाने की गुहार लगाई।

नकझर खुर्द गांव का रहने वाले 26 वर्षीय युवक गुजरात के सूरत में मजदूरी करने गया था। पहला वीडियो 4 नवंबर की रात उसके वॉट्सऐप और फेसबुक स्टेटस पर अपलोड हुआ। परिजनों का कहना है कि वीडियो सामने आने के बाद से उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ है। उससे संपर्क नहीं हो पा रहा। युवक के पिता ने बताया कि उनका बेटा सूरत की एक कंपनी में कार्यरत था। परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य है। उनकी मां नेत्रहीन हैं। पिता ने कहा कि वीडियो देखने के बाद से हम बहुत चिंतित हैं। उसका नंबर नहीं मिल रहा है और न ही कोई जानकारी मिल पा रही है। हमें किसी अनहोनी की आशंका सता रही है।

दो वीडियो में सामने आई हैवानियत

पहले वीडियो में युवक डरा हुआ दिख रहा है। वह बार-बार कह रहा है कि भोला भाई मुझे माफ कर दो... अब मैं कभी सूरत नहीं आऊंगा! सामने मौजूद युवक उसे धमकी देते हुए सुनाई दे रहा है कि यदि उसकी बात नहीं मानी गई, तो उसे चाकू से मार दिया जाएगा। उसके हाथ में चाकू भी नजर आ रहा है। वीडियो में आरोपी उसके चेहरे पर थप्पड़ मारते और उसके बाल खींचते हुए भी दिख रहा है। वहीं, दूसरे वीडियो में युवक बैठा हुआ दिख रहा है। आरोपी उससे अपने पैर के तलवे चाटने को कहता है। युवक उसके कहने पर अपनी जीभ से तलवे चाटता है। इस दौरान आरोपी गाली-गलौज भी करता है। वीडियो में युवक का चेहरा भी सूजा हुआ दिख रहा है। थाना प्रभारी राजेश पांडेय ने बताया कि परिवार की शिकायत और वीडियो के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित वीडियो दूसरे राज्य (गुजरात) का प्रतीत होता है, इसलिए वरिष्ठ अधिकारियों को इस बारे में सूचित कर दिया गया है। पुलिस ने परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

मनरेगा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिया झटका, बंगाल में शुरु होगी योजना

नई दिल्ली,। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को लेकर सुप्रीम कोर्ट में झटका लगने के कुछ ही दिनों बाद ग्रामीण विकास मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल में इस योजना को विशेष शर्तों के साथ फिर से शुरू करने पर विचार करने का फैसला किया है। तीन साल से बंद पड़ी इस योजना को दोबारा शुरू करने के लिए टीएमसी के नेतृत्व वाली सरकार लगातार केंद्र से गुहार लगा रही थी। अब इसे दोबारा शुर किया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि मंत्रालय ने पिछले हफ्ते पीएमओ को सूचित किया था कि वह विशेष परिस्थितियों के तहत पश्चिम बंगाल में मनरेगा को फिर से शुरू करने पर विचार कर सकता है। पीएमओ ने मंत्रालय से इस मुद्दे पर एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। यह घटनाक्रम 27 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र की विशेष अनुमति याचिका को खारिज किए जाने के बाद आया है। केंद्र ने कलकत्ता हाईकोर्ट के 18 जून के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें मनरेगा योजना को 1 अगस्त, 2025 से पश्चिम बंगाल में लागू करने का निर्देश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट से पहले हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को यह अधिकार दिया था कि वह राज्य में योजना के क्रियान्वयन के लिए विशेष शर्तें, प्रतिबंध और नियम लगा सके ताकि भविष्य में कोई अनियमितता न हो। केंद्र ने इस आदेश को चुनौती देते हुए 31 जुलाई को हाईकोर्ट के आदेश के लागू होने से एक दिन पहले सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर को इस याचिका को खारिज कर दिया। केंद्र सरकार ने 9 मार्च, 2022 को पश्चिम बंगाल को फंड जारी करना बंद कर दिया था। इसका कारण केंद्रीय निर्देशों का पालन न करना बताया था। तब से राज्य में इस योजना के तहत कोई काम नहीं हुआ। योजना के निलंबन से पहले, 2014-15 और 2021-22 के बीच हर साल राज्य में 51 लाख से 80 लाख परिवार इस योजना का लाभ उठाते थे।

खुद फंसे राहुल गांधी, चुनाव आयोग पूछा रहा...क्या एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन कर रहे

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'हरियाणा चुनाव में फर्जी वोटिंग' के आरोपों पर चुनाव आयोग (ईसी) ने सख्त जवाब दिया है। राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता में कथित वोट चोरी के मुद्दे पर कहा, 'हमारे पास एच फाइल हैं और यह इस बारे में है कि कैसे एक पूरे राज्य को ही चुराया गया है। हमें संदेह है कि यह व्यक्तिगत निर्वाचन क्षेत्रों में नहीं, बल्कि राज्य पर और राष्ट्रीय स्तर पर हो रहा है।

उन्होंने कहा, मैं चुनाव आयोग और भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा हूं, और मैं ऐसा 100 प्रतिशत प्रमाण के साथ कर रहा हूं। अपनी फाइल दिखते हुए कहा, 'हमारे पास स्पष्ट सबूत हैं कि 25 लाख मतदाता (हरियाणा में) फर्जी हैं, या वे मौजूद ही नहीं हैं या वे डुप्लिकेट हैं या किसी को वोट देने के लिए तैयार किए गए हैंज्हरियाणा में हर 8 में से 1 मतदाता फर्जी है, जो 12.5 प्रतिशत के करीब है।

हालांकि चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों ने कहा कि राहुल गांधी की ओर से लगाए गए आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। इसके साथ उन्होंने सवाल किया मतदाता सूची में इन कथित गड़बड़ियों पर कांग्रेस ने एक भी औपचारिक आपत्ति या अपील दर्ज क्यों नहीं की थी।

चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि हरियाणा में मतदाता सूची संशोधन के दौरान किसी भी बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) या पार्टी प्रतिनिधि ने डुप्लिकेट नामों, मृत मतदाताओं या स्थानांतरित मतदाताओं पर एक भी आपत्ति दर्ज नहीं की। उन्होंने कहा, 'हरियाणा में मतदाता सूची पर जीरो अपील दर्ज हुई। अगर कांग्रेस को मतदाता सूची में गड़बड़ी का संदेह था, तब कांग्रेस पार्टी के एजेंटों ने आपत्ति क्यों नहीं की?'

राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने सवाल उठाया कि कांग्रेस के पोलिंग एजेंट मतदान केंद्रों पर क्या कर रहे थे? उन्होंने कहा, 'उनका काम यह होता है कि अगर कोई मतदाता पहले ही वोट डाल चुका है या उसकी पहचान पर संदेह हो, तब वे तुरंत आपत्ति दर्ज कराएं, फिर उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया?'

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि एक ही वोटर का नाम सूची में कई बार दर्ज है। उन्होंने इस दौरान एक लड़की की तस्वीर दिखाकर दावा किया कि यह ब्राजीली मॉडल की फोटो हैं, जिसकी तस्वीर के सहारे 22 बार मतदान किया गया। इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया, 'यह हरियाणा की वोटर लिस्ट हैज्यह दो पोलिंग बूथों की सूची है। एक महिला दो मतदान केंद्रों पर 223 बार मतदान करती है। चुनाव आयोग को हमें बताना चाहिए कि इस महिला ने कितनी बार मतदान किया है।

इस पर आयोग से जुड़े सूत्रों ने उल्टे सवाल उठाकर कहा, 'राहुल गांधी के आरोपों के मुताबिक, एक व्यक्ति के कई नाम और फोटो अलग-अलग बूथों पर दर्ज थे। अगर ऐसा था, तब कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट्स ने इस पर कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं दर्ज की?'

इसके साथ ही आयोग के सूत्रों ने तंजिया लहजे में कहा, 'कोई कह रहा है कि ये डुप्लिकेट वोट बीजेपी को गए। लेकिन राहुल गांधी को कैसे पता कि उन्होंने कांग्रेस को वोट नहीं दिया?'

इतना ही नहीं आयोग के सूत्रों ने राहुल गांधी की प्रेसवार्ता में दिखाई गई वीडियो क्लिप पर भी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने कहा, 'हाउस नंबर जीरो का मतलब यह नहीं कि वह फर्जी है। यह उन घरों के लिए होता है जिनके लिए पंचायत या नगरपालिका ने अभी हाउस नंबर आवंटित नहीं किया है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से पूछा कि वे एसआईआर प्रक्रिया के पक्ष में हैं या विरोध में? ईसी सूत्रों ने कहा, 'क्या राहुल गांधी उस एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन कर रहे हैं, जो डुप्लिकेट, मृत और स्थानांतरित मतदाताओं को हटाने के साथ-साथ नागरिकता की पुष्टि भी करती है या वे इसका विरोध

पार्ट्स खराब होने पर सुधारना होगा कंपनियों को

नया पार्ट्स लेने मजबूर नहीं कर सकेंगी कंपनियां

नईदिल्ली। भारत सरकार का उपभोक्ता मंत्रालय जल्द ही नए नियम बनाने जा रहा है। इस नियम के लागू होने के बाद उपभोक्ताओं को खरीदे गए सामान पर असली हक दिलाया जाएगा। मोबाइल, टीवी, ट्रैक्टर,फ्रिज एवं अन्य उपकरण ओर पार्ट्स खराब होने पर उनको बदलने के नाम पर उपभोक्ताओं से भारी पैसा वसूल किया जाता है। कबाड़ भारत में बढ़ता चला जा रहा है। इससे निपटने के लिए अब उपभोक्ता मंत्रालय कानून बनाने जा रहा है। भारत में हर साल लाखों टन ई वेस्ट निकल रहा है। इलेक्ट्रॉनिक कचरा सरकार के लिए एक बड़ा सिर दर्द बन गया है। मोबाइल, टीवी, कंप्यूटर, और होम एंप्लाएसेस खराब होने के बाद फेंक दिए जाते हैं। जिसका निपटारा करना सरकार के लिए बड़ी मुसीबत है। उपभोक्ता मंत्रालय अब कानून बना रहा है। कंपनियों को खराब हुए उपकरण को सुधारना होगा। इससे उपभोक्ताओं के पैसे की बचत होगी।वहीं पर्यावरण को भी सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। अधिकांश कंपनियां इस तरह के उपकरण तैयार करते हैं। खराब होने के बाद उनमे सुधार नहीं हो। खराब पार्ट्स को नए पार्ट्स में बदला जाए,यह मनमानी अब कंपनियां नहीं कर पाएंगी।इसके लिए केंद्र सरकार जल्द ही नया कानून लागू करने जा रही है। प्रस्ताव तैयार हो गया है।

शादी में करीबी रिश्तेदारों से मिले तोहफे टैक्स के दायरे में नहीं आते

-गैर रिश्तेदार या दोस्त का 50,000 से ज्यादा का गिफ्ट तो देना पड़ता है टैक्स

नई दिल्ली। शादी का मौसम शुरू होते ही देशभर में रौनक लौट आई। भारतीय शादियां सिर्फ रस्मों तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि इनका सामाजिक और आर्थिक असर भी होता है। इन भव्य समारोहों में गिफ्ट्स का आदान-प्रदान परंपरा का अहम हिस्सा है- कभी नकद रूप में, तो कभी सोने-चांदी या कीमती वस्तुओं के रूप में। क्या शादी में मिले ये तोहफे टैक्स के दायरे में आते हैं? 'नहीं', अगर गिफ्ट शादी के मौके पर मिला हो।

आयकर कानून के मुताबिक अगर किसी व्यक्ति को गिफ्ट उसके करीबी रिश्तेदारों से मिलता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, जीवनसाथी, ससुराल वाले या वंशानुगत रिश्तेदार- तो वह पूरी तरह टैक्स फ्री है, लेकिन अगर गिफ्ट किसी गैर-रिश्तेदार या दोस्त से मिले और उसकी कुल कीमत एक वित्तीय वर्ष में 50,000 रुपए से ज्यादा हो, तो उस पर टैक्स देना पड़ता है। इन गिफ्ट्स में नकद राशि, सोना, ज्वेलरी, शेयर या प्रॉपर्टी शामिल हो सकती है। ऐसे गिफ्ट्स को आयकर रिटर्न के तहत दिखाना जरूरी है।

शादी के दिन या उससे जुड़े आयोजनों पर मिले सभी गिफ्ट्स चाहे वे रिश्तेदारों, दोस्तों या किसी भी व्यक्ति से क्यों न मिले हों टैक्स से पूरी तरह मुक्त होते हैं। आयकर विभाग के मुताबिक 'किसी व्यक्ति को शादी के अवसर पर मिला गिफ्ट टैक्स योग्य नहीं होता। यह छूट सिर्फ शादी के अवसर पर लागू होती है यानी अगर किसी को जन्मदिन, सालगिरह या किसी अन्य मौके पर गिफ्ट मिलता है, तो वह टैक्स योग्य माना जाएगा अगर उसकी वैल्यू 50,000 रुपए से ज्यादा है।

अगर शादी में आपको बड़ी रकम या कीमती गिफ्ट्स मिले हैं, तो उनका सही रिकॉर्ड रखना जरूरी है। आयकर रिटर्न भरते समय गिफ्ट्स की वैल्यू और उनसे जुड़ी जरूरी डॉक्युमेंट्स को डिस्क्लोज करें ताकि भविष्य में किसी तरह की टैक्स नोटिस या परेशानी का सामना न करना पड़े। विशेषज्ञों के मुताबिक शादी में मिले गिफ्ट्स को समझदारी से निवेश करने पर यह नई जिंदगी की मजबूत वित्तीय नींव बन सकते हैं। शादी के मौके पर मिले तोहफे टैक्स से पूरी तरह मुक्त हैं, लेकिन बाकी मौकों पर सावधानी जरूरी है। सही जानकारी रखकर न केवल आप टैक्स झंझट से बच सकते हैं, बल्कि अपने भविष्य की आर्थिक योजना को भी मजबूत बना सकते हैं।

खजुराहो पहुंचे राकेश किशोर ने एएसआई पर लगाया, हिंदुओं के साथ दोगला व्यवहार करने का आरोप

छतरपुर। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले दिल्ली के वकील डॉ. राकेश किशोर कुमार दो दिन से खजुराहो में हैं। उन्होंने बुधवार सुबह करीब 10 बजे खजुराहो के जवारी मंदिर में प्रार्थना की। उन्होंने आर्कियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएआई) पर हिंदुओं के साथ दोगला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उनके साथ राम राज मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज ऋषि राजेंद्र सिंह नरूका, श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस मथुरा के मुख्य पक्षकार कौशल किशोर ठाकुर और अन्य धार्मिक नेता भी मौजूद थे। एएसआई अधिकारी दीक्षांत चावरे ने पूजा के बाद सभी लोगों को मंदिर खाली करने के लिए कहा। बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि खजुराहो के सभी स्मारक आम पर्यटकों के लिए खुले हैं, लेकिन किसी भी प्रकार की पूजा, अर्चना, ध्यान या योग करना मना है। उन्होंने कहा कि राकेश किशोर या उनके सहयोगियों ने इसके लिए कोई परमिशन नहीं ली थी और नियमों के उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। खंडित प्रतिमा पर बयान- राकेश किशोर ने जवारी मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु की 7 फीट ऊंची खंडित प्रतिमा के सामने प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि वह मूर्ति की पुनर्स्थापना और अपनी मांगें पूरी होने के बाद ही माल्यार्पण करुंगा। उनका कहना था कि मूर्ति खंडित नहीं होती, मानसिकता खंडित होती है। उन्होंने मांग की कि मूर्ति के शीश को जोड़कर और बगल में एक छोटी मूर्ति स्थापित करके पूजा योग्य बनाया जाए। उन्होंने भोजपुर मंदिर के शिवलिंग और संभल की मस्जिद का उदाहरण देकर एएसआई पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं राकेश किशोर ने 1958 में कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए एक्ट को बदलने की आवश्यकता बताकर कहा कि मूर्तियों की पुनर्स्थापना और पूजा पाठ पहले किया जाना चाहिए, उसके बाद कानून लागू होना चाहिए।

केंद्र सरकार ने पेंशन और फैमिली पेंशन को लेकर दिया नया आदेश

नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए केंद्र सरकार ने पेंशन और फैमिली पेंशन को लेकर नया आदेश दिया है। अब किसी कर्मचारी की पेंशन उसके 卐आखिरी नौकरी वाले दिन卐 के नियमों के हिसाब से तय होगी। यानी जिस दिन वह सेवानिवृत्त, नौकरी छोड़ने या मृत्यु के कारण सेवा समाप्त करेगा, उसी दिन के नियम लागू होगा। पहले यह स्पष्ट नहीं था कि पेंशन की गणना किस तारीख के नियमों से करे, जिससे कई बार उलझनें पैदा होती थीं। अब केंद्र सरकार के नए सर्कुलर से यह भ्रम खत्म कर दिया है। इस बदलाव से पेंशन तय करने में होने वाली गलतियों पर भी रोक लगेगी।

नए नियम मुताबिक, रिटायरमेंट या मृत्यु का दिन छुट्टी या सस्पेंशन की अवधि का हिस्सा ही माना जाएगा। यानी पेंशन की गणना में इस अवधि को भी सेवा का हिस्सा माना जाएगा। इससे कर्मचारियों को राहत मिलेगी और पेंशन में किसी प्रकार का ब्रेक या रुकावट नहीं होगी। अक्सर कर्मचारी रिटायरमेंट से पहले छुट्टी पर रहते हैं या किसी कारण से निलंबित कर दिए जाते हैं।

मोदी सरकार ने मृतक कर्मचारियों के माता-पिता के लिए फैमिली पेंशन के नियमों में सुधार किया है। पहले जीवनसाथी या बच्चों के न होने पर माता-पिता को पेंशन दी जाती थी, लेकिन अब उन्हें हर साल अलग-अलग 卐जीवन प्रमाण पत्र卐 देना होगा। इस नियम का उद्देश्य रिकॉर्ड को अपडेट रखना और गलती से अतिरिक्त भुगतान से बचना है।

पेंशन विभाग के अनुसार, इस नियम से पारदर्शिता बढ़ेगी और पेंशन की प्रक्रिया सरल बनेगी। कई मामलों में छुट्टी या निलंबन के दौरान पेंशन गणना में विवाद होता था, जिसे अब खत्म कर दिया गया है। यह फैसला न केवल कर्मचारियों बल्कि उनके परिवारों के लिए भी राहत लेकर आया है।

1000 उधार लेकर लॉटरी खरीदी 11 करोड़ जीते

बटिंडा। राजस्थान के कोटपूतली के एक सब्जी व्यापारी ने पंजाब सरकार की लॉटरी को जीतकर 11 करोड़ का इनाम जीतकर करोड़पति बन गया। इस सब्जी विक्रेता के पास टिकट खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। इसने 1000 रूपये की टिकट खरीदने के लिए दोस्त से पैसे उधार लिए थे।

अमित सेहरा अपने दोस्त मुकेश के साथ पंजाब के मौगा घूमने के लिए गया था। दोनों बठिंडा में चाय पीने के लिए रुके थे। इसी दौरान लॉटरी टिकट को लेकर चर्चा शुरू हुई। मुकेश ने अमित को किस्मत आजमाने के लिए कहा। उसके पास 1000 रूपये नहीं थे। मुकेश के बार-बार कहने पर अमित ने दोस्त से 1000 रूपये उधार लेकर टिकट खरीदा। साथ ही यह वादा किया, यदि 11 करोड रुपए का इनाम जीता, तो एक करोड रुपए उसकी बेटियों को दूंगा।

31 अक्टूबर को लॉटरी का परिणाम आया मोबाइल खराब होने से उसे परिणाम का पता नहीं लग पाया था। अमित से संपर्क नहीं होने पर मुकेश उसके घर पहुंचा। उसे लॉटरी जीतने की खुशखबरी सुनाई।

लॉटरी से 11 करोड रुपए की रकम जीतने के बाद उसने अपने दोस्त मुकेश को एक करोड़ रूपया ईमानदारी से दिया। कहां लाटरी टिकट खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। उधार लेकर टिकट खरीदा। भगवान ने छप्पर फाड़ कर उसके भाग्य को खोल दिया।

बंगाल में एसआईआर : बीएलए नियुक्त करने में टीएमसी से आगे निकली बीजेपी

-चुनाव अधिकारी ने राजनीतिक दलों से प्रति बूथ एक एजेंट तैनात करने को कहा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टियों, बीजेपी और माकपा ने अपने-अपने बूथ-लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त कर दिए हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक बीजेपी ने मंगलवार शाम 5 बजे तक 24,858 बीएलए नियुक्ति कर दिए, जबकि माकपा ने 18,706 बूथ-लेवल एजेंट घोषित किए हैं। दोनों पार्टियां बीएलए की नियुक्तियों में कांग्रेस और सत्तारूढ़ टीएमसी से आगे निकल गई हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस ने सिर्फ 13,526 नियुक्त किए, जबकि कांग्रेस केवल 5,797 बीएलए नियुक्त कर चौथे स्थान पर है। आंकड़ों के मुताबिक चुनाव आयोग में पंजीकृत मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बूथ-स्तरीय एजेंटों (बीएलए) की कुल संख्या फिलहाल 63 हजार से ज्यादा है। इनमें बीएलए-1 और बीएलए-2 शामिल हैं। बीएलए-1 किसी विधानसभा क्षेत्र के लिए पार्टी का प्रतिनिधि होता है, जबकि बीएलए-2 किसी मतदान केंद्र के लिए संबंधित पार्टी का प्रतिनिधित्व करता है।

चुनाव आयोग में पंजीकृत राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बीएलए की संख्या काफी कम है। लिहाजा, जिला चुनाव अधिकारियों ने सभी राजनीतिक दलों से प्रति बूथ एक एजेंट तैनात करने का अनुरोध किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बीएलओ एसआईआर के दौरान सभी मान्यता प्राप्त दलों के बीएलए के साथ नियमित संपर्क बनाए रखेंगे।

भारतीय चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया का दूसरा चरण शुरू कर दिया है। आयोग ने 27 अक्टूबर को एसआईआर प्रक्रिया के दूसरे चरण की घोषणा की थी। 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक गणना का काम होगा।

ड्राफ्ट मतदाता सूची 9 दिसंबर को जारी की जाएगी, जिसके बाद 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियों का दौर चलेगा। नोटिस चरण 9 दिसंबर से 31 जनवरी, 2026 के बीच होगा। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का काम अगले साल 7 फरवरी को फाइनल मतदाता सूची जारी होने के साथ समाप्त हो जाएगा।

विश्व में वन क्षेत्र मामले में भारत 9वें स्थान पर, पर्यावरण संरक्षण में ऐतिहासिक उपलब्धि

नई दिल्ली। भारत ने वैश्विक स्तर पर वन क्षेत्र के मामले में नौवां स्थान हासिल करते हुए पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि दर्ज की है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने यह जानकारी विगत दिवस बाली में खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा जारी वैश्विक वन संसाधन आकलन 2025 रिपोर्ट का हवाला देते हुए दी।

एफएओ की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व का कुल वन क्षेत्र 4.14 अरब हेक्टेयर है, जो पृथ्वी की लगभग 32 प्रतिशत भूमि पर फैला है। इसमें से 54 प्रतिशत वन क्षेत्र सिर्फ पांच देशों- रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका और चीन में है। भारत, ऑस्ट्रेलिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और इंडोनेशिया के बाद, शीर्ष 10 वन-समृद्ध देशों में शामिल है।

2015 से 2025 के बीच वन क्षेत्र में वार्षिक शुद्ध वृद्धि के मामले में चीन शीर्ष पर (1.69 मिलियन हेक्टेयर प्रति वर्ष) रहा, जबकि रूस (9.42 लाख हेक्टेयर) और भारत तीसरे स्थान पर (1.91 लाख हेक्टेयर प्रति वर्ष) रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया एकमात्र ऐसा महाद्वीप है जहां 1990 से 2025 के बीच वन क्षेत्र में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसमें भारत और चीन का योगदान सबसे अधिक है।

केंद्रीय मंत्री के अनुसार यह सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा चलाई जा रही वन संरक्षण, वनीकरण और सामुदायिक भागीदारी आधारित पर्यावरणीय नीतियों का परिणाम है। यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी एक पोस्ट की और कहा, भारत ने जीएफआरए-2025 में वैश्विक स्तर पर वन क्षेत्र के मामले में 10वें से 9वें स्थान पर पहुंचकर उल्लेखनीय प्रगति की है। साथ ही वार्षिक वृद्धि दर के मामले में भी भारत ने तीसरा स्थान बनाए रखा है। यहां यादव ने कहा कि यह उपलब्धि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान तथा एक पेड़ मां के नाम जैसे जनआंदोलनों से मिली है। इन अभियानों ने लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाई है और समाज में हरित भविष्य की सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित किया है। विशेषज्ञों की राय है कि यह उपलब्धि भारत को वैश्विक जलवायु संरक्षण के प्रयासों में अग्रणी बनाती है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित, टिकाऊ भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

न्यूज गैलरी

डॉ विशेष नाग को कारण बताओ नोटिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने जिला चिकित्सालय बालाघाट के ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ विशेष नाग को कारण बताओ नाटिस जारी किया है कि क्यों न उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये। सिविल सर्जन डॉ निलय जैन द्वारा 31 अक्टूबर एवं 01 नवंबर को जिला चिकित्सालय का राउंड लिये जाने पर पाया गया था कि ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ विशेष नाग दोनों दिन प्रातः 1030 बजे अपने कार्य से अनुपस्थित थे और ईएनटी ओपीडी के सामने मरीजों की भीड़ लगी थी तथा मरीज परेशान हो रहे थे। अपने कर्त्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने के कारण डॉ विशेष नाग को कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

ट्रक मोटरसाइकिल से टकराया-वृद्धा समेत दो घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा रोड ग्राम कनकी के पास तेज रफ्तार ट्रक मोटरसाइकिल से टकरा गया। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार एक वृद्धा सहित दो लोग घायल हो गए। दोनों घायल खेलंनबाई पति लिखन भगत 60 वर्ष ग्राम बेहरई थाना लालबर्रा और उसका दामाद दीपचंद पिता लिंबाजी राहंगडाले ग्राम सिहोरा थाना लालबर्रा निवासी है ।दोनों का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सिहोरा निवासी दीपचंद रंग डाले अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करते हैं 4 नवंबर को दीपचंद अपने परिवार के साथ रिश्तेदारी में ग्राम कोलीवाड़ा वारासिवनी गए थे। रात्रि में दीपचंद राहंगडाले अपने ससुराल ग्राम बेहरई में रुक गए थे। 5 नवंबर को सुबह 7ः00 दीपचंद रंग डाले अपनी आजी सास खेलन बाई भगत के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम बैहरई से बालाघाट जा रहे थे। तभी ग्राम कनकी के आगे समृद्धि परिसर के पास बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। इस दुर्घटना में ट्रक की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार दीपचंद राहंगडाले और खेलंबाई भगत दोनों मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। राह चलने वालों ने दोनों घायल को प्राइवेट कर से जिला अस्पताल भिजवाए। बताया कि इस दुर्घटना में खेलन बाई को सिर अत्यधिक चोट आई थी ।जिसे जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किए हैं। जिला अस्पताल पुलिस ने दीपचंद राहंगडाले का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवा दी है।

हाई बीम वाली सफेद हेडलाइट सड़कों के लिए खतरनाक

आंखों को चकाचौंध करती सफेद लेडलाइट वाली कार मालिक सावधान! चालान काटे जा सकते हैं

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

झूठी शान और स्टेटस दिखाने के शौकीन लोग सड़कों पर हाई बीम लाईट लगाकर खतरा पैदा कर रहे हैं। बालाघाट जिले भर की शहरी सड़कें हों या राष्ट्रीय राजमार्ग इन सड़कों पर ऐसे वाहनों की मटरगश्ती आये दिन देखी जा सकती है.फिर भी पुलिस ऐसे वाहन चालकों को ना तो हिदायत देतीं है ना ही उनका चालन बनाती है. आँखों को चौंधिआती लाइट्स सामने से गुजर रहे वाहन के लिए बेहद खतरनाक होती है।

आम शहरी सड़कों तथा एनएच पर हाई-बीम एलईडी लाइटें बेहद खतरनाक हैं क्योंकि ये बहुत तेज़ होती हैं और दूसरे वाहन चालकों को अस्थायी रूप से अंधा कर सकती हैं। जब कोई सामने से आ रहा वाहन चालक अचानक इन तेज़ लाइटों के संपर्क में आता है, तो वह कुछ सेकंड के लिए सड़क को स्पष्ट रूप से नहीं देख पाता। इससे वह बाधाओं, पैदल यात्रियों या अन्य वाहनों को देखने से चूक सकता है, जिससे दुर्घटनाएँ होती हैं।

इसके अलावा, हाई बीम लाइटें गीली सड़कों या परावर्तक सतहों पर चकाचौंध पैदा कर सकती हैं, जिससे ड्राइवरों के लिए ठीक से देखना और भी मुश्किल हो जाता है। भारत जैसे ग्रामीण देश में, जहाँ सड़कें व्यस्त हो सकती हैं और परिस्थितियाँ अप्रत्याशित हो सकती हैं, यह लाइट सिस्टम अतिरिक्त जोखिम दुर्घटनाओं की आशंका को काफी बढ़ा रही हैं।

हेडलाइट्स का आदर्श उपयोग

अधिकांश ड्राइविंग स्थितियों में, लो बीम आने वाले ड्राइवरों की दृष्टि और सुरक्षा से समझौता किए बिना पर्याप्त रोशनी प्रदान करते हैं। चालक को हाई बीम का इस्तेमाल तभी करना चाहिए जब सड़क बहुत अंधेरी और खुली हो, जहाँ सामने से आने वाला ट्रैफिक बहुत कम हो या बिल्कुल न हो। रात में गाड़ी चलाते समय, कोहरे, बारिश या बर्फबारी में, और शहर में गाड़ी चलाते समय, जहाँ स्ट्रीट लाइटें अतिरिक्त रोशनी प्रदान करती हैं, लो बीम का इस्तेमाल करना चाहिए लेकिन कोई करता नहीं है।झूठा स्टेटस दिखाने का नशा इन लाइटों को बढ़ावा देता है।

हाई बीम हेडलाइट्स ग्रामीण या कम रोशनी वाली सड़कों के लिए उपयोगी होती हैं, लेकिन जब दूसरे वाहन आ रहे हों तो चकाचौंध से बचने के लिए इन्हें लो बीम पर स्विच कर देना चाहिए। हालाँकि, यह ध्यान रखना चाहिए कि अपनी कारों में हाई इंटेंसिटी आफ्टरमार्केट हेडलाइट्स लगवाने से बचना चाहिए क्योंकि यह कानूनन एक दंडनीय अपराध है और इसके परिणामस्वरूप जुर्माना हो सकता है।किन्तु स्थानीय पुलिस या यातायात कर्मी वह कार्रवाई नहीं करता जो कानून में दर्ज है।

वाहन सम्बंधी मामलों के जानकार बताते भी हैं कि भारत में कार में हाई बीम लेड लाइट का उपयोग कानूनी नहीं है, क्योंकि यह मोटर वाहन अधिनियम के तहत अवैध है। भले ही कार निर्माता कम्पनी इसे लगाकर देतीं हैं.हाई बीम लाइटें सामने वाले ड्राइवर को चकाचौंध कर सकती हैं और दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। हाई बीम का उपयोग केवल तब ही किया जा सकता है जब सड़क पर कोई अन्य वाहन न हो, और अन्य वाहन के पास आने पर तुरंत लो बीम कर लेनी चाहिए।

आफ्टर-मार्केट लेड लाइटें

शौकिया तौर पर अपनी कार में बाहर से लेड लाइटें (विशेष रूप से हेडलाइट्स) लगवाना अवैध है और इस पर जुर्माना लग सकता है। कार-निर्माता द्वारा लगाई गई एलईडी लाइटेंः यदि लेड लाइटें वाहन के साथ ही कार के मूल उपकरण (इम) के रूप में आती हैं, तो वे आमतौर पर वैध होती हैं।

अन्य लेड लाइटें-टेललाइट, इंटीरियर लाइट और एक्सेंट

लाइटिंग जैसे अन्य हिस्सों में लेड लाइटें वैध हैं, बशर्ते वे सड़कों पर चालक का ध्यान भंग न करें या आपातकालीन सेवाओं की नकल न करें।अगर वो दूसरे चालक का ध्यान भंग करती है तो कार्रवाई हो सकती है।

हाई बीम लाइट के उपयोग के लिए नियम

अन्य वाहनों के पास होने पर: जब सड़क पर भी सामने से कोई दूसरा वाहन आए, तो हाई बीम लाइट को तुरंत लो बीम में बदल देंना चाहिए। रोशनी वाले स्थानों पर: अच्छी रोशनी वाली सड़कों पर हाई बीम का उपयोग करने से बचना चाहिए । जुर्माना: लगातार हाई बीम का उपयोग करने पर वाहन का चालान हो सकता है। मोटर यान अधिनियम साथ-साथ इस बात की तस्दीक करता है।

ट्रैफिक रुल्स फॉर हाई बीम लाइटः भारत में सड़कों पर गाड़ियां चलाने को लेकर कुछ नियम तय किए गए होते हैं. सभी वाहन चालकों को मोटर वाहन अधिनियम के यह नियम माने होते हैं. जो इन नियमों का उल्लघंन करता है. उन पर फाइन लगाया जाता है. या फिर सजा दी जाती है. भारत में एक नियम गाड़ी की हैडलाइट्स को लेकर के भी है. कोई भी अगर हाई बीम पर गाड़ी चलाता है।

तो ऐसे वाहन चालकों का भी चालान किया जाता है. बहुत से लोग रात के समय अच्छी विजिबिलिटी के लिए कार को हाई बीम पर चलते हैं. और खास तौर पर बारिश के मौसम में और जब धुंध होती है. तो लोग हाई बीम का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं. लेकिन ऐसा करना गैरकानूनी होता है. अगर कोई हाई बीम पर गाड़ी चलाता है. तो आप कर सकते हैं उसकी शिकायत. कहां करें शिकायत चलिए बताते हैं।

हाई बीम पर गाड़ी चलाने वालों की शिकायत

हाई बीम पर गाड़ी चलाना प्रतिबंधित है. ऐसे में अगर आपको कोई हाईवे पर गाड़ी चलाता हुआ दिखाई देता है. तो फिर आपकी उसकी शिकायत कर सकते हैं. ऐसे में आप चाहें तो नजदीक ट्रैफिक पुलिस को जानकारी दे सकते हैं. या फिर आप चाहें तो हेल्पलाइन नंबर 100 पर भी कॉल करके शिकायत दर्ज करवा सकते हैं. भारत में ट्रैफिक पुलिस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हो चुकी है।

इसीलिए अगर आपको कोई वाहन चालक हाई बीम पर गाड़ी चलाता हुआ दिखाई दे जाता है. तो आप ट्रैफिक पुलिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी इस बात की सूचना दे सकते हैं. आप चाहें तो गाड़ी का फोटो खींच करके भी मीडिया पर ट्रैफिक पुलिस को भेज सकते हैं. या आप गाड़ी का नंबर भी ट्रैफिक पुलिस को बता सकते हैं। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई करेगी।

हाई बीम पर होता है चालान

हाई बीम पर गाड़ी चलाना खतरनाक होता है. क्योंकि इससे सामने से आ रहे वाहनों के ड्राइवरों की आंखों पर तेज रोशनी पड़ती है और उनकी आंखें चौंधिया जाती है. इस वजह से हादसा होने का डर रहता है. इसीलिए हाई बीम को प्रतिबंधित किया है. लेकिन बावजूद इसके अगर कोई हाई बीम हेडलाइट पर गाड़ी चलाता हैं. तो फिर मोटर वाहन अधिनियम के तहत उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है. ऐसे केस में जुर्माने की राशि 500 रुपये से लेकर एक हजार रुपये तक हो सकती है।

अश्लील वीडियो का डर दिखाकर कॉलेज छात्रा से 35 हजार की ठगी

कार्रवाई से बचने 17 बार करवाये ट्रांजैक्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

साइबर अपराध के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ताजा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है, जहां एक कॉलेज छात्रा साइबर ठगों का शिकार हो गई। छात्रा ने साइबर शाखा में शिकायत दर्ज कराई है कि साइबर ठग ने फोन कर पोर्न वेबसाईट पर अश्लील वीडियो देखने का डर दिखाकर ठगा। जानकारी के अनुसार, साइबर

ठग ने उक्त छात्रा को झांसे में लेकर 17 बार में कुल 35 हजार रुपये उसके खाते से निकलवा लिए। जब उसके परिचितों ने इस संदिग्ध लेनदेन की जानकारी परिजनों को दी, तब मामला सामने आया। इसके बाद छात्रा द्वारा कोतवाली थाने की साइबर शाखा में इस संबंध में शिकायत की गई है। साइबर शाखा ने मामले की जांच शुरू कर दी है, पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अंजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक , वीडियो के झांसे में न आएं और इस तरह के मामलों में तुरंत साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी थाने से संपर्क करें।

ताजा मामला जिले की एक कॉलेज छात्रा से जुड़ा है, जिसे ठगों ने चालाकी से झांसे में लेकर 35 हजार रुपये की ठगी कर ली। जानकारी के अनुसार, छात्रा को अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर बताया कि उसके मोबाइल से लगातार अश्लील वीडियो देखे जा रहे हैं, जिसके चलते उस पर पुलिस कार्रवाई हो सकती है। ठग ने छात्रा को डराते हुए कहा कि यदि वह कार्रवाई से बचना चाहती है ,तो तुरंत कुछ राशि जमा करनी होगी। भय के कारण छात्रा ने साइबर ठग द्वारा भेजे गए बारकोड के माध्यम से करीब 15 मिनट में 17 बार ट्रांजेक्शन करते हुए कुल 35 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब छात्रा ने अपने परिचित से और पैसे मांगे तो उसने पूरी बात पूछी, तब यह मामला सामने आया कि छात्रा साइबर ठगी का शिकार हो चुकी है। इसके बाद उसने तुरंत कोतवाली थाने की साइबर शाखा में शिकायत दर्ज कराई। छात्रा ने बताया कि उसके बैंक खाते में लगभग 78 हजार रुपये थे, जिन्हें वह आगे भी ट्रांसफर करने जा रही थी, लेकिन ट्रांजेक्शन फेल होने के कारण वह रुक गई और अपने परिचित को इसकी जानकारी दी। वह बड़ी रकम के नुकसान से बच गई। पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले में जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने कहा-सतर्क और सावधान रहें

साइबर अपराध की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए जिले की साइबर शाखा लगातार जनजागरूकता अभियान चला रही है। साइबर शाखा के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पिछले कई महीनों से स्कूल-कॉलेजों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को साइबर ठगी से बचाने के लिए जानकारी दी जा रही है। इसके बावजूद कुछ लोग ठगों के झांसे में आकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। साइबर शाखा के पुलिसकर्मियों ने बताया कि आमजन किसी भी अनजान नंबर से आने वाले कॉल, मैसेज या लिंक पर विश्वास न करें। विशेष रूप से व्हाट्सएप ग्रुप में भेजे जाने वाले एपीके फाइल, अज्ञात लिंक, या बैंक संबंधी ओटीपी और पासवर्ड किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। उन्होंने कहा कि कई बार ठग पुलिस अधिकारी, सरकारी एजेंसी या बैंक प्रतिनिधि बनकर फोन करते हैं और धमकी या कार्रवाई का डर दिखाकर पैसे ऐंठने की कोशिश करते हैं। ऐसे मामलों में घबराएं नहीं, बल्कि तुरंत अपने परिजनों को बताएं और निकटतम थाने सहित साइबर हेल्पलाइन में शिकायत करें।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

नक्सल ग्राम बोदालझोला में लाईन का सुधार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले के किरनापुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले दूरस्थ एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र के आदिवासी बहुल ग्राम बोदालझोला में केबल लाइन को ऊंचा करने का कार्य किया जा रहा है। यह काम लगातार दूसरे दिन भी जारी है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री श्री अमित कुमार ने बताया कि बोदालझोला के ग्रामीणों को नियमित रूप से बिजली उपलब्ध कराने के लिए इस कार्य को प्राथमिकता से किया जा रहा है। केबल लाइन से किसी तरह की दुर्घटना ना हो इसके लिए इसे ऊंचा करने का काम भी किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट